THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 226 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.7 2081 शुक्रवार, 8 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हैदराबाद समेत कई शहरों में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को (फेमा) जांच के तहत अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों के कुछ विक्रेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली, गुरुग्राम (हरियाणा), हैदराबाद (तेलंगाना) और बेंगलूरू (कर्नाटक) में कई स्थानों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई कुछ अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से कारोबार करने वाले कुछ विक्रेताओं द्वारा किए जा रहे वित्तीय लेनदेन से संबंधित है। जांच विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम साल 1999 में लागू किया गया था। फेमा में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही विदेशी मुद्रा या विदेशी प्रतिभूति में लेनदेन करने की अनुमति दी गई है।

वन रैंक वन पेंशन को 10 साल पूरे

साहस और बलिदान को नमन : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। आज के ही दिन 10 साल पहले केंद्र की मोदी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) लागू की थी। पीएम ने इस ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए बताया कि इस योजना से लाखों पेंशनधारकों को फायदा पहुंचा है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू करना देश की अपने नायकों के प्रति कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्या है ओआरओपी योजना :

बता दें, ओआरओपी योजना के तहत सशस्त्र बलों के कार्मिकों को समान पद और सेवा अवधि के लिए समान पेंशन का भुगतान किया जाता है, चाहे उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि कुछ भी हो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2014 के लोकसभा चुनाव में इस योजना को लागू करने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद, मोदी ने सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों की प्रमुख शिकायतों को दूर करने के लिए इस योजना को लागू करने को प्राथमिकता दी थी।

साहस और बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में दिग्गजों को याद किया और कहा कि ओआरओपी उनके बलिदान और साहस को श्रद्धांजलि देने का एक तरीका है। उन्होंने कहा, आज ही के दिन वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) लागू किया गया था। यह हमारे सैनिकों और पूर्व सेवा कर्मियों के साहस और बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, ओआरओपी को लागू करने का निर्णय इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने और हमारे नायकों के प्रति हमारे देश की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

पीएम की सशस्त्र सेनाओं के प्रति नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा ओआरओपी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी ओआरओपी को सशस्त्र बलों के प्रति प्रधानमंत्री की नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सशस्त्र सेनाओं के प्रति नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है।

उनके नेतृत्व में सरकार सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओआरओपी के क्रियान्वयन से 25 लाख से अधिक भूतपूर्व सैनिकों को लाभ मिला है। देश के भूतपूर्व सैनिकों से की गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार।

भारत ने कनाडा में बंद किए वाणिज्य दूतावास

कहा बुनियादी सुरक्षा भी नहीं मिल रही

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और कनाडा के रिश्तों में तनातनी चल रही है। इसी बीच भारत ने बड़ा फैसला लेते हुए कनाडा में कुछ वाणिज्य दूतावासों को बंद कर दिया है। ये निर्णय बीते 2 और 3 नवंबर को कनाडा के ब्रैम्पटन और सरे में दो कॉन्सुलेट (वाणिज्य दूतावास) पर खालिस्तान समर्थकों की भीड़ द्वारा किए गए हमलों के बाद लिया गया है। दरअसल, इन कॉन्सुलेट को कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों द्वारा बुनियादी सुरक्षा भी मुहैया नहीं कराई जा रही थी।

टोरंटो में इंडियन कॉन्सुलेट जनरल (भारतीय महावाणिज्य दूतावास) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों द्वारा न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में भी अपनी असमर्थता जाहिर करने के मद्देनजर कुछ वाणिज्य दूतावासों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि बीते 2 और 3 नवंबर को खालिस्तान समर्थित भीड़ ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के परिसर में प्रवेश किया।

आरोपों पर बोले राहुल गांधी, मैं व्यापार नहीं, बल्कि एकाधिकार विरोधी हूं

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि वह व्यापार विरोधी नहीं हैं, जैसा कि भाजपा कह रही है, बल्कि वह एकाधिकार और अल्पाधिकार बनाने के विरोधी हैं। राहुल गांधी की ये टिप्पणी एक समाचार पत्र में एक लेख लिखने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मूल ईस्ट इंडिया कंपनी 150 साल पहले खत्म हो गई थी, लेकिन उसके बाद पैदा हुआ डर फिर से वापस आ गया है, क्योंकि एकाधिकारियों की एक नई नस्ल ने उसकी जगह ले ली है। हालांकि, राहुल गांधी ने जोर देकर कहा था कि प्रगतिशील भारतीय व्यापार के लिए एक नया सौदा एक ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है।

राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपना करियर एक प्रबंधन सलाहकार के रूप में शुरू किया और मैं समझता हूं कि किसी व्यवसाय को सफल बनाने के लिए किस तरह की चीजों की आवश्यकता होती है। इसलिए मैं बस दोहराना चाहता हूं, मैं व्यापार विरोधी नहीं हूं, मैं एकाधिकार विरोधी हूं। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में गांधी ने कहा, मैं नौकरियों का समर्थक हूं, व्यापार का समर्थक हूं, नवाचार का समर्थक हूं, प्रतिस्पर्धा का समर्थक हूं। मैं एकाधिकार का विरोधी हूं।

राहुल गांधी ने अपने लेख में क्या लिखा था :

दरअसल, राहुल गांधी का 'भारतीय कारोबार के लिए एक सौदा' शीर्षक के साथ लेख एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित हुआ। इसे उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर साझा करते हुए लिखा, अपना भारत चुनिए: नौकरियां या कुलीन तंत्र? योग्यता या संबंध? नवाचार या डराना-धमकाना? पैसा बहुत लोगों के लिए या कुछ लोगों के लिए? मैंने इस पर लिखा है कि क्यों कारोबार के लिए नया सौदा एकमात्र विकल्प नहीं है। यह भारत का भविष्य है।

ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप कराया था :

राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, हमारी अर्थव्यवस्था तभी फलेगी-फूलेगी जब सभी व्यवसायों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष स्थान होगा। अपने लेख में गांधी ने कहा था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप करा दिया था और यह उसकी व्यापारिक ताकत से नहीं, बल्कि उसके नियंत्रण से चुप कराया गया था। उन्होंने बताया कि कंपनी ने भारत को अपने से अधिक दब्बू महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, उन्हें रिश्वत देकर और धमकाकर चुप करा दिया। उन्होंने कहा, इसने हमारे बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया।

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत इकोसिस्टम : अमित शाह

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दो-दिवसीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन-2024 का इनॉगरेशन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 सालों में आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाए है। इससे आतंकवाद से लड़ने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नारे को केवल भारत ने ही नहीं पूरी दुनिया ने अपनाया है। अमित शाह ने आगे कहा कि ये सम्मेलन भारत के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए सिक्योरिटी एजेंसियों के बीच तालमेल को बढ़ाएगा। दिल्ली में चल रहे नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) के इस सम्मेलन में पिछले कुछ सालों से आतंकवाद के खिलाफ हुई कार्रवाई में आई समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीनियर पुलिस अधिकारी, स्पेशल सिक्योरिटी एजेंसी, फोरेंसिक और टेक्निकल एक्सपर्ट शामिल होंगे।

शहीदों के परिवारों को धन्यवाद दिया : सम्मेलन में संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल बीत चुके हैं। अब तक देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा बनाए रखने के लिए 36,468 पुलिसकर्मियों ने शहादत दी है। उन सभी को शहीदों के परिवारों को धन्यवाद देना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा कि आतंकवादी हमलों से सटीक तरीके निपटने के लिए युवा ऑफिसर्स को हाई लेवल तकनीकों से लैस करना होगा। इसे उनकी ट्रेनिंग में अहम हिस्सा बनाया जाएगा।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : सुप्रीम कोर्ट का पश्चिम बंगाल से बाहर केस ट्रांसफर करने से इनकार, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सभी राज्यों से सुझाव मांगे

नई दिल्ली/कोलकाता, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई किसी और राज्य में ट्रांसफर करने से भी इनकार कर दिया है। डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर एक वकील ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार ने नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) की रिपोर्ट दाखिल कर दी है। एनटीएफ ने दो श्रेणियों में सिफारिशें तैयार की हैं। पहला- शारीरिक हिंसा की रोकथाम और दूसरा- मेडिकल प्रोफ्रेशनल्स के खिलाफ यौन हिंसा की रोकथाम। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो एनटीएफ की रिपोर्ट की कॉपी केस से जुड़े सभी वकीलों, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे। इसके बाद सभी याचिकाकर्ता और राज्यों के चीफ सेक्रेटरी इस पर अपने सुझाव दें। इससे पहले 4 नवंबर को पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने रेप और और मर्डर के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए थे।

अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट

अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

प्रयागराज, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निर्मोही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा।

भूमि आवंटन के लिए पहुंचे थे मेला कार्यालय

अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया।

काफी दिनों से चल रही है रस्साकसी

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

रिटायरमेंट से पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बड़ा फैसला

अब सुप्रीम कोर्ट के जजों को नहीं मिलेंगी ये छुट्टियां

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अपने रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने बड़ा फैसला लिया है। अपनी सेवानिवृत्ति से पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब केवल आंशिक न्यायालय कार्य दिवस (आंशिक न्यायालय कार्य दिवस) होंगे।

यह नया नियम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। साल 2025 के ज्यूडीशियल कैलेंडर में समर ब्रेक को 'आंशिक कार्य दिवस' के रूप में नामित किया गया है। संशोधित नियमों के अनुसार, आंशिक कार्य दिवस 26 मई, 2025 से शुरू होंगे और पूर्ण कार्य दिवस 14 जुलाई, 2025 से शुरू होंगे। सुप्रीम कोर्ट इन दो सत्रों के लिए बैठेगा- पहला सत्र आंशिक कार्य दिवसों के साथ शुरू होगा, जो विंटर ब्रेक से ठीक पहले वाले दिन खत्म होगा। दूसरा सत्र शीतकालीन अवकाश के अंत से शुरू होगा। इस बीच, आंशिक कार्य दिवसों की अवधि सीजेआई द्वारा तय की जाएगी, जो इस अवधि के दौरान मामलों की सुनवाई के लिए एक या एक से अधिक जजों की नियुक्ति भी करेंगे। ये जज एंट्रेन्स से संबंधित सभी मामलों, नोटिस मामलों, नियमित मामलों या अर्जेंट मामलों पर विचार करेंगे।

10 नवंबर को रिटायर होंगे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ :

गौरतलब है कि सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जिन्होंने 9 नवंबर, 2022 को पदभार ग्रहण किया था, 10 नवंबर को पदमुक्त होंगे। जस्टिस संजीव खन्ना जो वर्तमान में शीर्ष अदालत में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं, भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे और 11 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं, एक अन्य बड़े फैसले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने गुरुवार को कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए चयन नियम भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले तय किए जाने चाहिए।

सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदल सकते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने सरकारी नौकरियों की चयन प्रक्रिया के नियमों को लेकर गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता है। ऐसा तब तक तो बिल्कुल नहीं कर सकते हैं, जब तक ऐसा निर्धारित न हो।

दरअसल, कोर्ट इस सवाल पर फैसला सुना रही थी कि क्या राज्य और उसके संस्थान प्रक्रिया शुरू होने के बाद नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया के नियमों में बदलाव कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले एक बार तय किए गए नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता। पीठ में न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

सिद्धारमैया को फिर तलब कर सकती है लोकायुक्त पुलिस

बंगलूरू, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन केस में जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कानूनी सलाहकार ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो लोकायुक्त पुलिस सीएम को फिर से तलब कर सकती है। सीएम कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना ने कहा कि सीएम जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। अगर जांच अधिकारी को जांच के दौरान कोई जानकारी मिलती है और वे सीएम के बयान दर्ज करना चाहते हैं, तो उनको बुला सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीसी की धारा 41 ए के तहत जांच अधिकारी ने सीएम को नोटिस दिया है। अगर दोबारा जरूरत पड़ी तो वह सीएम को बुलाएंगे। यह सामान्य प्रक्रिया है। जांच के दौरान जांच अधिकारी आरोपी और गवाहों को जितनी बार चाहें बुला सकते हैं।

लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को मुडा जमीन आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से पूछताछ की थी। सिद्धारमैया एक समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) टीजे उदेश के नेतृत्व वाली टीम के सवालों के जवाब दिए। इसके बाद सीएम ने कहा था कि मैंने लोकायुक्त द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं।

लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बीएम को 14 जगहों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं का आरोप है। 25 अक्तूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की गई थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है। सिद्धरमैया, उनकी पत्नी, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य का नाम मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में दर्ज है। देवराजू से स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी। स्वामी और देवराजू पहले ही लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हो चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर हमला

> राहुल गांधी नहीं करते संविधान का सम्मान

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नागपुर में संविधान सम्मेलन के आयोजन को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मेलन किया, लेकिन वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार करने गए किरेन रिजिजू ने मल्लिकार्जुन खड़गे की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो शब्द कहे हैं, उनसे मैं बेहद दुखी हूं। यह आपत्तिजनक है। आज पूरी दुनिया के लोग पीएम मोदी से प्रेरणा ले रहे हैं। कल ही डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पीएम मोदी से बात की है। मैं पूरी दृढ़ता से कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रयोग किए गए शब्दों की निंदा करता हूं।

किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वह जम्मू कश्मीर में धारा 370 बहाल किया जाएगा। जबकि इसके चलते वहां आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाई और वहां के एससी-एसटी वर्ग को आरक्षण दिया। कांग्रेस इस तरह लोगों को गुमराह नहीं कर सकती। अगर हम कांग्रेस की करनी को नहीं समझेंगे तो क्या होगा? उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगियों को सबक सिखाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने जो भी घोषणाएं की हैं, उन पर कोई भरोसा नहीं करेगा।

राहुल गांधी ने नागपुर में भाजपा को घेरा था :

राहुल गांधी ने बुधवार को नागपुर में संविधान सम्मेलन में कहा था कि हम 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की दीवार भी तोड़ देंगे।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की ओर से तैयार किया गया संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते हैं, तो वे सिर्फ इस किताब पर हमला नहीं कर रहे होते, वे भारत की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं। हमारे संस्थान संविधान से बने हैं। अगर संविधान नहीं होगा, तो कोई चुनाव आयोग नहीं होगा।

ज्योतिरादित्य की टिप्पणी पर कांग्रेस का पलटवार

सिंधिया शासकों ने अंग्रेजों को दिया था समर्थन

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया पर पलटवार किया और उन्हें याद दिलाया कि उनके पूर्वजों ने ब्रिटिश काल में ईस्ट इंडिया कंपनी का समर्थन किया था। विपक्षी पार्टी ने यह ताजा हमला सिंधिया की उस सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर किया गया है, जिसमें उन्होंने पार्टी के नेता राहुल गांधी की आलोचना की थी।

दरअसल, नेता प्रतिपक्षा राहुल गांधी का 'भारतीय कारोबार के लिए एक सौदा' शीर्षक के साथ लेख एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित हुआ।

इसे राहुल गांधी ने इस लेख को अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर साझा करते हुए लिखा, अपना भारत चुनिए: नौकरियां या कुलीन तंत्र? योग्यता या संबंध? नवाचार या डराना-धमकाना? पैसा बहुत लोगों के लिए या कुछ लोगों के लिए? मैंने इस पर लिखा है कि क्यों कारोबार के लिए नया सौदा एकमात्र विकल्प नहीं है। यह भारत का भविष्य है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लेख पर क्या प्रतिक्रिया दी :

इसके बाद सिंधिया ने अपने एक्स खाते पर इसी लेख में राहुल गांधी टैग करते हुए लिखा, जो लोग नफरत बेचते हैं, उन्हें भारत के गौरतव और इतिहास पर उपदेश देने का कोई हक नहीं है। राहुल गांधी का भारत के समृद्ध धरोहर के प्रति अज्ञान और उनकी औपनिवेशी मानसिकता अब हद पार कर चुकी है। अगर आप देश को ऊंचा उठाने का दावा करते हैं, तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर टिकेंद्रजीत, किट्टूर चेन्नमा और रानी वेलुनचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्हंने हमारी आजादी के लिए बहादुरी से संघर्ष किया।

'विपक्ष महिलाओं को दे रहा धोखा'

> एमवीए के वादे पर बरसे डिप्टी सीएम अजित पवार

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को दावा किया कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद विपक्षी गठबंधन के सत्ता में आने पर राज्य की महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का वादा करके धोखा दे रहा है।

एमवीए ने लड़की बहन योजना पर उठाया था सवाल

पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए एनसीपी के मुखिया अजित पवार ने कहा कि जब महायुति सरकार ने अपनी लड़की बहन योजना के तहत महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने की पेशकश की थी, तो विपक्ष ने इसकी व्यवहार्यता पर सवाल उठाया था। बता दें कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) से मिलकर बने एमवीए गठबंधन ने बुधवार को महाराष्ट्र की महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है।

ऐसे वादे करके धोखा दे रहा है विपक्ष :

एमवीए की गारंटी पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि विपक्ष ऐसे वादे करके धोखा दे रहा है। उन्होंने कहा कि लड़की बहन योजना के तहत 1,500 रुपये (प्रति माह) देने का फैसला इसलिए किया गया क्योंकि यह संभव था। अगर वे महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का दावा करते हैं, तो खर्च 90,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। वे बेरोजगार युवाओं को 4,000 रुपये प्रति माह देने का भी वादा कर रहे हैं, और अगर एक लाख बेरोजगार युवा लाभान्वित होते हैं, तो उस योजना पर खर्च लगभग 40,000 करोड़ रुपये होगा।

वेतन, पेंशन और ऋण पर ब्याज का प्रबंधन कैसे करेंगे?

उपमुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए, इन दोनों योजनाओं के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जबकि राज्य का बजट 7 लाख करोड़ रुपये है। वे वेतन, पेंशन और ऋण पर ब्याज का प्रबंधन कैसे करेंगे? राज्य सरकारों की तरफ से ऐसे वादों पर आरबीआई की कथित चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर, अजित पवार ने कहा, यह उनकी राय है क्योंकि वे राज्य के वित्त को अपने दृष्टिकोण से देखते हैं। हम जन प्रतिनिधि हैं, और जन-हितैषी सरकार चलाते समय हमें हाशिए पर पड़े लोगों को साथ लेकर चलना होता है।

आरोपी और पीड़ित पक्ष के बीच में हो गया समझौता

तो भी रद्द नहीं हो सकता यौन उत्पीड़न का केस, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि यौन उत्पीड़न के मामले को इस आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता कि शिकायतकर्ता और आरोपी के बीच 'समझौता' हो गया है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते के आधार पर यौन उत्पीड़न के मामले को रद्द कर दिया गया था। बार बेंच के मुताबिक, जस्टिस सीटी रविकुमार और पीवी संजय कुमार की खंडपीठ ने फैसला सुनाया और कहा, आक्षेपित आदेश को रद्द कर दिया गया है, एफआईआर और आपराधिक कार्यवाही कानून के अनुसार आगे बढ़ाई जाएगी। बेंच ने साफ किया कि उसने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फैसला पिछले साल अक्टूबर में सुरक्षित रखा गया था और यह इस सवाल से जुड़े मामले में आया था कि क्या हाई कोर्ट के पास सीआरपीसी की धारा 482 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, शिकायतकर्ता और आरोपी दोनों के बीच समझौते के आधार पर यौन उत्पीड़न के मामले को रद्द करने की शक्ति है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल यह मामला 15 साल की लड़की के यौन उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसके पिता ने एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि, आरोपी और पीड़िता के परिवार के बीच समझौता हो गया, जिसके आधार पर आरोपी ने मामले को रद्द करने की मांग करते हुए राजस्थान हाई कोर्ट का रुख किया। बार बेंच ने बताया कि हाई कोर्ट ने याचिका पर संज्ञान लेते हुए आपराधिक मामले को रद्द कर दिया। हालांकि, एक तीसरे पक्ष, जिसका इस मामले से कोई संबंध नहीं है, रामजी लाल बैरवा ने हाई कोर्ट के आदेश पर आपत्ति उठाते हुए, याचिका दायर की और मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया। एक अप्रभावित तीसरे पक्ष, रामजी लाल बैरवा द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश पर आपत्ति उठाते हुए याचिका दायर करने के बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गया।

कालिंदी कुंज में यमुना में शव मिलने से हड़कंप, नोएडा जाने वाली सड़क पर लगा लंबा जाम

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के कालिंदी कुंज क्षेत्र में गुरुवार सुबह यमुना नदी में एक शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पुलिस, फायर और एनडीआरएफ की टीम पहुंची और शव को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। कालिंदी कुंज दिल्ली और नोएडा के बीच स्थित प्रमुख इलाका है, वहां यमुना नदी पर बने पुल के पास शव दिखाई दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। एनडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकालने के लिए कार्य शुरू किया। शव को बाहर निकालने में कुछ समय लगा, जिसके कारण स्थिति और जटिल हो गई। इस मामले के बाद दिल्ली से नोएडा जाने वाली सड़क पर भारी जाम लग गया। रास्ते में गाड़ियां रेंग-रेंगकर चलती नजर आईं। सुबह के समय यातायात की स्थिति काफी खराब हो गई। जाम में फंसे वाहन चालक परेशान नजर आए। शव मिलने के बाद पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है,

ममता सरकार के मंत्री फिरहाद हकीम का विवादित बयान

भाजपा नेता को बताया माल, भड़कीं अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार में कैबिनेट मंत्री फिरहाद हकीम ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संदेशखाली को इतना बड़ा कलंक भाजपा ने लगा दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे एक दोस्त थे संदेशखाली में। उनकी बेटी की शादी कैनिंग में तय हुई थी। लड़के वाले इस रिश्ते से मुकर गए हैं। लड़के वालों ने कहा कि उनके पड़ोसी कहेंगे संदेशखाली से लाई गई बेटी पवित्र नहीं है। इस घटना के बाद से लगातार लड़की के पिता और माता रोए जा रहे हैं। इस इलाके में इतना बड़ा कलंक कौन लगा दिया। भाजपा ने लगा दिया।

फिरहाद हकीम ने भाजपा पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि यहां पर एक दाढ़ी वाला कोई आया था चुनाव से पहले। याद है आपको? क्या नाम है उनका? आप लोग बोलिए क्या नाम है? उनका नाम है नरेंद्र मोदी। यहां पर आकर रो रहे थे। मेरी संदेशखाली के माता-बहनों के नाम पर रो रहे थे। उन्होंने संदेशखाली से अपना उम्मीदवार भी दे दिया। वह सुश्री महिला अब कहां हैं। हाजी नुरुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। हार गया हारा हुआ माल। कई लाख वोटों से हार गया। हारकर केस किया। भाजपा केवल केस समझती है। जनता के साथ खड़ा होना उन्हें नहीं आता है।

फिरहाद हकीम के बयान पर भड़कीं अग्निमित्रा पॉल

फिरहाद हकीम के बयान को लेकर भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि फिरहाद हकीम ने संदेशखाली के भाजपा प्रार्थी लेखा पात्र को माल कहा है। यह पहली बार नहीं है कि टीएमसी के मंत्री, सांसद, विधायकों ने महिला का अपमान किया है। यह उनकी नीति है। आज टीएमसी का आचार-व्यवहार जो हम देखते हैं, वो महिला को एक भोग्य वस्तु के नजरिए से देखते हैं। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से महिला पर अत्याचार हो रहे हैं। आज मर्डर हो रहे हैं। 5-70 साल तक की महिलाओं के ऊपर अत्याचार किया जा रहा है। बावजूद इसके महिला मुख्यमंत्री द्वारा कोई बयान नहीं दिया जा रहा है।

पीएस और डीएमई को अवमानना का नोटिस हाईकोर्ट के आदेश पर नहीं की कार्रवाई

जबलपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मप्र जबलपुर हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के बावजूद राज्य शासन द्वारा अतिरिक्त पेंशन का भुगतान नहीं किए जाने के खिलाफ वयोवृद्ध सेवानिवृत्त डीन ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस एके सिंह की एकलपीठ ने लोक स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल और डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन अरुण कुमार श्रीवास्तव को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं।

जबलपुर निवासी डॉ. केके कौल (93) की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से वे डीन पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हाईकोर्ट ने दायर याचिका की सुनवाई करते हुए दो अगस्त 2024 को पारित आदेश में उन्हें 80वें वर्ष में प्रवेश यानी 13 अक्टूबर 2011 की तिथि से अतिरिक्त पेंशन का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए थे। इसी प्रकार 85वें और 90वें वर्ष में प्रवेश करने पर अतिरिक्त पेंशन की बढ़ोतरी का लाभ देने के भी आदेश जारी किए थे। हाईकोर्ट ने पूरी प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए थे।

याचिका में कहा गया है कि तीन माह का समय बीत जाने के बाद भी आदेश का पालन नहीं हुआ है। राज्य शासन के 30 अक्टूबर 2010 के परिपत्र के अनुसार, 80वें वर्ष की आयु में प्रवेश करने पर सेवानिवृत्त कर्मचारी मूल पेंशन का 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन पाने का अधिकारी है। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद अधिकारियों को नोटिस जारी कर अवमानना कार्रवाई के संबंध में जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी ने पैरवी की।

'धारा 370 के लिए प्रस्ताव पास करना देश तोड़ने की मानसिकता', स्मृति ईरानी की खरी-खरी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अनेक दल लगातार भारतीय संविधान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद भी इसको दोबारा वापस लाने के लिए कांग्रेस गठबंधन के द्वारा जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में प्रस्ताव पास करना देश को तोड़ने की मानसिकता दिखाता है। इस अनुच्छेद के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर के दलितों-आदिवासियों को आरक्षण सहित अनेक अधिकार मिले हैं, लेकिन इसे वापस लाने की इंडिया गठबंधन की सोच दलितों-आदिवासियों के विरुद्ध है।

मुद्दे का महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर भी असर

इस मुद्दे का महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि इन राज्यों में आदिवासियों की बड़ी संख्या निवास करती है। झारखंड में भाजपा गठबंधन और जेएमएम गठबंधन लगातार आदिवासी समुदाय पर दांव लगाए हुए हैं।

प्रस्ताव देश की एकता के विरुद्ध

स्मृति ईरानी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि यह प्रस्ताव देश की एकता के विरुद्ध है। इस अनुच्छेद की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की एक नई धारा बही है। महिलाओं और आदिवासियों के जीवन स्तर में वृद्धि हुई है, लेकिन धारा 370 को वापस लाने की बात करना महिलाओं के भी विरुद्ध है।

विकास के एजेंडे को भ्रमित करने की कोशिश

भाजपा नेत्री का आरोप है कि इस प्रस्ताव में आम जनों को जो अधिकार देने की बात कही है, वे पहले ही जम्मू-कश्मीर में लोगों को दी जा चुकी हैं। इसके बाद भी इस तरह का प्रस्ताव लाना विकास के एजेंडे को भ्रमित करने की कोशिश है। बीजेपी ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन के नेताओं को महाराष्ट्र और झारखंड में भी इस मुद्दे को उठाने की चुनौती दी है।

सुप्रिया ने अजित पवार के साथ गठबंधन से किया इनकार, कहा- 'सीएम पद की दौड़ में नहीं'

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। एनसीपी (सपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ तब तक किसी भी राजनीतिक सुलह की संभावना नहीं है, जब तक कि वह भाजपा के साथ गठबंधन में हैं।' हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सत्ता में आती है तो वह मुख्यमंत्री पद के लिए लक्ष्य नहीं बना रही हैं। सुले ने 20 नवंबर को होने वाले आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में एमवीए की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया। गठबंधन, जिसमें एनसीपी (एसपी), कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं, ने पिछले लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, और महाराष्ट्र में 48 में से 30 सीटें हासिल की थीं।

महाराष्ट्र का राजनीतिक परिदृश्य

महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य उथल-पुथल भरा रहा है। पिछले साल, अजित पवार और कई एनसीपी विधायकों ने एकनाथ शिंदे-बीजेपी सरकार के साथ हाथ मिला लिया, जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी में विभाजन हो गया। इसके बाद जून 2022 में शिंदे ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया, जिससे एक और विभाजन हो गया। सुले ने अजित पवार के साथ राजनीतिक रूप से फिर से जुड़ने पर जोर देते हुए कहा, हमारी विचारधाराएं अभी भी राजनीतिक रूप से एक चुनौती बनी हुई हैं। उन्होंने एमवीए के सीएम उम्मीदवार होने की अटकलों को भी खारिज कर दिया।

विधानसभा चुनाव और पार्टी रणनीति

जब उनसे पूछा गया कि क्या आगामी विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र की बिखरी हुई राजनीति को सुलझा देंगे, तो सुले ने कहा कि लोकसभा के नतीजों ने पहले ही स्पष्टता दे दी है। उन्होंने अवैध पार्टी विभाजन और आवंटन के कारण चल रही कानूनी लड़ाइयों पर प्रकाश डाला। सुले ने केवल 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की किसी रणनीति से इनकार किया और इस बात पर जोर दिया कि उनका ध्यान रणनीति के बजाय सेवा पर है। एनसीपी (एसपी) एमवीए की सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत 288 विधानसभा सीटों में से 86 पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है और अपने प्रदर्शन को लेकर आशावादी है।

फर्जी विमर्श गढ़ने की फैक्ट्री के मालिक हैं शरद पवार एनसीपी-एसपी चीफ पर देवेंद्र फडणवीस का हमला

नागपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुछ दिन बचे हैं। उससे पहले सियासी दलों के नेताओं के बीच एक दूसरे पर आरोप मढ़ने का दौर जारी है। इस बीच, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शरद पवार पर हमला बोलते हुए कहा कि फर्जी विमर्श गढ़ने की फैक्ट्री के मालिक हैं। साथ ही फडणवीस ने एनसीपी-एसपी के इस दावे का खंडन करने की कोशिश की कि राज्य की औद्योगिक परियोजनाएं गुजरात ले जाई जा रही हैं। फडणवीस ने पुणे जिले के चिंचवाड़ में चुनावी रैली में कहा, हाल ही में फर्जी विमर्श गढ़ने की फैक्ट्री शुरू हुई है और मुझे यह देखकर हैरानी हो रही है कि महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार इस फैक्ट्री के मालिक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। पवार साहब, आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, वह कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में व्यवसाय नहीं हो रहा है। राज्य में औद्योगिकीकरण नहीं हो रहा है, लेकिन हकीकत में पुणे जिला हमारा औद्योगिक जिला है, यह हमारा विनिर्माण और आईटी केंद्र है और हम अब इसे प्रौद्योगिकी केंद्र में बदल रहे हैं। दरअसल, शरद पवार ने बारामती में चुनावी रैली में दावा किया था कि दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा चाहते थे कि एफएएल और एयरबस परियोजना महाराष्ट्र में आए और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान नागपुर एमआईडीसी में इसके लिए 500 एकड़ की जमीन भी निर्धारित की गई थी। पवार ने दावा किया था कि जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने टाटा से गुजरात में यह कारखाना स्थापित करने के लिए कहा।

'सरकार बनी तो सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा देंगे', क्यों भड़क गए राज ठाकरे?

अमरावती, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे वोटिंग का दिन नजदीक आता जा रहा है वैसे-वैसे सियासी पारा भी चढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र चुनाव में अब लाउडस्पीकर की भी एंट्री हो गई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने वोट देने के लिए फतवों और लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर बड़ा बयान दिया है। राज ठाकरे का कहना है कि अगर उनकी सरकार बनी तो वो सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा देंगे। आइए जानते हैं कि राज ठाकरे ने इस मुद्दे पर और क्या कुछ कहा।

हिंदू सिर्फ दंगों के वक्त साथ आते हैं- राज ठाकरे

दरअसल, मनसे चीफ राज ठाकरे महाराष्ट्र के अमरावती में अपनी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हिंदुत्व के मुद्दे को लेकर जमकर महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए पर हमला बोला। राज ठाकरे ने कहा कि हिंदू बिखरे हुए हैं, वे सिर्फ दंगों के दौरान एक साथ आते हैं। इसके बाद राज ठाकरे ने कहा कि मुसलमान मस्जिदों से महाविकास अघाड़ी को वोट देने के लिए फतवा जारी कर रहे हैं।

शरद पवार जातिवाद फैलाने वाले संत- राज ठाकरे

अमरावती में चुनाव प्रचार के दौरान राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर भी हमला बोला। उन्होंने शरद पवार को महाराष्ट्र में जातिवाद फैलाने वाला संत बताया और उद्धव को स्वार्थी बताया। एमएनएस चीफ ने कहा कि जब उद्धव सीएम थे तो मैंने सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटवा दिए थे, जिसके बाद हमारे लोगों पर 17 हजार केस दर्ज किए गए थे।

मैं सब ठीक कर दूंगा- राज ठाकरे

चुनाव प्रचार के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि अगर मुझे सत्ता दी गई तो कल किसी भी मस्जिद पर स्पीकर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उद्धव ने बाला साहेब ठाकरे के नाम से हिंदू हृदय सम्राट हटा दिया। उन्होंने स्वार्थ के कारण ऐसा किया, क्योंकि वे मजबूर थे। कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी उनके साथ है। अगर वे बालासाहेब को हिंदू हृदय सम्राट कहेंगे तो यह अच्छा नहीं लगेगा। राज ठाकरे ने आगे ये भी कहा कि मुझे एक बार सत्ता दे दो मैं सब ठीक कर दूंगा।

पराली जलाने पर अब दोगुना भरना होगा जुर्माना जानें कितनी जमीन पर कितना भरना होगा हर्जाना

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में हर साल ठंड की शुरुआत के साथ ही प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होने लगती है। इस साल भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। दिल्ली में ठंड के बढ़ने और हवाओं की रफ्तार स्लो होने के बाद हवा में प्रदूषण और स्मॉग देखने को मिल रहा है। दरअसल इस सीजन में पंजाब, हरियाणा समेत दिल्ली के आसपास के राज्यों में पराली जलाए जाने के भी मामले देखने को मिलते हैं। इस बीच लोगों द्वारा पराली न जलाई जाए, इसे लेकर जुर्माने की राशि को दोगुना कर दिया गया है। दरअसल केंद्र सरकार द्वारा जुर्माने की राशि को दोगुना कर दिया गया है। नए फैसले के मुताबिक, अगर किसान पराली जलाते हैं और उनके पास 2 एकड़ से कम भूमि है तो 5 हजार रुपये, 2-5 एकड़ वाले किसानों को 10 हजार रुपये और 5 एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों को 30 हजार रुपये पराली जलाने पर जुर्माना देना होगा।

आतंकी यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को लिखी चिट्ठी, जेल में बंद अपने पति को लेकर की ये अपील

जम्मू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेएफएलएफ) के प्रमुख और आतंकी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी है। मलिक ने राहुल गांधी को लिखी चिट्ठी में जेल में बंद अपने पति का मुद्दा संसद में उठाने का आग्रह किया है। मुशाल ने दावा किया है कि उसका पति जम्मू कश्मीर में शांति कायम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। राहुल को लिखी चिट्ठी में उसने कहा है कि मलिक के खिलाफ मनगढ़ंत मामलों में उसके लिए मौत की सजा की मांग की जा रही है।

एनआईए ने मलिक के लिए मांगी है मौत की सजा

मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सहायक रह चुकी मुशाल ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में 3 दशक पुराने राजद्रोह मामले में मलिक के खिलाफ जारी मुकदमे की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण यानी कि एनआईए ने उसे मौत की सजा देने का अनुरोध किया है। एनआईए ने इस मामले में एक अपील दायर करके मलिक को फांसी की सजा देने की मांग की है। एजेंसी ने 2017 के इस केस में मलिक सहित कई व्यक्तियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी।

कोर्ट ने मलिक को दी है उम्रकैद की सजा

2022 में एक निचली अदालत ने यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मुशाल ने चिट्ठी में लिखा, 'मलिक जेल में अमानवीय व्यवहार के विरोध में 2 नवंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर है। यह भूख हड़ताल मलिक के स्वास्थ्य पर और खतरनाक असर डालेगी। यह उस शख्स के जीवन को खतरे में डाल देगी, जिसने हथियार छोड़कर अहिंसा की राह पर चलने का विकल्प चुना है।' मुशाल ने आरोप लगाया कि बीजेपी की सरकार 2019 से मलिक को 'सभी अकल्पनीय तरीकों से' प्रताड़ित कर रही है।

मुशाल ने मामलों को बताया मनगढ़ंत

मुशाल ने कहा, 'मलिक पर 35 साल पुराने केस में भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का मुकदमा चलाया जा रहा है और अब एनआईए उसके खिलाफ दर्ज मनगढ़ंत मामलों में उसके लिए मौत की सजा की मांग कर रहा है। मैं आपसे (राहुल) आग्रह करती हूं कि आप संसद में अपने उच्च नैतिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करें और यासीन मलिक के केस पर एक चर्चा शुरू करें, जो जम्मू कश्मीर में 'दिखावटी' नहीं, बल्कि वास्तविक शांति कायम करने का जरिया बन सकता है।'

हब फार्मास्यूटिकल एंड रिसर्च सेंटर में एलपीजी सिलिंडर लीक होने से लगी आग, नौ कर्मचारी बुरी तरह झुलसे

देहरादून, 7 नवंबर (एजेंसियां)। देहरादून में औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई की फार्मा सिटी में हब फार्मास्यूटिकल एंड रिसर्च सेंटर में एलपीजी सिलिंडर में अचानक लीकेज से आग लग गई। वहीं, कई और सिलिंडरों ने भी आग पकड़ ली। इस दौरान फैक्टरी में कार्य कर रहे नौ कर्मचारी आग की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। मौके पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने आग से झुलसे हुए कर्मचारियों को फैक्टरी से बाहर निकाला। सभी घायलों का ग्राफिक एरा अस्पताल में उपचार चल रहा है। करीब तीन घंटे में तीन वाहनों की मदद से अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाया। सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने भी मौके पर पहुंचकर घटना और रेस्क्यू अभियान की जानकारी ली।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जबरदस्त बवाल

धारा 370 को लेकर विधायकों के बीच हुई मारपीट

जम्मू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को भी आर्टिकल 370 को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान विधायकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। यह हंगामा आर्टिकल 370 की वापसी के प्रस्ताव पर हुआ। इस दौरान पोस्टर भी फाड़े गए।

भारी बवाल के बाद विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हो गई है। बताया जा रहा है कि विधायक इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख ने सदन में आर्टिकल 370 का बैनर दिखाया, जिसमें इसकी बहाली की मांग की गई थी। बैनर दिखाए जाने का विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने विरोध किया। इस पोस्टर को देखर बीजेपी के विधायक भड़क गए। उन्होंने उनके हाथ से बैनर छीन लिया। इसके बाद पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। बीजेपी विधायकों ने शेख खुर्शीद के हाथ से बैनर लेकर फाड़ दिया।

विवादास्पद प्रस्ताव को चोरी-छिपे विधानसभा में पेश किया

बीजेपी नेता रविंद्र रैना ने कहा, जम्मू कश्मीर के अंदर जो नई सरकार बनी है, कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसीपी) जिन्होंने मिलकर यहां सरकार बनाई है, सरकार बनाते ही उन्होंने देशद्रोही एजेंडे पर काम करना शुरू किया है। दोनों पार्टियां जिस प्रकार विवादास्पद एक प्रस्ताव को चोरी-छिपे विधानसभा में पेश किया और तुरंत बिना किसी चर्चा के पास करके विधानसभा की कार्यवाही समाप्त की। ये दिखाता है कि कांग्रेस और एनसीपी की सरकार जम्मू-कश्मीर के अंदर पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाने की साजिश कर रही है। ये आतंकवादियों और अलगाववादियों के एजेंडे पर काम रहे हैं। जब देश के संसद में 5 अगस्त 2019 को बहुमत के साथ उस धारा को समाप्त कर दिया गया तो आज इन्होंने भारत माता की पीठ पर खंजर घोंपने की साजिश की है। बीजेपी किसी सूरत देशद्रोही एजेंडे को लागू नहीं होने देगी।

सुविचार: जहाँ बुद्धि प्रयोग करने की आवश्यकता है, वहाँ बल प्रयोग करने से कोई लाभ नहीं होता

साइबराबाद के पुलिस बल के स्वास्थ्य को प्राथमिकता : सीपी

> पुलिस के लिए कैंसर और एनसीडी स्क्रीनिंग शुरू की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर, सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) ने ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के साथ मिलकर साइबराबाद पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक अनूठी स्वास्थ्य जांच पहल शुरू की। अपनी तरह के इस पहले कार्यक्रम में आज साइबराबाद सीटीसी परिसर में आयोजित एक निःशुल्क मेगा मेडिकल और कैंसर जांच शिविर शामिल है, जिसका लाभ साइबराबाद आयुक्तालय के भीतर पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को मिलेगा।

परिवार के सदस्यों सहित 10,000 अधिकारियों तक पहुंचने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) और विभिन्न कैंसर, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे मोबाइल स्क्रीनिंग बस के माध्यम से सुलभ निवारक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित होती है। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त और एससीएससी के अध्यक्ष, अविनाश मोहंती ने जोर देकर कहा, यह चिकित्सा शिविर पूरे साइबराबाद आयुक्तालय की सेवा के लिए बनाया गया है, जिससे सभी क्षेत्रीय पुलिस कर्मियों को आवश्यक स्वास्थ्य जांच से गुजरना पड़ सके। कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता है, और जांच के माध्यम से प्रारंभिक पहचान और समय पर उपचार इसके प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस पहल की सराहना सक्रिय स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में की और अधिकारियों को आवश्यक स्वास्थ्य जानकारी तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने की योजनाओं पर चर्चा की। सीपी ने इस स्वास्थ्य शिविर को सभी पुलिस अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए सुलभ बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात जोएल डेविस ने संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को समय रहते संबोधित करने, दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभों को बढ़ावा देने और अधिकारियों की समुदाय की सेवा करने की क्षमता का समर्थन करने में निवारक देखभाल के महत्व पर जोर दिया। रमेश काजा, एससीएससी महासचिव, ने कहा, यह सक्रिय स्वास्थ्य जांच हमारे कानून प्रवर्तन अधिकारियों को वापस देने का एक अनूठा अवसर है। हम इसे संभव बनाने में उनके सहयोग के लिए ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के आभारी हैं। ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के वैश्विक सीईओ डॉ. चिन्नाबाबू सुंकावल्ली ने कहा, पुलिस सभी की सुरक्षा के लिए समर्पित है। उन रक्षकों की सुरक्षा के लिए, हमने यह शिविर शुरू किया है।

उन्होंने कहा, हमारे पुलिस अधिकारी समुदाय के लिए अथक परिश्रम करते हैं, और यह जांच अभियान, जो कैंसर का जल्दी पता लगाने और एनसीडी प्रबंधन पर केंद्रित है, उनके स्वास्थ्य का समर्थन करने का हमारा तरीका है। डॉ. चिन्ना बाबू ने उल्लेख किया कि भारत में हर साल 2 मिलियन कैंसर के मामले सामने आते हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर 10 मिलियन कैंसर से संबंधित मौतें होती हैं। 2013 में स्थापित ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने भारत की पहली कवर्ड मोबाइल स्क्रीनिंग बस लॉन्च की और वर्तमान में ऐसी सात बसों का बेड़ा संचालित करता है।

एकत्र किए गए सभी स्वास्थ्य डेटा को नियोपैक्ट डेटा सिस्टम के माध्यम से सुरक्षित रूप से प्रबंधित किया जाता है। कार्यक्रम में साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, डी. जोएल डेविस, एडीसीपी एडमिन, रविचंद्रन रेड्डी; एडीसीपी सीएआर मुख्यालय, शमीर; एसीपी सीटीसी, गंगाराम; एससीएससी एसोसिएट डायरेक्टर, राजेंद्र प्रसाद; एससीएससी स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधक, प्रवीण उम्मादी; एससीएससी महिला फोरम सदस्य संबंध प्रबंधक, ललिता; सीटीसी डॉक्टर, डॉ. सरिता; ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के सलाहकार, गरपति प्रसाद; ग्रेस कैंसर फाउंडेशन की संस्थापक और ट्रस्टी, डॉ. प्रमिला रानी; मनोचिकित्सक डॉ. दीप्ति; डॉ. सूरी और उनकी 35 सदस्यों की टीम; और बीएस राजेश और उनकी टीम, अन्य लोगों के बीच भाग लिया।

बंडी ने दरंगा में 'आव्रजन जांच चौकी' का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बांदी संजय ने आज दरंगा में 'आव्रजन जांच चौकी' का उद्घाटन किया। उनके साथ शेरिंगे तोबगे और असम के राज्यपाल आचार्य लक्ष्मण प्रसाद भी थे। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का इरादा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस जांच चौकी से पड़ोसी देशों के साथ परिवहन सुविधाएं बेहतर होंगी और लॉजिस्टिक लागत में भी बचत होगी। उन्होंने इसे भारत और भूटान के बीच ऐतिहासिक विकास बताया।

उन्होंने कहा कि इससे व्यापार, वाणिज्यिक और सेवा गतिविधियों में आसानी होगी। 'आव्रजन जांच चौकी' के शुभारंभ के साथ, भारत और भूटान के बीच बहुपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं और द्विपक्षीय संबंधों का मानकीकरण हुआ है। भारत-भूटान संबंध आपसी सम्मान, सांस्कृतिक भाईचारे और महान विश्वास पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच मित्रता, सहयोग और सामाजिकता हमारी साझेदारी का एक मजबूत प्रमाण है। दोनों देशों के बीच साझेदारी सहकारी सुरक्षा की नींव है। इसका विस्तार जल संसाधन, बिजली उत्पादन, सूचना, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कृषि, अंतरिक्ष अनुसंधान और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में हुआ है। इमिग्रेशन चेक पोस्ट की स्थापना न केवल परिवहन और व्यापार सहायता प्रदान करने बल्कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने के भारत के विजन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के तहत भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (एलपीएआई) भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सीमाओं पर आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा। इसी तरह, यह यात्रियों और व्यापारियों को एक आरामदायक, सुरक्षित और कुशल यात्रा का अनुभव प्रदान करता है। दारंगा एक इमिग्रेशन चेक पोस्ट के माध्यम से अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और सामाजिक संबंधों में नए अवसर पैदा करने के लिए डिजिटल रास्ते तलाश रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण ने सीमा व्यापार में क्रांति लाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए 'इससे न केवल परिचालन दक्षता में वृद्धि हो रही है, बल्कि माल और यात्रियों की सुरक्षा में भी सुधार हो रहा है। भूमि बंदरगाहों का विस्तार केवल सड़क मार्ग तक सीमित नहीं है। मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण का उद्देश्य रेलवे और अंतर-राज्यीय जलमार्गों को सड़क से जोड़ना और पड़ोसी देशों के साथ व्यापार क्षमता को बढ़ाना है। हम भविष्य में भूमि, रेलवे और जलमार्गों का समर्थन करने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमाओं के बीच माल और सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहें।

भट्टी ने दो लाख पदों पर भर्ती का वादा किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया है कि चुनाव से पहले की गई घोषणा के अनुसार तेलंगाना में दो लाख रिक्त पदों को भरा जाएगा। गुरुवार को अशोक नगर में एक में एक कार्यक्रम में बोलते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियां दिलाने के लिए लंबे संघर्ष के बाद तेलंगाना का लक्ष्य हासिल किया गया।

सरकार के प्रयास के तहत कुल 50,000 पद पहले ही भरे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकार हर साल वार्षिक नौकरी कैलेंडर जारी कर रही है, जो देश के किसी भी हिस्से में अनसुना है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि ग्रुप 1 की परीक्षाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं और ग्रुप 2 की परीक्षाएं जल्द ही आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं प्रश्नपत्रों के लीक होने और अन्य समस्याओं की किसी भी गुंजाइश के बिना सुचारू रूप से आयोजित की जा रही हैं। हालांकि यूपीएससी परीक्षाओं को पास करने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान हैं, लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी वित्तीय समस्याओं के कारण यूपीएससी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनकी समस्याओं को समझते हुए, राज्य सरकार ने उन्हें वित्तीय रूप से प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। ऊर्जा विभाग उन सभी को 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने के लिए आगे आया है, जो हमारे राज्य से सिविल मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में बैठने के लिए चुने गए थे। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों को अध्ययन सामग्री और विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने में मदद करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। भट्टी ने कहा, अगर हमारे राज्य से बड़ी संख्या में उम्मीदवार सिविल सेवा के लिए चुने जाते हैं, तो यह हमारे क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा होगा। इससे उन्हें कल्याणकारी योजनाओं, बजट तैयार करने और हमारे राज्य को लाभ पहुंचाने वाले अन्य पहलुओं को डिजाइन करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने सिविल सेवा उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे जानें कि सिविल सेवा में सफलता के लिए अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए किन विषयों और विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अधिक अकादमियों की उपलब्धता के कारण उत्तर भारत से अधिक संख्या में छात्र चयनित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाने के लिए तेलंगाना में बड़े पैमाने पर अधिक सिविल सेवा कोचिंग केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है।

अक्टूबर क्रांति दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने आज कहा कि अक्टूबर क्रांति राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलनों की रीढ़ थी। गुरुवार को सीपीआई के राज्य कार्यालय में अक्टूबर क्रांति दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में सीपीआई के राज्य सहायक सचिव एन. बालमलेष और अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि सोवियत क्रांति ने दुनिया भर के निवेशकों और जमींदारों के दिलों में हलचल पैदा कर दी थी। 'अक्टूबर क्रांति एक ऐसी घटना है जिसने वैश्विक विकास की दिशा और दशा बदल दी और मानवता का इतिहास बदल दिया। सीपीआई के राज्य सहायक सचिव एन बाला मल्लेश ने कहा कि अक्टूबर क्रांति मेहनतकश लोगों के लिए उम्मीद की किरण थी और उन्होंने कहा कि 1886 के बाद आठ घंटे के कार्य दिवस के लिए दुनिया भर में मजदूर वर्ग के संघर्ष का समाधान सोवियत संघ में पाया गया था। उन्होंने कहा, 'अक्टूबर क्रांति के बाद जब यह सत्ता में आया तो आठ घंटे के कार्य दिवस को कानूनी रूप से लागू किया गया। कई सामाजिक सुरक्षा मुद्दे प्रभावी हुए हैं।' सीपीआई राज्य समिति के सदस्य के.वी.एल. प्रजा नाट्य मंडली के राज्य सचिव पल्ले नरसिम्हा, रसम के राज्य अध्यक्ष रापोलू सुदर्शन, सीपीआई नेता चंद्रमोहन गौड़ और अन्य मौजूद थे।

अत्तापुर में इलेक्ट्रीशियन ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार देर रात अत्तापुर स्थित अपने घर में एक इलेक्ट्रीशियन ने कथित तौर पर कुछ व्यक्तिगत मुद्दों के चलते आत्महत्या कर ली। अत्तापुर निवासी और महबूबनगर जिले के मूल निवासी साई कुमार (27) निजी इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम करते थे। बुधवार की रात को उनके घर के एक कमरे में फांसी लगाने की आशंका है। साईं कुमार के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह निजी मुद्दों को लेकर डिप्रेशन में था और शायद इसी वजह से उसने अपनी जान दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

राजभवन में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का 75वां स्थापना दिवस मनाया गया

विजयवाड़ा 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के माननीय अध्यक्ष एस. अब्दुल नजीर ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित 75वें स्थापना दिवस एवं झंडा दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए अब्दुल नजीर ने कहा कि स्थापना दिवस एवं झंडा दिवस समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सरकारी अधिकारियों, परोपकारियों, शुभचिंतकों, अभिभावकों एवं आम जनता से आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए समर्थन जुटाने के लिए मनाया जाता है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, आंध्र प्रदेश राज्य संघ के स्कूल शिक्षा निदेशक एवं राज्य मुख्य आयुक्त वी. विजय राम राजू ने राज्यपाल को दुपट्टा भेंट किया एवं झंडा लगाया। बाद में, राज्यपाल ने विभिन्न स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एस. श्रीनिवासुलु, जी. तरुणकुमार रेड्डी, जी. तरुण संजय, डी. जसवंत सूर्या, यू. महेश, पी. चिन्ना इयप्पा रेड्डी, ए. दुर्गा राव, ए. स्वामी, जी. धनुष और आर.डी. सोमेश्वर राव को राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किए। राज्यपाल ने उन्हें बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी सफलता की कामना की। राज्यपाल के सचिव डॉ. एम. हरि जवाहरलाल और राजभवन के अन्य अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

दमरे ने स्काउट्स और गाइड्स स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे भारत स्काउट्स और गाइड्स राज्य ने गुरुवार को 75वां भारत स्काउट्स और गाइड्स स्थापना दिवस और झंडा दिवस मनाया। यह समारोह रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल, साउथ लालागुडा, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। इस दौरान रेलवे कॉलोनी में स्काउट अधिकारियों, स्काउट्स और गाइड्स को शामिल करते हुए वॉकथॉन का आयोजन किया गया। जीआरएस राव, राज्य आयुक्त (वयस्क संसाधन) और मुख्य कार्मिक अधिकारी, एससीआर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की और वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर ए.के. रावत, राज्य सचिव और उप मुख्य महाप्रबंधक, एससीआर और स्काउट अधिकारी उपस्थित थे। स्काउट्स एंड गाइड्स बिरादरी के सदस्यों ने अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर और संरक्षक, एससीआर बीएस एंड जी से मुलाकात की और झंडा दिवस स्टिकर प्रस्तुत किया और आंदोलन के 75 साल के हीरक जयंती समारोह का लोगो का अनावरण किया। सदस्यों ने नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर और अध्यक्ष, एससीआर बीएस एंड जी; सुश्री पद्मजा, राज्य आयुक्त (गाइड) और पीसीसीएम, एससीआर, लोकेश विश्नोई, जिला अध्यक्ष, एससीआर बीएस एंड जी, हैदराबाद जिला और डीआरएम, एचवाईबी को झंडा दिवस स्टिकर भी प्रस्तुत किए। 5वां दिन यानी स्थापना दिवस स्काउट गाइड सप्ताह-2024 (3 से 9 नवंबर, 2024) के हिस्से के रूप में मनाया जाता है जो सप्ताह का मुख्य आकर्षण है। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 7 नवंबर को मनाया जाता है। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का मिशन स्काउटिंग और गाइडिंग के सिद्धांतों के अनुरूप नेतृत्व, आत्मनिर्भरता, समाज की सेवा और पर्यावरण जागरूकता जैसे मूल्यों को बढ़ावा देकर युवाओं के विकास में योगदान देना है।

स्थापना दिवस पूरे भारत में स्काउट और गाइड इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों और समारोहों के साथ मनाया जाता है। इन गतिविधियों में ध्वजारोहण, रैलियां, सामुदायिक सेवा परियोजनाएं और ऐसे कार्यक्रम शामिल हैं जो स्काउट्स और गाइड्स आंदोलन के आदर्शों को सुदृढ़ करते हैं, जैसे दूसरों की मदद करना और समाज की भलाई के लिए काम करना। यह दिन भारत के जिम्मेदार नागरिकों को आकार देने में संगठन के प्रभाव और महत्व को प्रतिबिंबित करने का अवसर भी प्रदान करता है।

हैदराबाद की फॉर्मूला ई रेस पर आरोपों का केटीआर ने जवाब दिया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कथित आलोचनाओं के बीच, खास तौर पर फॉर्मूला ई रेस के जरिए हैदराबाद की वैश्विक छवि को ऊपर उठाने के अपने प्रयासों का जोरदार बचाव किया है।

केटीआर ने कांग्रेस नेताओं और कुछ मीडिया आउटलेट्स के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने शहर और राज्य दोनों को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त समय और संसाधन समर्पित किए हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई हैदराबाद में निवेश लाने, शहर के लिए एक अविश्वसनीय ब्रांड बनाने और इन निवेशों के जरिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध के तहत मुझे कैद करने का इरादा रखता है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।

वित्तीय कुप्रबंधन के आरोपों का जवाब देते हुए केटीआर ने स्पष्ट किया कि फॉर्मूला ई इवेंट पर सरकार ने करीब 40 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने बताया कि फॉर्मूला ई रेस सिर्फ एक रेस नहीं थी, बल्कि तेलंगाना ई-मोबिलिटी वीक के तहत एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा थी, जिसने कई कंपनियों को तेलंगाना में निवेश करने पर विचार करने के लिए आकर्षित किया। केटीआर ने बताया कि फॉर्मूला ई इवेंट से करीब 700 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हुआ और करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ, जिससे हजारों रोजगार के अवसर पैदा हुए। उन्होंने यह भी बताया कि यह फंड हैदराबाद के शहरी विकास निकाय एचएमडीए, एफआईए और प्रायोजकों के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते का हिस्सा था। एक जिम्मेदार सरकारी अधिकारी के रूप में,

केटीआर ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद के ब्रांड को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए फॉर्मूला ई रेस को फंड देने का फैसला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इवेंट के फंडिंग और संचालन से संबंधित किसी भी प्रशासनिक मामले की जिम्मेदारी व्यक्तिगत रूप से लेते हैं। केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना सरकार ने फॉर्मूला ई रेस को हैदराबाद लाने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये खर्च किए और नीलसन जैसी वैश्विक फर्मों के अध्ययनों के अनुसार, इस आयोजन से शहर को करीब 700 करोड़ रुपये का लाभ हुआ।

उन्होंने यह भी बताया कि इस रेस ने 49 से अधिक देशों में हैदराबाद की दृश्यता बढ़ाने में मदद की, प्रमुख निवेश आकर्षित किए और शहर को इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी और विनिर्माण के केंद्र के रूप में बढ़ावा दिया। रेवंत रेड्डी के आरोपों के जवाब में, केटीआर ने स्पष्ट किया कि इस आयोजन में कोई भ्रष्टाचार शामिल नहीं था, सभी वित्तीय लेनदेन पारदर्शी थे और संबंधित अधिकारियों द्वारा अनुमोदित थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल का एकमात्र उद्देश्य हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ावा देना, टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देना और इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश को प्रोत्साहित करना था।

केटीआर ने हैदराबाद में रेस लाने के सरकार के फैसले का बचाव करते हुए बताया कि फॉर्मूला ई इवेंट शहर को वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक कदम था।

उन्होंने अन्य देशों में इसी तरह के बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों की तुलना की, जैसे कि राष्ट्रमंडल खेल और ग्रेटर नोएडा में फॉर्मूला 1 रेस, जिसमें पर्याप्त सरकारी खर्च भी शामिल था। केटीआर ने हैदराबाद की प्रगति को कमजोर करने के प्रयासों की आलोचना की, जिसमें कहा गया कि रेवंत रेड्डी का राजनीतिक एजेंडा शहर की छवि के लिए हानिकारक है।

उन्होंने तेलंगाना में ओलंपिक की मेजबानी करने के रेवंत रेड्डी के प्रस्ताव को भी अव्यवहारिक और महंगा विचार बताते हुए खारिज कर दिया। केटीआर ने राजनीतिक विकर्षणों और निराधार आलोचनाओं के बावजूद तेलंगाना के लोगों की वकालत जारी रखने और हैदराबाद की वैश्विक स्थिति को बढ़ाने की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, अगर वे मामला दर्ज करना चाहते हैं, तो उन्हें करने दें।

मैं दो महीने के लिए जेल जाऊंगा और तेलंगाना के भविष्य के लिए लड़ाई जारी रखने के लिए और मजबूत होकर वापस आऊंगा।

साइबराबाद सीपी ने किया थाने का दौरा

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने अत्तापुर पुलिस स्टेशन का औचक दौरा किया। साइबराबाद सीपी ने पुलिस स्टेशन में महत्वपूर्ण फाइलों का निरीक्षण किया और अन्य रिकॉर्ड की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मामले की जांच में देरी न करें और आरोप पत्र तुरंत दाखिल करें। उन्होंने स्थानीय पुलिस से कहा कि वे मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और मादक पदार्थों की बिक्री को रोकें।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. WAT-RSO-TENDER-04-2024

स्थान सहित कार्य का नाम : तीस महीने की समयावधि के लिए विद्युत (OP)/वाल्टियर मण्डल के गैस, सूखे रासायनिक पाउडर की पुन:भराई (Refilling) और त्रुटिपूर्ण स्पेयर पार्ट्स के प्रतिस्थापन सहित विभिन्न आकारों के अग्नि शामकों (Fire Extinguishers) का रख-रखाव।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 2,07,008.92, EMD : ₹4,200/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹11,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि: तीस महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 27.11.2024 को 1300 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (OP), वाल्टियर

PR-707/P/24-25

हाईकोर्ट का आदेश : डीएम अपनी उपस्थिति में भूमि का सीमांकन कराएं

तहसील का कोई कर्मचारी नहीं रहेगा मौजूद

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने प्रयागराज के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। डीएम किसी अन्य अधीनस्थ प्राधिकारी से यह कार्य नहीं कराएंगे। साथ ही हंडिया तहसील का कोई भी कर्मचारी सीमांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की अदालत ने रामकृपाल की याचिका पर दिया। तहसील हंडिया, ग्राम बड़गांव परगना मह निवासी रामकृपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर भूमिधरी गाटा संख्या-101 पर बनाए गए चक रोड को हटाने के लिए गुहार लगाई थी। याची के वकील ने दलील दी कि भूमिधरी गाटा संख्या-101 पर ग्रामसभा ने चक रोड बनाकर अतिक्रमण किया है। इस पर ग्रामसभा ने 18 जुलाई, 2024 को रिपोर्ट प्रस्तुत कर कहा कि पूर्व ग्राम प्रधान ने चक रोड का निर्माण करते समय याची की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है, जबकि गाटा संख्या-102 की भूमि चक रोड चिह्नित है। वहीं, नायब तहसीलदार, सैदाबाद, तहसील हंडिया ने शपथ पत्र दाखिल किया। जिसमें कहा कि याची की भूमि अराजी नंबर-101 पर कोई अतिक्रमण नहीं है। चक रोड गाटा संख्या-102 पर बनाया गया है। न्यायालय ने जवाब में विरोधाभास पाते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में छह सप्ताह के भीतर चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। पता लगाएं कि चक रोड गाटा संख्या 101 पर है या 102 पर। मामले की अगली सुनवाई छह दिसंबर को होगी।

हाईकोर्ट ने डीएम जौनपुर को जारी किया अवमानना नोटिस

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम जौनपुर को अवमानना नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन न किए जाने पर क्यों न अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए? छह जनवरी 2025 को सुनवाई की तिथि नियत की गई है। न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य की ओर से दाखिल किए गए अवमानना आवेदन पर यह आदेश दिया है। जौनपुर निवासी प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य ने एससी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनकी दलील थी कि वह केवट व मल्लाह हैं, जो मझवार जाति की उपजाति हैं।

ऐसे में उन्हें एससी प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए डीएम को इस संबंध में तीन माह में उचित फैसला लेने का आदेश दिया था। आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर याची ने हाईकोर्ट में अवमानना आवेदन दाखिल किया। याची के वकील पुनीत कुमार शुक्ला ने दलील दी कि भारत के राजपत्र में मझवार जाति को अनुसूचित जाति के रूप में शामिल किया गया है। उच्च न्यायालय की ओर से जारी किए गए दिशा निर्देश व उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश का भी हवाला देते हुए याची को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी करने की प्रार्थना की। न्यायालय ने अवमानना आवेदन पर डीएम जौनपुर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।

मुस्लिम पिता ने बेटी की शादी में छपवाया ऐसा कार्ड, हिंदू भाइयों के खिल उठे चेहरे

अमेठी, 7 नवंबर (एजेंसियां)।उत्तर प्रदेश के अमेठी में एक मुस्लिम परिवार ने अपनी बेटी की शादी में ऐसा वेडिंग कार्ड छपवाया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। इसके पीछे का कारण है कार्ड में छपी एक तस्वीर। इस फोटो को जिसने भी देखा वो दंग रह गया। कार्ड को हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक बनाया गया है। साथ ही इसमें हिंदू देवताओं की तस्वीर भी लगाई गई है। दुल्हन के पिता ने इसका कारण भी बताया कि क्यों उन्होंने ऐसा कार्ड छपवाया। वेडिंग कार्ड के ऊपर भगवान गणेश और श्री कृष्ण की तस्वीर लगी है। शादी के कार्ड में दूल्हा- दुल्हन और रिश्तेदारों के नाम तो मुस्लिम है। मगर शादी का कार्ड पूरे हिंदू रीति के देवी देवताओं का फोटो छपा है।

जिस पर शादी की तारीख 8 नंवबर और पता राजा फत्तेपुर के पूरे अलादीन गांव का है। शब्बीर उर्फ टाइगर ने अपनी बेटी सायमा की शादी का ऐसा कार्ड बनवाया है। उन्होंने बताया- मेरी बेटी सायमा बानो की शादी 8 नंवबर को ग्राम सेन पुर पोस्ट सोठी महराज गंज रायबरेली निवासी इरफान पुत्र अब्दुल सत्तार से होनी है।

यूपी में नहीं होगा 2027 का विधानसभा चुनाव? योगी के मंत्री ने बढ़ा दी है अखिलेश यादव की टेंशन!

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही प्रदेश में सियासी हलचल तेज देखी जा रही है। समाजवादी पार्टी नेताओं की तरफ से अखिलेश यादव के समर्थन में पोस्टर लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं संभावित 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी जीत और भूमिका को लेकर अभी से ही दावे भी किए जा रहे हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने लखनऊ में लगने वाले इन पोस्टर पर बड़ा पलटवार करते हुए कहा है कि वन नेशन वन इलेक्शन कानून अगर बन जाएगा तो 2027 में चुनाव ही कहां हो पाएगा। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के समर्थन में लगने वाले पोस्टर पर पलटवार करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कैबिनेट द्वारा यह प्रस्ताव पास कर दिया गया है कि हम एक देश में एक चुनाव कराने के पक्ष में हैं। आने वाले सत्र में इस प्रस्ताव को सदन के समक्ष रखा जाएगा। अगर दोनों सदनों से यह पास हो जाता है और महामहिम की इस पर मुहर लग जाती है तो निश्चित ही यह कानून का रूप होगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में सभी राज्यों और देश के चुनाव एक साथ होंगे। इसलिए खुद विचार करने वाली बात है कि जब एक देश एक चुनाव का कानून होगा तो उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव कैसे संभव होगा। ऐसे में सत्ता के लिए व्याकुल समाजवादी पार्टी के लोगों को और इंतजार करना पड़ेगा।

जनता जनार्दन एनडीए पर भरोसा करती है- राजभर

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हकीकत तो यह है की उनकी बातें सिर्फ पोस्टर तक ही सीमित है। जनता अब मुद्दों के आधार पर जनप्रतिनिधियों पर भरोसा करती है और हम उनसे जुड़ी हुई योजनाओं को लागू कर रहे हैं। इसीलिए जनता जनार्दन एनडीए पर भरोसा करती है।

मदरसा बोर्ड एक्ट पर भी दिया बयान

उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हैं, स्वागत करते हैं। हमारा प्रयास है कि अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो। उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार की तरफ से बोर्ड को पर्याप्त अवसर और धनराशि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लेकिन अगर कुछ कमियां है तो उसके लिए मुसलमानो को खुद आगे आना होगा और उन कमियों को सुधारना होगा।

माफिया अतीक अहमद के बेटे उमर को नहीं मिली राहत 5 करोड़ के रंगदारी मामले में कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के बिल्डर से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के आरोपी माफिया अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर अहमद को जिला अदालत से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने उसकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। सेशन जज संतोष राय ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद यह आदेश दिया। उमर इस समय उत्तर प्रदेश की लखनऊ जेल में बंद है। इस मामले में उमर ने खुद को निर्दोष बताते हुए जमानत की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि प्रयागराज के चकिया इलाके के रहने वाले पॉपर्टी डिलर मो।मुश्लिम ने अतीक अहमद के बेटे उमर, अली, उनके गुर्गे असाद कालिया, एहतेशाम, करीम व अन्य के खिलाफ शहर के खुल्दाबाद थाने में अपहरण की रिपोर्ट 2021 में लिखवाई थी। उसने आरोप लगाया था कि चकिया के तिराहे पर इन लोगों ने अपने गुर्गों के साथ जबरन गाड़ी में भरकर उसको अतीक के ऑफिस ले गए और वहां पर उन लोगों ने देवघाट वाली जमीन को उमर और अली के नाम बैनामा कराने और पांच करोड़ की रंगदारी की मांग की। रंगदारी न देने पर जान से मारने की कोशिश की।

इससे पहले, प्रयागराज जिला अदालत ने उमर, अली समेत दो अन्य आरोपियों पर अपहरण और फिरौती के लिए रंगदारी मांगने के आरोप तय किए थे। 31 अक्टूबर को हुई सुनवाई में दोनों भाई ऑनलाइन पेश हुए थे और दावा किया था कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है। हाल ही में प्रयागराज के चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में भी अतीक अहमद के बेटों और बहनोई के साथ दर्जन भर करीबियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

राहुल के बयान पर पलटवार: यूपी के मंत्री बोले

उनके बयान हास्यास्पद, कांग्रेस ने पिछड़ों के साथ अन्याय किया

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का रायबरेली में अफसरों को लेकर दिया गया एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। इस पर यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान हास्यास्पद है। बैठक में राहुल गांधी ने किसी से परिचय नहीं लिया था बल्कि सभी अफसरों ने खुद अपना परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि न्यायपालिका में दलित, ओबीसी और आदिवासी समाज के लोग नहीं हैं। इन जजों को मोदी सरकार ने नहीं कांग्रेस की सरकार में नियुक्त किया गया था। दलितों और पिछड़ों के साथ कांग्रेस ने अन्याय किया है। मोदी और योगी सरकार में किसी के साथ अन्याय नहीं होता है।

बता दें कि नेता विपक्ष व सांसद राहुल गांधी ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के अगले दिन नागपुर में आयोजित एक संविधान सम्मेलन में प्रशासनिक व्यवस्था में असमानता की बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं मंगलवार को रायबरेली में दिशा की बैठक में शामिल हुआ। गलती से मैंने कह दिया कि सभी अफसर अपना परिचय दें। परिचय शुरू हुआ तो उसमें मुझे एक भी दलित व ओबीसी नाम नहीं सुनाई दिया। राहुल गांधी का यह बयान पूरे दिन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। राहुल गांधी ने कहा कि रायबरेली में 80 प्रतिशत अधिकारी दो विशेष जातियों से हैं।

देश में अशांति फैलाने के लिए दिया गया बयान

दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने देश में अशांति फैलाने के लिए ये बयान दिया है। 1951 से कांग्रेस ने दलितों-पिछड़ों के साथ अन्याय किया है। 1951 से आज तक रायबरेली में किसी दलित-पिछड़े को टिकट नहीं दिया गया है। वायनाड से किसी दलित को टिकट क्यों नहीं दिया गया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के साथ अन्याय किया है। राहुल गांधी का बयान देश में सद्भावना को खत्म करने वाला है। वो देश को अपमानित करने का प्रयास कर रहे हैं।

अंडरवर्ल्ड डॉन बबलू श्रीवास्तव को लेकर राज्यपाल का आया बड़ा फैसला

जाने सलाखों से आजाद होगा या कैद में रहेगा डॉन

बरेली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली। अपर कस्टम कलेक्टर की हत्या के आरोप में बरेली जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे कुख्यात माफिया ओम प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ बबलू की समयपूर्व रिहाई की दया याचिका को राज्यपाल ने खारिज कर दिया है। 59 वर्षीय बबलू अब तक 31 साल से अधिक की सजा काट चुका है। लखनऊ के निरालानगर निवासी बबलू की रिहाई के लिए दायर याचिका पर डीएम और डीसीपी लखनऊ ने नकारात्मक रिपोर्ट दी थी, जिसे आधार बनाते हुए राज्यपाल ने उसकी याचिका अस्वीकार कर दी। बबलू ने वर्ष 1993 में प्रयागराज (तब इलाहाबाद) में कस्टम कलेक्टर एलडी अरोड़ा की हत्या कर दी थी। इस मामले में बबलू पर टाडा (आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियाँ निरोधक अधिनियम) भी लगाया गया था। कानपुर के टाडा कोर्ट ने 30 सितंबर, 2008 को उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा।

बरेली के सेंट्रल जेल में बंद है माफिया डॉन

बरेली जेल में बंद बबलू ने 2022 तक लगभग 31 साल की सजा पूरी कर ली थी। उसकी समयपूर्व रिहाई की याचिका लखनऊ के डीएम और डीसीपी द्वारा सिफारिश न किए जाने के कारण खारिज कर दी गई। राज्यपाल के आदेश के अनुसार, जेल प्रशासन को सूचित कर दिया गया है कि बबलू को उसकी दया याचिका की अस्वीकृति की जानकारी दी जाए। बबलू श्रीवास्तव पिछले 25 साल से बरेली सेंट्रल जेल में बंद है। उसे 11 मई 1999 को केंद्रीय कारागार नैनी से प्रशासनिक आधार पर बरेली जेल में स्थानांतरित किया गया था। इसके बाद कानपुर में टाडा कोर्ट ने 2008 में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई।

यूपी पुलिस के पूर्व मुखिया का दावा उड़ा देगा सबकी नींद, खुद की नियुक्ति पर ही खड़े किए सवाल

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के चयन को लेकर योगी कैबनिट के फैसले पर सियासत गरमाई हुई है। इसी बीच अब उत्तर प्रदेश में डीजीपी बनाने के कैबिनेट के फैसले पर पूर्व डीजीपी और हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुलखान सिंह का बयान चर्चा का विषय बना हुआ है। यूपी के डीजीपी रह चुके सुलखान सिंह ने माना है कि डीजीपी पद पर उनकी नियुक्ति भी यूपीएससी के पैनल के माध्यम से नहीं हुई थी।

एक तरफ अखिलेश यादव जो मौजूदा सरकार पर केंद्र और राज्य के बीच के द्वंद्व की चर्चाएं पर कटाक्ष करते हुए डीजीपी के नियुक्ति पर तमाम सवाल खड़े करते रहे। वहीं अब सुलखान सिंह ने अखिलेश यादव के कार्यकाल पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सुलखान सिंह ने बताया कि अखिलेश यादव के समय पर भी नियुक्ति यूपीएससी से नहीं होती थी। अखिलेश यादव अपने हिसाब से मनचाहे लोगों को डीजीपी बनाते थे।

उनसे पहले जगमोहन यादव को भी 14 लोगों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाया गया था। हालांकि सुलखान सिंह ने अपने बारे में बात करते हुए कहा कि जब वह डीजीपी बने तब सीनियर मोस्ट अफसर थे, तो अगर यूपीएससी पैनल जाता भी तब भी उन्हें कोई दिक्कत नहीं होती।

सुलखान सिंह ने कहा कि अधिकतर सरकार है बिना यूपीएससी के पैनल के अपना डीजीपी बनाये हैं। उन्होंने कहा की लंबे समय बाद उत्तर प्रदेश में हितेश चंद्र अवस्थी सही तरीके से पैनल से डीजीपी बनाए गए थे। बता दें कि 1980 बैच के आईपीएस अफसर सुलखान सिंह उत्तर प्रदेश में 37 साल की सेवा के बाद 31 दिसंबर 2017 को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के पद से सेवानिवृत हुए।

क्या है नई नियमावली

योगी सरकार ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर तैनाती के लिए नई नियमावली तैयार की है और कैबिनेट ने इस पर मुहर भी लगा दी है।

इस नई नियमावली के अनुसार डीजीपी के चयन और नियुक्ति के लिए हाई कोर्ट के एक रिटायर न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी।

इसमें प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ-साथ संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित एक प्रतिनिधि, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या एक नामित प्रतिनिधि, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव और राज्य के एक सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक सदस्य होंगे।

जानें क्या कहती है पुरानी नियमावली

अभी तक यूपी में डीजीपी चयन के लिए प्रदेश की सरकार पुलिस सेवा में 30 साल पूरा करने वाले अफसरों का नाम यूपीएससी को भेजती थी।

ये वह अफसर होते थे जिनका कम से कम छह महीने का कार्यकाल शेष बचा हो।

इसके बाद यूपीएससी इन नामों पर चर्चा करके प्रदेश सरकार को तीन अफसरों के नाम का पैनल भेजा करती था, फिर सरकार किसी एक अफसर को डीजीपी बनाती थी।

अमेरिका चुनाव में भारत की बेटी सबा हैदर ने भी लहराया जीत का परचम गाजियाबाद में मनाया गया जश्न

गाजियाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति चुनाव की धूम है। रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। वहीं, डूपेज काउंटी बोर्ड के चुनाव में गाजियाबाद की सबा हैदर ने अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में रिपब्लिकन पार्टी की पैटी गुस्टिन को 8,500 वोटों के अंतर से हराकर शानदार जीत हासिल की। पिछली बार के चुनाव में वह केवल एक हजार वोट से हार गई थीं। अब उनकी जीत से गाजियाबाद में उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। गाजियाबाद में रहने वाले सबा के पिता अली हैदर ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि, आज मैं अपनी बेटी पर गर्व महसूस कर रहा हूं। मेरी बेटी इंटेलिजेंट है। सबके आशीर्वाद और अपनी मेहनत से वह आज यह मुकाम हासिल कर पाई है। अली हैदर ने कहा कि, मेरी बेटी ने शहर से ही बीएससी में टॉप किया और एएमयू से एमएससी में गोल्ड मेडल हासिल किया। उसके बाद मैंने अपनी बेटी की शादी कर दी और वह अपने पति के साथ अमेरिका चली गई। मेरा दामाद कंप्यूटर साइंस इंजीनियर है। राजनीति हमारे खून में है। उसको अमेरिका में मौका मिला तो उसने कर दिखाया। उसके दोस्तों ने उसे प्रेरित किया और उसने चुनाव जीत लिया।

'मुख्यमंत्री डर गए हैं'

बंटोगे तो कटोगे वाले बयान को लेकर चंद्रशेखर आजाद का योगी पर निशाना

नगीना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर उपचुनाव होना है, जिसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए है। इसी बीच नेताओं की बयानबाजी भी खूब सामने आ रही है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष मीरापुर विधानसभा पर अपने प्रत्याशी जाहिद हुसैन के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे थे। वहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी पर जमकर निशाना साधा। चंद्रशेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री डर गए हैं, सात साल से सर्वोच्च स्थान पर बैठे आदमी कह रहें हैं डर जाओ। चुनाव में बीजेपी 'न बटेंगे न कटेंगे' का नारा देती है और हमने नारा दिया है, 'पढ़ोगे तो और आगे बढ़ोगे'। काटोगे बांटोगे अब नहीं चलेगा, कुछ नया लाए सीएम। लोकसभा में जनता ने 44 सीट हारा दी, जनता उनके खिलाफ खड़ी हो गई है। फतेहपुर में पत्रकार दिलीप की हत्या, पुलिस कस्टडी में मोहित पांडेय की हत्या, लखनऊ में अमन गौतम की हत्या, गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज, सीएम के पास इसका जवाब है। मुझे डर है ये लोग माहौल खराब ना करा दें झगड़ा न करा दें, इनके नेताओं के भाषण डरे हुए हैं।

बहनजी हमारी बड़ी नेता

सांसद ने यह भी कहा कि बहनजी हमारी बड़ी नेता हैं, लेकिन षड्यंत्रकारियों से लड़ने के लिए चंद्रशेखर जैसे व्यक्ति की जरूरत है।भाजपा हार रही है, इस डर से चुनाव की तारीख बदल रही है। राजस्थान और बिहार में भी उपचुनाव है। वहां क्यों नहीं तारीख बदली। बीजेपी और सपा के नेताओं के मुजफ्फरनगर दंगे की मीरापुर में एंट्री के बयानों पर कहा भाजपा के लोग जब तक मुजफ्फरनगर दंगे पर बात नहीं करेंगे, वोट नहीं मिलेगी। इनका पेट नहीं भरेगा।वो दंगे की बात करेंगे हम रोजगार की।

विदेशी पक्षियों के आगमन से गुलजार हुआ हस्तिनापुर, ठंड के मौसम में आती हैं ये प्रजातियां

मेरठ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप भी विदेशी पक्षियों की चहल-पहल देखना चाहते हैं और ऐसे स्थान की तलाश कर रहे हैं जहां सैकड़ों प्रजातियों के विदेशी पक्षी आपको देखने को मिलें, तो हस्तिनापुर सेंचुरी आपके लिए एक अच्छा स्थान साबित हो सकता है। यहां हर साल की तरह ही विदेशी पक्षियों का आना शुरू हो गया है। यह सभी पक्षी ठंड के मौसम में यहां अठखेलियां करते हुए नजर आएंगे। आजकल हस्तिनापुर सेंचुरी का आकाश इन पक्षियों से भरा है जिनकी खूबसूरती देखते ही बनती है। नवंबर माह की शुरुआत में विदेशी पक्षियों का हस्तिनापुर सेंचुरी के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचना शुरू हो जाता है क्योंकि यह क्षेत्र गंगा तटीय इलाके में स्थित हैं। ऐसे में विदेशी पक्षियों को यहां रहना काफी पसंद आता है। उन्होंने बताया कि यहां हर साल सैकड़ों प्रजातियों के विदेशी पक्षी चहल-पहल करते हुए दिखाई देते हैं। जो लोग विदेशी पक्षियों को देखना चाहते हैं, वे हस्तिनापुर सेंचुरी में जाकर इन पक्षियों का दीदार कर सकते हैं। इस संदर्भ में विभाग ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को कोई परेशानी न हो। हस्तिनापुर सेंचुरी में मखदुमपुर घाट, भीमकुंड, बूढ़ी गंगा और अन्य स्थानों पर 50 से अधिक प्रजातियों के विदेशी पक्षी देखे जा रहे हैं।

यह अभी शुरुआत है और धीरे-धीरे यहां पक्षियों की संख्या बढ़ेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां आने वाले विदेशी पक्षियों में स्पून बिल, सारस क्रेन, इंडियन स्कीमर, ब्लैक नेक्ड स्ट्रोक, यूरोशियन कर्लीव, सुर्खाब और अन्य प्रजातियां शामिल हैं। ये पक्षी भारतीय पक्षियों के साथ अठखेलियां करते हुए नजर आते हैं। ये हर साल इसी मौसम में आते हैं और अगर आप इनकी दीदार करना चाहते हैं तो नवंबर में हस्तिनापुर सेंचुरी जा सकते हैं।

जलेबी खाने से 50 लोगों की तबीयत खराब

आरा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। आरा शहर में जलेबी खाने से करीब 50 लोग अचानक से बीमार पड़ गए। घटना नवादा थाना क्षेत्र के रमना मैदान के पास एक दुकान से जलेबी खाने के बाद लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। बीमार पड़ने वालों में ज़्यादातर युवा हैं, जो मारुति नगर, मझौवां और बिजली रोड इलाके के रहने वाले हैं। सभी बीमार लोगों को आरा के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां अस्पताल में एक साथ बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने से बेड कम पड़ गए। एक बेड पर दो-दो मरीज को लिटाकर इलाज शुरू किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, यह मामला फूड पॉइजनिंग का है। फिलहाल सभी लोग खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू करते हुए दुकान को सील कर दिया है। घटना बुधवार को उस समय हुई जब कई लोगों ने रमना मैदान के पास एक दुकान से जलेबी खाई। यह दुकान अपनी गुड़ की जलेबी के लिए मशहूर है। जलेबी खाने के कुछ देर बाद ही लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द शुरू हो गया। देखते ही देखते कई लोग बीमार पड़ गए और उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में अचानक इतने मरीजों के आने से हड़कंप मच गया। बेड कम पड़ गए और कई मरीजों को फर्श पर ही इलाज के लिए लिटाना पड़ा। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त डॉक्टरों और कर्मचारियों को भी बुलाया गया। सदर अस्पताल के डॉक्टर अखिलेश कुमार ने बताया कि इलाज के बाद सभी की हालत में सुधार है।

दिल्ली में फिर घटी निर्भया जैसी घटना, युवती संग पहले तीन लोगों ने किया दुष्कर्म, फिर ऑटो चालक ने किया रेप

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक बार फिर निर्भया कांड जैसी घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां आईटीओ पर युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आईटीओ गैंगरेप मामले में दिल्ली पुलिस ने ऑटो ड्राइवर समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि पीड़िता का फिलहाल एम्स में मानसिक उपचार चल रहा है। आरोपियों ने गैंगरेप की घटना को रात 10-11 बजे के बीच अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है। दरअसल घटना तीन सप्ताह पहले की है। आईटीओ पर युवती संग पहले तो तीन लोगों ने गैंगरेप किया। इसके बाद ऑटो चालक ने राजघाट के पास गांधी स्मृति वाली सर्विस रोड पर ले जाकर उसके साथ ऑटो में दुष्कर्म किया। बार-बार किए गए दुष्कर्म के कारण युवती का मानसिक संतुलन बिगड़ गया, जिसका इलाज एम्स में चल रहा है।

नौसेना के अधिकारी ने दी पुलिस को सूचना

दरअसल मामला 11 अक्तूबर की रात करीब 9.30 बजे की है। इस दिन ओडिशा की रहने वाली 34 वर्षीय युवती अर्धनग्न अवस्था में राजघाट से पैदल चलते हुए सराय काले खां पहुंच गई। इस दौरान उसके निजी अंगों से खून बह रहा था। सराय काले खां पर मौजूद नौसेना के एक अधिकारी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की मानें तो अगर नेवी के अधिकारी पुलिस को इस बात की सूचना नहीं देते तो युवती की मौत भी हो सकती थी। बता दें कि इसके बाद युवती को दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उसके निजी अंगों का ऑपरेशन किया गया और फिलहाल पीड़िता का मानसिक इलाज एम्स में जारी है। करीब 21 दिन की कड़ी मेहनत के बाद तीनों आरोपियों और ऑटो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता को नौकरी के बहाने बुलाया गया दिल्ली

पीड़िता के पास सोशल वर्क में एमए की डिग्री थी। इस कारण पीड़िता के किसी साथी ने उसे दिल्ली में अच्छी नौकरी दिलाने के लिए दिल्ली बुलाया था। इस दौरान उसका साथी उसका खर्चा उठा रहा था। दरअसल फिलहाल पीड़िता नेबसराय में ननों के पास रहती थी। यहां पर उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा तो वह जुलाई में सड़क पर आ गई। इसके बाद पीड़िता सड़क पर भटकते-भटकते पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची। इसके बाद 11 अक्तूबर की रात पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पीड़िता आईटीओ पहुंची। यहां आरोपी प्रमोद व शमशुल उसे मेट्रो स्टेशन के पास झाड़ियों में खींचकर ले गए जहां उसका गैंगरेप किया गया। उसे ऑटो चालक प्रभु ने देख लिया। इसके बाद तीनों ने उसका गैंगरेप किया। इतना ही नहीं आरोपियों की दरिंदगी अभी बाकी थी। ऑटो चालक प्रभु उसे ऑटो में डालकर रिंग रोड व फिरोजशाह कोटला किले के पिछे सर्विस रोड पर ले गया। यहां उसने युवती संग कई बार रेप किया। इसके बाद युवती को अर्धनग्न अवस्था में छोड़कर फरार हो गया। बार-बार हुए गैंगरेप के कारण युवती सदमें में चली गई। अर्धनग्न अवस्था में वह सराय कालेखां पहुंची। इस दौरान नौसेना के एक अधिकारी ने युवती को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद हरकत में आई पुलिस मामले की जांच में जुट गई। बता दें कि फिलहाल पीड़िता का मानिसक इलाज एम्स में जारी है। इस मामले में तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मां की हत्या करने वाली बेटी अरेस्ट

नूंह, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कहा जाता है कि मां-बेटी का रिश्ता सबसे ज्यादा खास होता है, मां अपनी बेटी को समाज से बचाने के लिए कुछ भी कर जाती है लेकिन हरियाणा के नूंह में एक कलयुगी बेटी ने अपनी मां को ही मौत के घाट उतार डाला। क्योंकि उसकी मां ने उसे उसके बॉयफ्रेंड के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसलिए उसने प्रेमी के साथ मिलकर मां की हत्या कर दी। दरअसल रविवार-सोमवार की रात युवती की मां सो रही थी और युवती अपने प्रेमी के साथ थी। इसी बीच उसकी मां की रात को आंख खुल गई और मां ने उसे प्रेमी के साथ अवैध संबंध बनाते हुए देख लिया था। इसलिए 20 साल की युवती ने अपने प्रेमी जावेद के साथ मिलकर अपनी मां का गला दबाकर उसे मार डाला था। इसके बाद पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन उसका बॉयफ्रेंड फरार हो गया था।

जल्द शिकंजे में होगा प्रेमी

अब युवती को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मां की हत्यारी बेटी को जेल भेज दिया है और उसके फरार प्रेमी की तलाश कर रही है। हालांकि अभी तक उसको लेकर कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। इस मामले में दूसरे आरोपियों की होने का भी शक है, जिसके चलते भी पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस जल्द ही आरोपी जावेद को भी अपने शिकंजे में ले लेगी।

एसडीएम का झलका दर्द, रुआंसे होकर बोले- फोटो-वीडियो हो तो दिखाएं, सिर्फ आरोप लगाने पर हटाना तो गलत है

श्योपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के बीच हटाए गए रिटर्निंग अधिकारी और एसडीएम विजयपुर उदयवीर सिंह सिकरवार का दर्द झलक पड़ा। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि तीसरी बार उनके साथ ऐसा हुआ है। डिप्टी कलेक्टर उदयवीर सिंह सिकरवार ने एक वीडियो जारी कर कहा, "बिना जांच सिर्फ आरोपों के आधार पर उनके ऊपर कार्रवाई कर दी गई है। ऐसा उनके साथ तीसरी बार किया गया है। कोई एक साक्ष्य ऐसा तो हो, जिससे यह पता चले कि मैंने भाजपा एजेंट के तौर पर कार्य किया है। अभी का नहीं, पिछले आठ साल का तो दिखाएं। सिर्फ शिकायत पर हटाना तो मानहानि जैसा है, जो लगातार तीसरी बार की जा रही है।" रुआंसे हुए एसडीएम ने कहा, यदि किसी के भी पास कोई वीडियो, फोटो या कुछ भी हो जिससे यह साबित हो जाए कि मैंने कभी कोई गड़बड़ी की हो तो दिखाएं। बस आरोप लगाने पर हटाना तो गलत है। मेरी इसमें गलती कहां थी? डिप्टी कलेक्टर उदयवीर सिंह ने कहा है, "मेरी शिकायत किसी उद्देश्य के तहत की गई है। चुनाव आयोग को जांच के बाद कार्रवाई करनी चाहिए थी।" बता दें कि डिप्टी कलेक्टर उदयवीर सिंह सिकरवार को विजयपुर एसडीएम और रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया था। इनको एसडीएम और आरओ बनाने को लेकर प्रदेश के उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने निर्वाचन आयोग को शिकायत की और इन्हें बीजेपी का नजदीकी बताया था। गौरतलब है कि चुनाव से कुछ महीने पहले ही उदयवीर सिंह को विजयपुर का एसडीएम नियुक्त किया गया था। इससे पहले भी उन्हें 2017 में अटेर और 2018 में मुंगावली उपचुनाव में रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी से हटाया जा चुका है। अटेर विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने शिकायत की थी कि सरकारी पद पर रहते हुए उदयवीर सिंह भाजपा के लिए काम कर रहे थे।

संपत्ति के लिए बेटा और पोता बने हैवान: की मां और बहन की हत्या

संबलपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर से हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने संपत्ति के लिए अपने बेटे के साथ मिलकर अपनी ही 90 वर्षीय मां और 62 वर्षीय बहन की उनके ही घर पर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पुलिस को उनकी मां स्नेहलता दीक्षित (90) और उनकी बेटी सैरेंद्री दीक्षित (62) के शव हाटापाड़ा स्थित उन्हीं के घर की पहली मंजिल पर जले हुए मिले थे। वहीं अधिकारियों के मुताबिक पहले इस घटना की जांच अप्राकृतिक मौत मानकर की जा रही थी। हालांकि बाद में मृतकों के परिवारवालों से पूछताछ में इसके हत्या का मामला होने की बात पता चली। जिसके बाद पुलिस ने स्नेहलता के बेटे जगन्नाथ और उनके पोते संकेत को गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर संबलपुर के एएसपी ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी जोकि संपत्ति विवाद को लेकर की गई। शुरुआती जांच में पुलिस ने पाया कि दोनों लोगों को पहले गला घोंटकर मारा गया

उत्तराखंड में आइएएस अफसर से अभद्रता

ऑफिस में घुसकर दी जान से मारने की धमकी; मुकदमा दर्ज

देहरादून, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सचिवालय में मुलाकात के बहाने सचिव ऊर्जा आर. मीनाक्षी सुंदरम के कक्ष में पहुंचे उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बाबी पंवार और उसके साथियों ने न केवल अभद्रता व गाली-गलौज की, बल्कि सचिव को जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि इस दौरान आरोपितों ने बीच-बचाव करने आए सुंदरम के वरिष्ठ निजी सचिव व अपर निजी सचिव के साथ हाथापाई करते हुए उन्हें सचिवालय के बाहर देख लेने की धमकी दी। घटना के तत्काल बाद वरिष्ठ निजी सचिव की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को इस संबंध में तहरीर दी गई, जिस पर देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

आरोपितों पर कठोर कार्रवाई की मांग

वहीं, आइएएस एसोसिएशन ने भी देर शाम आपातकालीन बैठक बुलाकर घटना की घोर निंदा की। गुरुवार को संगठन के पदाधिकारी इस विषय पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से मिलकर आरोपितों पर कठोर कार्रवाई की मांग करेंगे। घटना बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन में सचिव (ऊर्जा) आर। मीनाक्षी सुंदरम के कक्ष संख्या-201 में हुई। बताया गया कि सचिव सुंदरम अपना आवश्यक कामकाज निबटा रहे थे। आरोप है कि इस दौरान उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बाबी पंवार अपने दो साथियों के साथ सचिव से मिलने पहुंचा।

सचिव ने बाबी पंवार और साथियों को कक्ष में बुलाया। आरोप है कि अंदर आते ही बाबी पंवार और साथियों ने सचिव के साथ दुर्व्यवहार कर गाली-गलौज शुरू कर दी और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। सचिव सुंदरम ने तत्काल अपने वरिष्ठ निजी सचिव कपिल कुमार और अपर निजी सचिव अनूप डंगवाल को बुलाकर आरोपितों को बाहर करने को कहा। आरोप है कि इस पर बाबी पंवार और उसके दोनों साथियों ने उनके साथ हाथापाई कर दी और भाग निकले।

सचिव सुंदरम के निर्देश पर एसएसपी अजय सिंह ने शहर कोतवाली पुलिस को आरोपित बाबी पंवार व उसके साथियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए। जिस पर पुलिस ने देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया। एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

85 लाख की स्मैक के साथ 2 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, लंबे समय से कर रहे थे ड्रग तस्करी

रूद्रपुर/नैनीताल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में पुलिस और मादक द्रव्य निरोधक बल (एएनटीएफ) की टीम ने संयुक्त अभियान के तहत 85 लाख की स्मैक के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को लंबे समय से थी आरोपियों की तलाश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने रूद्रपुर में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलभट्टा पुलिस और एसटीएफ की एएनटीएफ टीम ने संयुक्त कार्यवाही कर दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में वीरपाल निवासी ग्राम नूरपुर विजरूक, थाना विसारतगंज, बरेली और शेर सिंह निवासी ग्राम किनोना, थाना अलीगंज, बरेली शामिल हैं। पुलिस को आरोपियों की लंबे समय से तलाश थी। पुलिस की मुखबिरों की टीम दोनों पर नजर बनाए हुए थी। दोनों के पास से 275 ग्राम स्मैक बरामद की हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में वीरपाल निवासी ग्राम नूरपुर विजरूक, थाना विसारतगंज, बरेली और शेर सिंह निवासी ग्राम किनोना, थाना अलीगंज, बरेली शामिल हैं। बरामद स्मैक की कीमत 85 लाख रूपए आंकी गई है। दोनों को पुलभट्टा में बरेली रोड स्थित क्राउन होटल के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी लंबे समय से ड्रग तस्करी में लगे थे। आरोपी बरामद स्मैक को बरेली उप्र के चंद्रसेन से खरीद कर लाए हैं और उत्तराखंड के तराई में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने मुख्य आरोपी चंद्रसेन के खिलाफ भी अभियोग पंजीकृत कर लिया है। पुलिस को ड्रग तस्करों के रैकेट के संबंध में भी अहम जानकारी हाथ लगी है। पुलिस वांछित आरोपी चंद्रसेन की गिरफ्तारी में जुट गई है।

'ब्रेन में सूजन, आंख-कान और बोलने में दिक्कत'

साध्वी प्रज्ञा की हुई ये हालत, वारंट जारी होने पर कहा- 'जिंदा रही तो कोर्ट अवश्य जाऊंगी'

भोपाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल से बीजेपी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मुंबई की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। इसी बीच साध्वी प्रज्ञा ने एक्स पर एक पोस्ट कर कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस का टॉर्चर सिर्फ एटीएस कस्टडी तक ही नहीं, मेरे जीवन भर के लिए मृत्युदाई कष्ट का कारण हो गए। ब्रेन में सूजन, आंखों से कम दिखना, कानों से कम सुनना, बोलने में असंतुलन, स्टेरॉयड और न्यूरो की दवाओं से पूरे शरीर में सूजन, एक हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। जिंदा रही तो कोर्ट अवश्य जाऊंगी।

प्रज्ञा के खिलाफ जारी हुआ जमानती वारंट

बता दें कि मुंबई की एनआईए कोर्ट ने 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ कार्रवाई में शामिल नहीं होने पर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट के न्यायाधीश एके लाहोटी की तरफ से कहा गया कि मामले में अंतिम बहस रही है इसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर की उपस्थिति जरूरी है। इसलिए पूर्व सांसद के खिलाफ 10 हजार रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। इस वारंट को 13 नवंबर तक वापस किया जा सकता है। इसके लिए प्रज्ञा सिंह ठाकुर को कोर्ट में पेश होना होगा और इसे रद्द करना होगा। मालेगांव विस्फोट मामले में प्रज्ञा सिंह ठाकुर को पहली बार वारंट जारी नहीं हुआ है। इससे पहले इसी साल मार्च में भी एनआई कोर्ट की तरफ से गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वे पिछले कुछ महीनों से मेडिकल के आधार पर कोर्ट में पेश नहीं हुई हैं।

क्या बोले प्रज्ञा के वकील?

पूर्व सांसद के वकील जेपी मिश्रा की तरफ से कोर्ट में दलील दी गई है कि साध्वी प्रज्ञा ठाकुर का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। जिसकी वजह से कोर्ट में सुनवाई की छूट दी जाए। जबकि कोर्ट की तरफ से कहा गया है कि मामले में अंतिम बहस चल रही है ऐसे में साध्वी का पेश होना जरूरी है। इसलिए वारंट जारी किया गया है।

वक्फ संपत्ति विवाद में कर्नाटक के किसानों से मिले जेपीसी अध्यक्ष, कांग्रेस बोली- उन्हें कोई अधिकार नहीं

बंगलूरू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने आज कर्नाटक में किसानों से मुलाकात की। दरअसल इन किसानों की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया था। जिसे लेकर कर्नाटक में राजनीतिक विवाद गहरा गया है। किसानों से मुलाकात के बाद जगदंबिका पाल ने कहा कि 'किसानों ने मुझे एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया गया कि जो जमीन उनकी थी, उस पर वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके पास इस जमीन के मालिकाना हक होने का कोई सबूत है तो किसानों ने बताया कि बीते 50-70 वर्षों से वो ही इस जमीन पर खेती कर रहे हैं।' जगदंबिका पाल का किसानों से मिलना राज्य की कांग्रेस सरकार को पसंद नहीं आया है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा है कि 'पूरी जेपीसी टीम को कर्नाटक से चले जाना चाहिए। उन्हें किसने अधिकार दिया कि वे किसानों से मिलें? एक तरफा तरीके से राजनीतिक फैसले ले लेना ठीक नहीं है। जब कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पहले ही कह चुकी है कि मामला निपट गया है और किसानों की जमीन उनके पास ही रहेगी फिर इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। उनका कदम देश के संसदीय लोकतंत्र के हित में नहीं है।' कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने जेपीसी अध्यक्ष के किसानों से मिलने को राजनीतिक ड्रामा करार दिया। उन्होंने कहा कि भूमि, राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती है। भाजपा के समय में यानी साल 2019 में ही ये शुरू हुआ था। उनकी सरकार में किसानों को नोटिस दिए गए, लेकिन मेरी सरकार इस बात के लिए समर्पित है कि दस्तावेजों में कोई बदलाव नहीं होगा। हम नहीं चाहते कि किसान प्रभावित हों। ये भाजपा ने शुरू किया और अब हम पर आरोप लगाए जा रहे हैं। जेपीसी के पास अधिकार नहीं है।

बंगलूरू से शर्मनाक वीडियो आया सामने, महज 10 साल के बच्चे ने इन्फ्लुएंसर के साथ की गंदी हरकत

बंगलूरू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू से बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने आरोप लगाया कि जब वह मंगलवार की रात को काम करके अपने घर वापस आ रही थी तो 10 साल के लड़के ने उसके साथ छेड़छाड़ की। इन्फ्लुएंसर का नाम नेहा बिस्वाल है। उन्होंने दावा किया कि जब वह बीटीएम लेआउट में एक सड़क पर चल रही थी। तभी अचानक एक लड़का साइकिल से उनके पास आया और उनके साथ गलत हरकत की। नेहा उस समय एक वीडियो ब्लॉग रिकॉर्ड कर रही थीं और ये पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। सोशल मीडिया पर बिस्वाल का रोता हुआ वीडियो वायरल हो गया। मामला सामने आने पर पुलिस ने खुद संज्ञान लिया और जांच में लग गई।

क्या है पूरा मामला?

यह वीडियो @कर्नाटकपोर्टफ नाम के एक्स हैंडल से छह नवंबर को पोस्ट किया गया है। इलाके में एक पेइंग गेस्ट में रहने वाली बिस्वाल ने कहा कि वह सदमे में हैं। उन्होंने वीडियो में रोते हुए कहा, 'यह मेरे साथ कभी नहीं हुआ। मुझे बहुत बुरा लग रहा है। मैं चलते समय एक वीडियो बना रही थी, ये लड़का पहले मेरी ही दिशा में साइकिल चला रहा था, फिर उसने मुझे देखा, यू-टर्न लिया और मेरी तरफ आने लगा। उसने पहले मुझे चिढ़ाया और मेरी नकल उतारी जैसे मैं कैमरे में बात कर रही थी। फिर मेरे साथ गलत हरकत की।'

लोगों ने मुझसे सबूत मांगा: नेहा

नेहा ने बताया कि उस लड़के की उम्र बमुश्किल 10 साल रही होगी। उनके शोर मचाते ही स्थानीय लोगों ने लड़के को पहले तो दबोच लिया, फिर पीटा भी। इन्फ्लुएंसर का कहना है कि उन्हें इस बात से गहरा धक्का लगा है कि लोगों ने न केवल उनसे इसका सबूत मांगा, बल्कि यह कहकर लड़के को जाने देने के लिए कहा कि वह एक बच्चा है। जब लोगों को इस पूरी घटना का वीडियो दिखाया तो उन्होंने विश्वास किया।

बच्चे को गलती का अहसास होना जरूरी

इन्फ्लुएंसर ने घर आकर तुरंत वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा किया और घटना के बारे में अपने फॉलोअर्स को बताया। वीडियो में वह रोते हुए कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने उसे जाने देने के लिए कहा, क्योंकि वह एक बच्चा था, लेकिन मैंने उसे मारा। कुछ लोगों ने मेरा समर्थन किया और उसे मारा। ईमानदारी से कहूं तो मैं यहां सुरक्षित महसूस नहीं करती। बच्चे को उसकी गलती का अहसास जरूर होना चाहिए।

पुलिस कर रही मामले की जांच

इसके बाद नेहा ने एक और वीडियो शेयर साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि बंगलूरू पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि नेहा ने एफआईआर दर्ज नहीं कराई है,क्योंकि वह उसका भविष्य बर्बाद नहीं करना चाहतीं। वह सिर्फ इतना चाहती हैं कि उसे चेतावनी दी जाए ताकि वह ऐसी हरकत किसी और के साथ ना करे। पत्रकारों से डीसीपी साउथ सारा फातिमा ने कहा कि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। लड़का 10 साल का है और उसका दावा है कि वह साइकिल से कुछ स्टंट कर रहा था, तभी वह पीड़िता से टकरा गया।

'नियुक्ति मैन और 2025 का सत्ताधीश', तेजस्वी यादव के जन्मदिन से पहले पटना में लगा पोस्टर

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का आगामी 9 नवंबर को जन्मदिन है, लेकिन दो दिन पूर्व ही आरजेडी कार्यकर्ता और नेता पोस्टर बैनर के जरिए उन्हें जन्मदिन की शुभकामना दे रहे हैं। साथ ही आगामी 2025 का मुख्यमंत्री भी बता रहे हैं। आरजेडी कार्यालय के बाहर तेजस्वी यादव के जन्मदिन की बधाई को लेकर कई पोस्टर लगाए गए हैं। एक पोस्टर में 2025 का सत्ताधीश बताया गया है तो एक पोस्ट में नियुक्ति मैन बताया गया है। अब उसको लेकर बीजेपी भी हमला करने लगी है। बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा है कि जनता जानती है कि चारा खाने वाले को बिहार की सत्ता में कोई जगह नहीं है। उनके कार्यकर्ता समर्थक विचलित है इसलिए कभी सजायाफ्ता लालू यादव को भारत रत्न की मांग करते हैं तो कभी नवमी फेल को मुख्यमंत्री बनाने की बात करते हैं।

मुझे धमकाया जा रहा है; ओलंपियन साक्षी मलिक की पीएम मोदी से अपील, कुश्ती को बचाइए

चंडीगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से कुश्ती का भविष्य बचाने की अपील की है। मलिक ने सोशल मीडिया पर डाले अपने वीडियो संदेश पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साल कुश्ती फेडरेशन के चुनाव हुये। उसके दूसरे ही दिन ब्रजभूषण की 'बेहूदगी' और दबदबे को आपने और पूरे देश ने देखा, जिससे दुखी होकर और बड़े परेशान मन से मुझे अपनी कुश्ती को छोड़ना पड़ा। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। कुछ ही दिनों बाद फिर से फेडरेशन ने अपना काम करना फिर से शुरू कर दिया। इस मुद्दे पर खुलकर बोलने के कारण ब्रजभूषण के लोगों की तरफ से लगातार मुझे धमकियां दी जा रही हैं कि मुझे भ्रष्टाचार के मामले में फंसा दिया जाएगा। साक्षी मलिक ने कहा, मैं इस उत्तरी रेलवे में बच्चों की भर्तियां देख रही हूं। ऐसे में ब्रजभूषण शरण सिंह के लोगों की तरफ से लगातार धमकी दी जा रही है कि उन्हें इन भर्तियों के अंतर्गत ही भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसा दिया जाएगा। मलिक ने कहा कि मुझे ऐसी धमकियों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन दुख होता है कि कुश्ती का भविष्य ऐसे लोगों के हाथों में हैं, जो इसे खराब कर रहे हैं। मैं आपसे(पीएम मोदी) से निवेदन करती हूं कि हमारी कुश्ती को बचा लीजिए।

कुश्ती फेडरेशन के रद्द होने के बाद भी काम करते रहने पर साक्षी ने कहा कि सरकार द्वारा रद्द किए गए फेडरेशन के काम करते रहने पर हाईकोर्ट ने भी फटकार लगाई थी और उनकी गतिविधियों को रोक दिया था, लेकिन जब फिर भी उनका काम नहीं रुका। हाईकोर्ट ने जब फिर से हस्तक्षेप किया तो उन्होंने बच्चों को आगे कर दिया। साक्षी ने कहा, मैं उन बच्चों की मजबूरियां समझ सकती हूं, उनका पूरा करिअर उनके आगे है। और वह करिअर ऐसे फेडरेशन के हाथ में है।

ट्रम्प का पुनः उदय वैश्विक शक्ति संतुलन में नया अध्याय

प्रो एसपी शाही

वर्तमान में अमेरिकी राजनीति में उभरती हुई रूढ़िवादी लहर न केवल अमेरिका की आंतरिक संरचना को बदल रही है, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी इसका गहरा असर दिखाई दे रहा है। यह परिवर्तन एक ऐसी नई वैश्विक धारा का प्रतीक है, जहाँ अमेरिका परंपरागत मूल्यों और राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखकर एक नई दिशा में आगे बढ़ सकता है। इसका प्रभाव कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दिखाई देगा, जिनमें अमेरिका की भूमिका निर्णायक हो सकती है। इन वैश्विक संघर्षों के बीच, शक्ति संतुलन का प्रश्न अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यूक्रेन संकट से लेकर इसराइल-फिलिस्तीन विवाद तक, हर मुद्दा केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और वैश्विक संस्थाओं के लिए भी गहरी चिंता का विषय बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और नाटो जैसी संस्थाओं की भूमिका भी इन संकटों में महत्वपूर्ण बनती जा रही है, क्योंकि इन संगठनों का मूल उद्देश्य शांति स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। लेकिन बढ़ते तनाव और विभिन्न देशों के राजनीतिक हितों के कारण इन संस्थाओं की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूक्रेन संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का असर यूरोपीय देशों के ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति पर पड़ा है, जिससे गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। इस स्थिति ने कई यूरोपीय देशों को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की ओर देखने के लिए मजबूर किया है, और साथ ही रूस ने भी अपने निर्यात का रुख एशियाई देशों, खासकर चीन और भारत की ओर किया है। यदि ट्रम्प जैसे नेता सत्ता में आते हैं, तो संभव है कि वे यूरोपीय संघ पर दबाव बनाएँ कि वे रूस के साथ व्यापारिक और ऊर्जा समझौतों को संतुलित करें, जिससे अमेरिकी और यूरोपीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिल सके। कोसोवो और सर्बिया के बीच चल रहे तनाव का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कि इससे पूरे बाल्कन क्षेत्र में अस्थिरता का माहौल बन गया है। नाटो की उपस्थिति इस क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन जातीय संघर्ष और धार्मिक विभाजन का मुद्दा इतना संवेदनशील है कि इसे केवल सैन्य हस्तक्षेप से नहीं सुलझाया जा सकता। ट्रम्प जैसे नेता अगर सत्ता में आते हैं, तो संभावना है कि वे इस संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीतिक उपायों पर अधिक जोर देंगे, ताकि अमेरिका का सीधा सैन्य हस्तक्षेप कम किया जा सके और क्षेत्रीय नेताओं को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत किया जा सके। इससे अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक संसाधनों की बचत हो सकती है, जो उसकी अन्य रणनीतिक प्राथमिकताओं के लिए आवश्यक है। इसराइल-फिलिस्तीन संघर्ष का भी वैश्विक स्तर पर व्यापक प्रभाव है। इस विवाद ने पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता का माहौल बना रखा है और इस क्षेत्र के देशों के साथ-साथ अमेरिका के लिए भी एक चुनौती प्रस्तुत की है। वर्तमान में बाइडन प्रशासन ने इसराइल का समर्थन जारी रखा है, लेकिन अगर ट्रम्प फिर से सत्ता में आते हैं, तो उनकी नीतियों से इसराइल को और भी अधिक समर्थन मिल सकता है। यह समर्थन न केवल सैन्य और आर्थिक रूप से हो सकता है बल्कि कूटनीतिक मंच पर भी इसराइल के पक्ष में रहेगा। इससे फिलिस्तीनियों की स्थिति और अधिक कठिन हो सकती है, जिससे क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ने की संभावना रहेगी। इसके अलावा, इन संघर्षों में चीन की भूमिका भी उल्लेखनीय है। चीन ने यूक्रेन संकट में रूस का परोक्ष रूप से समर्थन किया है और पश्चिमी नीतियों के विरोध में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। साथ ही, पश्चिम एशिया में चीन ने ईरान के साथ अपने संबंधों को भी प्रगाढ़ किया है, जो इस क्षेत्र में अमेरिका के प्रभाव को कमजोर कर सकता है। अगर ट्रम्प सत्ता में लौटते हैं, तो वे संभवतः चीन के प्रति एक कड़े रुख को अपनाएँगे और इन संकटों का इस्तेमाल अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति को आगे बढ़ाने के लिए करेंगे। इसका उद्देश्य अमेरिका की आर्थिक और राजनीतिक ताकत को बरकरार रखना होगा, और वे चीन के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने का प्रयास करेंगे।अतः, इन सभी संकटों का समाधान न केवल संबंधित देशों की नीतियों पर निर्भर करता है, बल्कि इसमें अमेरिका, रूस, चीन जैसे वैश्विक शक्तियों का दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण है। एक ओर जहां इन संकटों का समाधान विश्व शांति के लिए आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर, इन्हें नियंत्रित करने के प्रयास भी दुनिया में शक्ति संतुलन को फिर से परिभाषित कर सकते हैं। यह एक ऐसा दौर है जब सभी महाशक्तियों को अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए एक कूटनीतिक संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश की राजनीति में अमेरिका का हस्तक्षेप एक ऐसे दौर की याद दिलाता है जब विश्व शक्तियाँ विकासशील देशों की संप्रभुता को चुनौती देकर अपने विचारधारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाती थीं। मानवाधिकार और लोकतंत्र के समर्थन में कदम उठाते हुए अमेरिका ने बांग्लादेश में दबाव बनाया है, लेकिन इससे वहाँ की राजनीतिक धारा और भी उलझी हुई दिखाई देती है। बांग्लादेश के लोग इस हस्तक्षेप को बाहरी हस्तक्षेप के रूप में देख रहे हैं, जो उनके आंतरिक मामलों को और जटिल बना रहा है। अमेरिका का यह वामपंथी प्रभाव वहां की राजनीति में अप्रत्याशित अस्थिरता ला रहा है, जहां स्थानीय नेतृत्व अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। यदि डोनाल्ड ट्रम्प जैसे नेता सत्ता में लौटते हैं, तो संभवतः वे अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत वैश्विक मामलों में संतुलन लाने का प्रयास करेंगे। ट्रम्प की सोच में संप्रभुता का सम्मान और अपने देशों को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा शामिल है। वह इस हस्तक्षेपवादी दृष्टिकोण को समाप्त कर बांग्लादेश जैसे देशों को उनके खुद के रास्ते पर चलने का अवसर दे सकते हैं, जहां वे अपने आंतरिक मुद्दों को बाहरी प्रभाव से मुक्त होकर सुलझा सकें। यह नीति एक सशक्त संदेश देगी कि अमेरिका न केवल एक शक्तिशाली राष्ट्र है, बल्कि वह एक मित्र भी है जो अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करता है। ट्रम्प प्रशासन के इस दृष्टिकोण से बांग्लादेश जैसे देशों को अपनी स्वतंत्र पहचान और निर्णय लेने की क्षमता में मजबूती मिल सकती है। यह एक ऐसा समीकरण बनेगा जिसमें अमेरिका का सम्मानजनक सहयोगी का स्वरूप उभरेगा, जो न केवल अपने राष्ट्रीय हितों का ख्याल रखता है बल्कि वैश्विक स्थिरता का भी समर्थन करता है। साथ ही, यह नीति चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने का भी एक रणनीतिक मार्ग बन सकती है। बांग्लादेश जैसे देश अपने हितों के हिसाब से चीन और अमेरिका के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प का संप्रभुता-आधारित दृष्टिकोण बांग्लादेश को उसके हितों के अनुसार एक स्वतंत्र राह चुनने का मौका देगा, जिससे वह बाहरी प्रभावों के दबाव से मुक्त रह सके और अपनी अर्थव्यवस्था व कूटनीति में संतुलन बना सके।इस दृष्टिकोण से अमेरिका की एक नई छवि उभरेगी—एक ऐसा राष्ट्र जो विश्व को केवल शक्ति और हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि दोस्ती और सम्मान से प्रभावित करना चाहता है। यह संदेश केवल बांग्लादेश के लिए ही नहीं, बल्कि उन सभी देशों के लिए होगा जो वैश्विक ताकतों के बीच अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए संघर्षरत हैं। ट्रम्प की संप्रभुता पर आधारित विदेश नीति वैश्विक मंच पर अमेरिका की भूमिका को फिर से परिभाषित कर सकती है, जहां वह एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में उभरेगा, जो स्वतंत्रता, सम्मान और मित्रता के लिए प्रतिबद्ध है। डोनाल्ड ट्रम्प का पुनः सत्ता में आना न केवल अमेरिका, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। 136 वर्षों के बाद, वह ग्रोवर क्लीवलैंड की तरह एक गैर-निरंतर दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रम्प का सत्ता में पुनः आना कई मायनों में एक ऐतिहासिक और राजनीतिक परिवर्तन होगा, जो न केवल अमेरिका की घरेलू नीतियों पर असर डालेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों, वैश्विक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी गहरा प्रभाव डालेगा। उनके नेतृत्व में अमेरिका फर्स्ट नीति को और अधिक मजबूती से लागू करने की कोशिश होगी, जो अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखते हुए विश्व स्तर पर एक संतुलित शक्ति के रूप में उसकी भूमिका को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेगी।

लेखक मगध विश्वविद्यालय, बोधगया कुलपति है

अब्दुल्ला का खतरनाक खेल

विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में किसी तरह जीत कर आई उमर अब्दुल्ला सरकार ने विधानसभा में दो प्रस्ताव पारित किए। पूर्ण राज्य का दर्जा मांगने के पहले प्रस्ताव पर सभी पार्टियों ने सहमति की मोहर लगा दी, लेकिन जब दूसरे प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग की गई तो विधानसभा में हंगामा हो गया। ऐसा होना ही था। देखा जाए तो अब्दुल्ला सरकार इसकी संवैधानिक स्थिति से भलीभांति परिचित है, फिर भी इस प्रस्ताव को लाने का औचित्य समझ से परे है। बहरहाल, भारी विरोध के बीच जम्मू-कश्मीर के विधानसभा में 370 दोबारा लागू करने का प्रस्ताव पास हो गया है। यह प्रस्ताव केंद्रशासित प्रदेश के डिप्टी सीएम ने रखा था। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बड़ी चालाकी से इस बिल के प्रस्तावक चुनने में संकेतों का इस्तेमाल किया। डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी हिंदू हैं और जम्मू के नौशेरा से विधायक हैं। दूसरे दिन विधायक खुर्शीद अहमद शेख अनुच्छेद 370 पर बैनर लेकर विधानसभा पहुंचे। आशा के अनुरूप विधानसभा में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। हंगामे के कारण कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। क्या 370 को दोबारा लागू किया जा सकता है? अगर नहीं तो केंद्रशासित प्रदेश की नई सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव क्यों पारित किया? ऐसे में बीजेपी का दावा है कि अनुच्छेद 370 अब बीते कल की बात हो चुकी है। इसे अब किसी कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच भी मुहर लग चुकी है। 11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने को वैध बताया था। कोर्ट ने कई तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा था कि इसे दोबारा लागू करने के लिए केंद्र सरकार और राष्ट्रपति की सहमति लेनी पड़ेगी। जो कि अब संभव नहीं हैं, भले ही केंद्र में सरकार किसी की हो। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 अक्टूबर 1949 में अस्तित्व में आया था, जिसके तहत उसे आंतरिक प्रशासन के लिए स्वायत्तता दी गई थी। जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा में पारित प्रस्ताव के तहत उसे वित्त, रक्षा और संचार के अलावा सभी कानून बनाने का अधिकार था। 5 अगस्त 2019 को केंद्र ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति के अधिकार का सहारा लिया था। कोर्ट ने भी अपने फैसले में माना कि राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद 370 में संशोधन करने की एकतरफ़ा शक्ति है। चूंकि राष्ट्रपति ने भारत का पूरा संविधान जम्मू-कश्मीर में लागू किया है, इसलिए जम्मू-कश्मीर का संविधान निष्क्रिय हो गया है। सुप्रीम मुहर लगने के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिकता का अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता के दावे को भी खारिज कर दिया था। इसके साथ ही दो निशान और दो संविधान भी खत्म हो चुके हैं। सरकारी फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय राजनीतिक दलों नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी के साथ कांग्रेस और गैर बीजेपी दलों ने विरोध जताया था। कांग्रेस ने भी कोर्ट के फैसले पर भी असहमति भी जताई थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने 370 हटाने का विरोध किया, मगर कभी यह वादा नहीं किया कि वह इसे दोबारा लागू करेगी। कांग्रेस के लिए 370 हटाने का विरोध बीजेपी के खिलाफ प्रतीकात्मक वैचारिक लड़ाई के अलावा कुछ नहीं रह गया है। इसलिए उसने जम्मू-कश्मीर के घोषणा पत्र में सिर्फ पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया। कांग्रेस अपने अल्पसंख्यक वोटरों के लिए इसका विरोध करती रहेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के लिए कश्मीर में अपने जनाधार को बचाने के लिए यह एक राजनीतिक दांव के अलावा कुछ नहीं है।

निजी सम्पत्ति अधिग्रहण पर राह दिखाने वाला फैसला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने हर निजी सम्पत्ति पर सरकार कब्जा नहीं कर सकती वाला राह दिखाने वाला फैसला देकर जहां निजी सम्पत्ति धारकों के अधिकारों की रक्षा की है, वही अर्थ-व्यवस्था को तीव्र गति देने के धरातल को मजबूत बनाया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने जाहिर किया है कि निजी संपत्ति के भी अपने अधिकार हैं, जिसकी अवहेलना नहीं की जा सकती। अब सरकारों यानी नीति निर्माताओं को भूमि अधिग्रहण और अन्य निजी संपत्ति अधिग्रहण करने के लिए अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी रूपरेखा बनानी होगी। नया फैसला अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है और आदर्श शासन एवं न्याय व्यवस्था का द्योतक है। यह फैसला केवल इसलिए ऐतिहासिक नहीं है कि यह नौ सदस्यीय संविधान पीठ की ओर से दिया गया, बल्कि इसलिए भी अनूठा है, क्योंकि इसने उस समाजवादी विचार को आईना दिखाया, जिसे सरकारों की रीति-नीति का अनिवार्य अंग बनाने का दबाव रहता था।

स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन समाजवादी और वामपंथी सोच वालों के लिए भी झटका है, जो यह माहौल बनाने में लगे हुए थे कि देश में गरीबी और असमानता तभी दूर हो सकती है, जब सरकार संपत्ति का पुनर्वितरण करने में सक्षम हो और उसे यह अधिकार मिले कि वह किसी की भी संपत्ति का अधिग्रहण कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले प्रत्येक संसाधन को केवल इसलिए समुदाय का भौतिक संसाधन नहीं माना जा सकता क्योंकि वह भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। कोर्ट ने कहा कि किसी निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को समुदाय के भौतिक संसाधन के योग्य मानने के पहले उसे कुछ कठोर परीक्षणों को पूरा करना होगा। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) की व्याख्या करते हुए कहा कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत आने वाले संसाधन के बारे में जांच कुछ विशेष चीजों पर आधारित होनी चाहिए। इसमें संसाधनों की प्रकृति, विशेषताएं, समुदाय की भलाई पर संसाधन का प्रभाव, संसाधनों की कमी तथा ऐसे संसाधनों के निजी हाथों में केंद्रित होने के परिणाम जैसे कारक हो सकते हैं। इसके लिये पहचान एवं परीक्षण अपेक्षित होगी। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा विकसित पब्लिक ट्रस्ट के सिद्धांत भी उन संसाधनों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं जो समुदाय के भौतिक संसाधन के दायरे में आते हैं।

ऐतिहासिक रूप से भारत में भूमि अधिग्रहण अक्सर विवादास्पद रहा है, जिसमें औद्योगिक परियोजनाओं या बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर अधिग्रहण से महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुए हैं। सिंगूर और नंदीग्राम जैसे मामलों ने सरकारी अधिग्रहण के खिलाफ भूमि मालिकों और किसानों के प्रतिरोध को उजागर किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि निजी संपत्ति का अधिकार एक मानवाधिकार माना जाता है। इसलिये राज्य के लिये किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है।

क्या अब बांग्लादेश में होगी शेख हसीना की वापसी ?

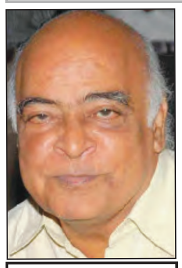

अशोक भाटिया

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के तुरंत बाद, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई संदेश भेजा। इस संदेश में हसीना ने ट्रंप की नेतृत्व क्षमता और अमेरिकी जनता द्वारा उन पर दिखाए गए विशाल विश्वास की सराहना की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप के नए कार्यकाल में बांग्लादेश और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।शेख हसीना का यह कदम बांग्लादेश की राजनीतिक परिदृश्य में खेला की वापसी का संकेत माना जा रहा है। हसीना इस समय दिल्ली में हैं, माना जा रहा है कि वो ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद अमेरिका का दौरा कर सकती हैं। इससे दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने की संभावना है। शेख हसीना का ट्रंप को भेजा गया यह संदेश को साधाराण या औपचारिक बधाई नहीं है। यह बांग्लादेश में उनकी सियासी वापसी की दिशा में एक रणनीतिक पहल भी माना जा रहा है। वहीं, बांग्लादेश सरकार के मौजूदा प्रमुख मोहम्मद यूनुस की क्लिंटन परिवार और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं से नजदीकी रिश्तों के चलते हसीना को ट्रंप प्रशासन में और भी समर्थन मिल सकता है। यूनुस के अमेरिका में मजबूत संपर्क और बाइडेन प्रशासन में उनकी घनिष्ठता के बावजूद, हसीना का यह कदम कहीं न कहीं उन पर एक तरह का दबाव बना सकता है। अमेरिका के कूटनीतिक दबाव के कारण भारत के अलावा फिलहाल कोई अन्य देश शेख हसीना को मदद और वीजा देने में संकोच कर रहा है। ऐसे में, शेख हसीना के इस बधाई संदेश से साफ है कि वह अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गई हैं। मौजूदा समय में बांग्लादेश के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस को ट्रंप जरा भी पसंद नहीं करते। दरअसल यूनुस पर आरोप हैं कि 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में यूनुस ने ट्रंप के खिलाफ फंडिंग की थी, तब से ट्रंप उनसे नाराज हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दिवाली के मौके पर एक पोस्ट की थी। 2016 में ट्रंप जब पहली बार चुनाव जीते थे तब युनूस ने कहा था कि उनकी जीत सोलर एक्लिप्स की तरह है। उजाला एक दिन जरूर आएगा। माना जा रहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनूस अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी के ज्यादा करीबी हैं। बिल क्लिंटन, बराक ओबामा, जो बाइडेन से उनकी ज्यादा बनती है। युनूस कई बार ट्रंप की आलोचना कर चुके हैं। ट्रंप ने हाल में बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर कहा था कि वहां पर जो हो रहा है वो सही नहीं है। ट्रंप बांग्लादेशी हिंदू के लिए भी आवाज उठा चुके हैं। माना जा रहा है कि वो अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव डालेंगे। वो बोलेंगे कि शेख हसीना की पार्टी पर जो भी एक्शन हो रहा है उसे बंद किया जाए। देश में जल्द से जल्द चुनाव कराया जाए और लोगों को ही फैसला लेने दिया जाए कि वो किसकी सरकार चाहते हैं।उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा और उनकी सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने अमेरिका ही नहीं दुनियाभर के हिंदुओं की रक्षा का वादा किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रंप बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर मोहम्मद यूनुस को माफ करने के मूड में नही हैं। अवामी लीग के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी बयान में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने डोनाल्ड ट्रंप और मिलेनिया ट्रंप के साथ उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान हुई मुलाकात को याद किया। साथ ही बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका की द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने की तरफ काम करने की इच्छा जताई। गौरतलब है कि बांग्लादेश को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सोच उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में स्पष्ट हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप का बांग्लादेश के प्रति एक झुकाव है। वह बांग्लादेश का एक लोकतंत्र समर्थक देश के तौर पर देखते हैं। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान जारी करके बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी और इस मामले को अमेरिकी हिंदूओं को दिल के बेहद करीब बताया था। उन्होंने अमेरिका समेत पूरे विश्व में हिंदू समुदाय की अधिकारों की सुरक्षा करने की बात कही थी। इसी कारण यह आशा जागी है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत का सबसे ज्यादा असर जनि देशों पर होने वाला है, उनमें बांग्लादेश भी है। यह साबित हो चुका है कि पूर्व राष्ट्रपत जो बाइडन ने एक खास रणनीत के तहत शेख हसीना सरकार का तख्तापलट करवाया। उन्हें अपना ही देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे भारत को झटका लगा। लेकनि बांग्लादेश की राजनीत पर नजर रखने वालों का मानना है क ट्रंप की जीत से पूरा खेल बदलने वाला है। एक बार फरि बांग्लादेश में भारत का दबदबा होगा। यह जीत शेख हसीना के लिए भी खुशखबरी लेकर आई है। एक और बात बांग्लादेश की अंतरमि सरकार चला रहे मुहम्मद यूनुस डोनाल्ड ट्रंप के कटु आलोचक रहे हैं। कई बार उनके खलिाफ बयानबाजी भी की है। अब उनके भवष्यि पर भी संकट खड़ा होगा। ढाका ट्रिब्यून में कूटनीतकि मामलों के जानकार शफकत रब्बी ने इस पर एक लेख लिखा है। उन्होंने बताया क ट्रंप की जीत का बांग्लादेश पर क्या असर होने वाला है। भारत से रिश्ते कैसे बदल जाएंगे। उन्होंने लिखा है, ट्रंप की विदेश नीत अमेरकि फर्स्ट रहने वाली है। लेकिन इसके बाद वे बाइडन युग के सभी विवादति मसलों को सुलझाएंगे। यूक्रेन संकट हो या अमेरकि-मेक्सकिो बॉर्डर क्राइसिस या फरि मिडिल ईस्ट की स्थतिबिांग्लादेश के लिए उनका आना बेहद अहम है। क्योंक बांग्लादेश में अब जो कुछ होगा, वह ट्रंप की रडार पर होगा। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में अमेरिका की मौजूदगी हमेशा से सॉफ्ट पावर के रूप में रही है। भारत हार्ड पावर के रूप में बांग्लादेश में सीधी दखल रखता था। शेख हसीना के साथ घनष्ठि संबंध होने की वजह से भारत को हमेशा इसका लाभ मिला। लेकिन बाइडन की करतूत ने भारत-बांग्लादेश संबंधों पर पानी फेर दयिा। ट्रंप की जीत के बाद भारत का दबदबा एक बार फरि बढ़ेगा। इतना ही नहीं, ट्रंप की जीत से शेख हसीना की पार्टी का भी मनोबल बढ़ेगा। वह फरि से सत्ता हासलि करने की कोशशि करेंगे। हालांकि, यह मनोवैज्ञानिक ही रहेगा। शेख हसीना और उनसे जुड़े लोग बांग्लादेश लौटेंगे, इसकी संभावना अभी तो नजर नहीं आती। शफकत रब्बी ने लिखा, शेख हसीना के रणनीतकिार बीजेपी से जुड़े प्रवासी भारतीयों के माध्यम से ट्रंप प्रशासन तक आसानी से पहुंच बना लेंगे। बाइडन प्रशासन ऐसा कर पाना उनके लिए काफी मुश्कलि था। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और बढ़ते इस्लामी आतंकवाद का जिक्र कर वे ट्रंप को समझाने की कोशशि करेंगे क फिरि शेख हसीना को वहां भेजने की कोशशि की जाए।

महाराष्ट्र में योगी का क्या 'बंटेंगे तो कटेंगे' बनेगा सत्ता का मंत्र

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अपनी पहली रैली के माध्यम से राजनीतिक माहौल को बदलने की कोशिश की है। महाराष्ट्र की सियासत में कदम रखते ही उन्होंने 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक रहेंगे तो नेक और सेफ रहेंगे' जैसे नारे के जरिए हिंदुत्व के मुद्दे को फिर से एक मजबूत दिशा देने की कोशिश की है। योगी आदित्यनाथ का यह कदम महाराष्ट्र में बीजेपी के वोटबैंक को मजबूत करने और हिंदू समुदाय को एकजुट करने के उद्देश्य से लिया गया है, क्योंकि विधानसभा चुनावों में जातिगत समीकरण और धार्मिक ध्रुवीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के वाशिम, अमरावती और अकोला जैसे शहरों में आयोजित रैलियों में यह नारा बार-बार दोहराया कि अगर हिंदू समाज एकजुट रहेगा, तो वह कभी कमजोर नहीं होगा, लेकिन अगर वह बंटेगा, तो कटेगा। योगी आदित्यनाथ का यह नारा विशेष रूप से हिंदू वोटों को एकजुट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इससे पहले हरियाणा विधानसभा चुनावों में यह नारा सुर्खियों में था, और अब महाराष्ट्र में भी इसका राजनीतिक प्रयोग किया जा रहा है। इस नारे का उद्देश्य हिंदू समुदाय को यह संदेश देना है कि उन्हें एकजुट रहकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और किसी भी बाहरी ताकत से प्रभावित हुए बिना एक सामूहिक पहचान बनानी चाहिए।

योगी आदित्यनाथ की रैलियों में यह नारा राजनीति की एक नई दिशा दिखा रहा है। उन्होंने हिंदू समुदाय को एकजुट करने के लिए शिवाजी महाराज और हनुमान चालीसा का उदाहरण भी दिया। वाशिम में अपनी रैली में योगी ने कहा कि जब हम इतिहास में बंटे, तो हम कमजोर हुए और नुकसान उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि अब हिंदू समाज को एकजुट रहने की जरूरत है, क्योंकि अगर हम बंटे तो कटेंगे। यह संदेश सीधे तौर पर बीजेपी के समर्थन में हिंदू वोटों को एकजुट करने की दिशा में है। इसके अलावा, अमरावती में योगी ने हनुमान चालीसा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि नवनीत राणा ने हनुमान चालीसा के लिए संघर्ष किया था, और यह संघर्ष धार्मिक ही नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी भी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी भारतीय राम और बजरंग बली का सम्मान नहीं करता, ऐसा नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि जब त्रेतायुग में बजरंग बली थे, तब इस्लाम का अस्तित्व भी नहीं था, तो फिर आज के समाज में क्यों हनुमान चालीसा के पढ़ने पर विरोध किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने शिवाजी महाराज के संघर्ष को भी भारतीय स्वाभिमान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी का संघर्ष केवल एक राजा की सत्ता को बचाने के लिए नहीं था, बल्कि वह भारत के स्वाभिमान की रक्षा के लिए था। शिवाजी महाराज ने औरंगजेब की सत्ता को चुनौती दी और मुगलों के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ी। योगी आदित्यनाथ ने इसे एक प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया और कहा कि हमें भी अपने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए इसी तरह एकजुट रहना होगा।योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान पाकिस्तान और फिलीस्तीन जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत की समस्याओं के बजाय पाकिस्तान और फिलीस्तीन के बारे में अधिक चिंता करते हैं, जबकि हमें अपनी समस्याओं का समाधान पहले करना चाहिए। यह उनका कटाक्ष था उन लोगों पर जो अपनी आंतरिक समस्याओं की बजाय बाहरी मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इस विचारधारा का मकसद यह है कि भारतीय समाज को अपने आंतरिक मुद्दों और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति ज्यादा संवेदनशील और जागरूक रहना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का महाराष्ट्र में हिंदुत्व का एजेंडा अपनाने का मकसद राज्य में हिंदू वोटों को एकजुट करना है, क्योंकि राज्य में विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच यह स्पष्ट विभाजन देखा जा रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी का उद्देश्य केवल अपनी पार्टी को सत्ता में लाना नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और धर्म की रक्षा करना है। महाराष्ट्र में आरक्षण, जातिगत जनगणना और मराठा आरक्षण जैसे मुद्दे इन चुनावों में गरमाए हुए हैं, और बीजेपी को इन मुद्दों के संदर्भ में विशेष रणनीति अपनानी होगी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले के कुछ महीनों में बीजेपी को 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार का सामना करना पड़ा था। उस हार को देखते हुए पार्टी ने अपने चुनावी दृष्टिकोण में बदलाव किया है और अब बीजेपी के दिग्गज नेता, विशेष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य की सियासी फिजा को अपने पक्ष में करने के लिए सक्रिय हो गए हैं।

कंप्यूटर बाबा और चमत्कारी यंत्र

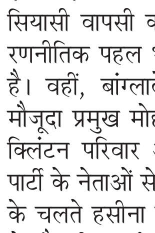

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नगर के बीचों-बीच एक नया बाबा अवतरित हुए थे—'कंप्यूटर बाबा'। पहले तो लोग हँसे, भला बाबा का नाम 'कंप्यूटर' कैसे हो सकता है? पर फिर, जब बाबा ने बताया कि वे संसार के सभी दुखों का हल अपने 'चमत्कारी यंत्र' से निकाल सकते हैं, तो लोग आश्चर्यचकित हो गए। बाबा का चमत्कारी यंत्र एक लैपटॉप था, जिसमें उन्होंने एक खास ऐप इंस्टॉल कर रखा था—समस्या समाधान 2.0। बाबा ने बताया कि यह कोई साधारण ऐप नहीं है, बल्कि इसे खुद उन्होंने हिमालय की गुफाओं में 12 वर्षों तक तपस्या कर तैयार किया है। लोग यह सुनकर और चकित हुए। अब गाँव के हर कोने से लोग बाबा के पास अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचने लगे। पहला भक्त आया, बाबा, मेरा व्यापार बिल्कुल ठप्प हो गया है। क्या करूँ? बाबा ने अपने लैपटॉप में 'समस्या समाधान 2.0' खोला और भक्त का नाम, उम्र और व्यवसाय डालकर 'एंटर' दबाया। कुछ क्षण बाद स्क्रीन पर उत्तर आया, बदली मुद्रा नीति में सुधार करो और ऑनलाइन व्यापार शुरू करो। भक्त खुशी से झूम उठा। उसने बाबा के चरणों में कुछ नोट रख दिए और धन्यवाद देकर चल दिया। दूसरा भक्त आया, बाबा, मेरे घर में रोज कलह होती है। क्या उपाय है? बाबा ने फिर से यंत्र में जानकारी डाली और 'एंटर' दबाया। उत्तर आया, सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी को ब्लॉक करो और हर बात पर 'लाइक' मत करो। भक्त ने यह सुनकर तुरंत सोशल मीडिया से दूरी बना ली और घर लौट गया। धीरे-धीरे बाबा का यंत्र पूरे नगर में चमत्कारी कहलाने लगा। छोटे से छोटे मसले से लेकर बड़े से बड़े संकट तक, हर समस्या का हल कंप्यूटर बाबा के यंत्र से निकलने लगा। बाबा का यंत्र इतना लोकप्रिय हो गया कि यहाँ तक कि नगर के नेता भी चुनाव जीतने के नुस्खे पूछने बाबा के पास आने लगे। बाबा ने उनके लिए खास 'चुनावी जीत 3.0' वर्जन निकाला, जिसमें जनता को कैसे प्रभावित करें, इसका पूरा गाइड था। नेता लोग भी बाबा के भक्त हो गए। लेकिन हर चमत्कार की एक सीमा होती है। एक दिन एक बूढ़ी अम्मा बाबा के पास आई। बाबा, मेरी गाय रोज़ दूध नहीं दे रही। क्या करूँ? बाबा ने यंत्र में जानकारी डाली, पर इस बार 'समस्या समाधान 2.0' ने कोई उत्तर नहीं दिया। बाबा को पसीना आ गया। उन्होंने फिर से कोशिश की, लेकिन यंत्र बार-बार फेल हो रहा था। भीड़ अब सन्नाटे में थी। बाबा की प्रतिष्ठा दाँव पर थी। बाबा ने गुस्से में लैपटॉप बंद कर दिया और बोले, अरे अम्मा, गायों के लिए तो खुद ध्यान लगाना पड़ता है।

ये चमत्कारी यंत्र गायों पर काम नहीं करता। अब से ये सेवा बंद। उस दिन के बाद से बाबा का यंत्र गाय, बकरी, और मुर्गियों से जुड़ी समस्याओं के लिए काम करना बंद कर गया। लोग धीरे-धीरे समझने लगे कि बाबा का 'चमत्कारी यंत्र' असल में उतना चमत्कारी नहीं था, जितना वो दिखाते थे। पर बाबा ने अपनी चालाकी से एक नई सेवा शुरू कर दी—मोबाइल बाबा, जिसमें भक्त अपने फोन पर ही 'समस्या समाधान 2.0' डाउनलोड कर सकते थे।

सुंदर-सुशील और गुणवान पत्नी चाहते हैं तो इस मंत्र का ज्योतिषी विधि से करें जाप

देवउठनी एकादशी के साथ ही साल 2024 में विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक विवाह जैसे मांगलिक कार्यों पर विराम रहता है। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीर सागर से जाग्रत होकर सृष्टि संचालन की जिम्मेदारी संभालते हैं, जिसके बाद सभी मांगलिक कार्य पुनः आरंभ हो जाते हैं।

इस शुभ अवसर का इंतजार करने वाले कई लोगों के लिए शादी के मुहूर्त अब शुरू होंगे। सभी लोग अपने जीवनसाथी के लिए अच्छे गुण, सुंदरता और सुशीलता की कामना करते हैं।

हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री के अनुसार, योग्य और गुणी पत्नी प्राप्त करने के लिए दुर्गा सप्तशती से लिए गए विशेष मंत्र का जप किया जा सकता है। यह मंत्र मार्कंडेय पुराण के अर्गला स्तोत्र से लिया गया है।

ये है मंत्र

"पत्नीं मनोरमां देही मनोवृत्तानुसारिणीम।
तारिणीं दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।"

इस मंत्र का 11,000 बार विधि-विधान से जप करने पर इच्छित गुणों वाली पत्नी की प्राप्ति होती है। इस मंत्र का पूर्ण प्रभाव प्राप्त करने के लिए इसे 11 हजार, 21 हजार, 31 हजार, 51 हजार या 1 लाख 25 हजार बार जपना भी लाभकारी माना गया है।

सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती आज

सहस्त्रबाहु अर्जुन ने भगवान दत्तात्रेय से वरदान में मांगे थे एक हजार हाथ रावण को किया था पराजित

8 नवंबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी है, इस तिथि पर सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार पुराने समय में सहस्त्रबाहु अर्जुन नर्मदा नदी के किनारे बसे महिष्मती नगर के राजा थे। महष्मती यानी मध्य प्रदेश का शहर महेश्वर।

सहस्त्रबाहु अर्जुन का ये नाम इनके एक हजार हाथों की वजह से पड़ा था। इनका मूल नाम अर्जुन था। अर्जुन ने भगवान दत्तात्रेय को अपनी भक्ति से प्रसन्न कर लिया था और वरदान में उनसे एक हजार हाथ मांगे थे। इसके बाद राजा का नाम सहस्त्रबाहु अर्जुन पड़ गया।

रावण को ऐसे किया था पराजित

रावण को अपनी ताकत का घमंड था। एक दिन वह अपने इसी घमंड में सहस्त्रबाहु अर्जुन से युद्ध करने पहुंच गया। माना जाता है कि उस समय राजा सहस्त्रबाहु अर्जुन ने अपने हजार हाथों से नर्मदा नदी का पानी रोक दिया और फिर अचानक पानी छोड़ दिया। इसके बाद नर्मदा के बहाव में रावण की सेना बह गई थी। बाद में सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को बंदी बना लिया था। इसके बाद रावण ने सहस्त्रबाहु अर्जुन से मित्रता कर ली और उसकी कैद से आजाद हो गया।

परशुराम और सहस्त्रबाहु अर्जुन के बीच हुआ था युद्ध

महाभारत की कथा है। सहस्त्रबाहु अर्जुन अपनी सेना के साथ ऋषि जमदग्नि के आश्रम में ठहरे थे। उस समय ऋषि जमदग्नि के पास कामधेनु गाय थी। कामधेन सभी इच्छाएं पूरी करने वाली दिव्य गाय थी। कामधेनु की मदद से ऋषि जमदग्नि ने सहस्त्रबाहु अर्जुन का भव्य स्वागत किया। कामधेनु का चमत्कार देखकर सहस्त्रबाहु अर्जुन उस गाय को बलपूर्वक अपने साथ ले गये। जब ये बात ऋषि जमदग्नि के पुत्र परशुराम को मालूम हुई तो परशुराम क्रोधित हो गए। परशुराम सहस्त्रबाहु अर्जुन से युद्ध करने पहुंच गए। परशुराम और सहस्त्रबाहु अर्जुन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें परशुराम ने सहस्त्रबाहु को पराजित कर दिया। इसके बाद बदला लेने के लिए सहस्त्रबाहु अर्जुन के पुत्रों ने ऋषि जमदग्नि का वध कर दिया था। अपने पिता की हत्या से क्रोधित होकर परशुराम ने 21 बार पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन कर दिया था।

नवंबर-दिसंबर में करना है गृह प्रवेश

8 नवंबर, दिनः शुक्रवार, गृह प्रवेश मुहूर्तः 06:38 ए एम से 12:03 पी एम तक
नक्षत्रः उत्तराषाढा, तिथिः कार्तिक शुक्ल सप्तमी

13 नवंबर, दिनः बुधवार, गृह प्रवेश मुहूर्तः 01:01 पी एम से 14 नवंबर को 03:11 ए एम तक
नक्षत्रः रेवती, तिथिः कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी

16 नवंबर, दिनः शनिवार, गृह **प्रवेश मुहूर्तः** 07:28 पी एम से 17 नवंबर को 06:45 ए एम तक
नक्षत्रः रोहिणी, तिथिः मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा, द्वितीया

18 नवंबर, दिनः सोमवार, गृह प्रवेश मुहूर्तः 06:46 ए एम से 03:49 पी एम तक
नक्षत्रः मृगशिरा, तिथिः मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया

25 नवंबर, दिनः सोमवार, गृह प्रवेश मुहूर्तः 06:52 ए एम से 26 नवंबर को 01:24 ए एम तक
नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी, तिथिः मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी

दिसंबर 2024 गृह प्रवेश मुहूर्त

5 दिसंबर, दिनः बृहस्पतिवार, गृह प्रवेश मुहूर्तः 12:49 पी एम से 05:26 पी एम
नक्षत्रः उत्तराषाढा, तिथिः मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी

कोडाना में शिवाजी के साथी तानाजी मालसुरे शहीद हुए थे

मराठों का इतिहास

इसके बाद उन्हें नजरबंद कर दिया गया। करीब 2 साल तक शांत रहने के बाद जनवरी 1670 में शिवाजी ने फिर मुगलों के साथ युद्ध छेड़ दिया। उन्होंने पुणे के पास कोंडाना के इलाके पर कब्जा किया। हालांकि, इस युद्ध में शिवाजी के खास साथी तानाजी मालसुरे मारे गए। अगले कुछ महीनों में छत्रपति शिवाजी ने वह इलाके वापस पा लिए जो उन्हें पुरंदर की संधि में मुगलों को सौंपने पड़े थे। अब तक मुगल शिवाजी को दक्कन की सल्तनतों के बराबर भी नहीं आंकते थे, उन्हें महज एक जागीरदार की तरह देखते थे। कई मराठा भी शिवाजी के भोंसले वंश के खिलाफ थे। छत्रपति शिवाजी ने 6 जून 1674 को अपनी ताजपोशी तय की। ब्रिटिश, डच और पुर्तगाली अधिकारियों सहित हजारों लोग इस समारोह में आमंत्रित किए गए। रायगढ़ को शिवाजी ने अपनी राजधानी चुना और पांच दिन के भव्य कार्यक्रम के दौरान शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ। डच दस्तावेजों के अनुसार इस कार्यक्रम में 52 लाख हूण खर्च हुए थे।

नवंबर 1678 में शिवाजी को एक बड़ा झटका लगा, जब उनके बड़े बेटे संभाजी मुगलों के साथ चले गए। फिर दिसंबर 1679 से शिवाजी की सेहत खराब रहने लगी। इसके बाद वह कभी ठीक नहीं हुए। लंबी बीमारी के बाद 5 अप्रैल 1680 को उनका निधन हो गया। कई लोग शिवाजी के राज्य को 'हिंदू राज्य' समझते हैं। जिस तरह आज धर्म को देखा जाता है, शिवाजी का राज्य उस तरह का हिंदू राज्य नहीं था। न ही उन्हें संकीर्ण अर्थ में मराठा माना जा सकता है। वह इन सबसे बढ़कर थे। उनके शासन में कई मुसलमान ऊंचे ओहदों पर थे, सेना में 700 से ज्यादा पठान थे। उनके निजी रक्षकों में भी एक मुसलमान था। पूरे जीवन में उन्होंने एक मस्जिद नहीं गिराई। अगर कभी शिवाजी के हाथों में कुरान पड़ जाती, तो वे उसे श्रद्धा, सम्मान के साथ रखते और अपने मुस्लिम सेवकों को दे देते थे।

छत्रपति शिवाजी के निधन के बाद उनके बेटे संभाजी ने रायगढ़ की सत्ता संभाली। शिवाजी की मौत के 2 महीने बाद ही औरंगजेब ने मराठा साम्राज्य पर हमला करने के लिए 2 लाख सैनिकों की फौज भेजी। **(जारी)**

महाभारत की सुंदरी, जिसकी एक शर्त ने राजा को बना दिया था सिंहासन का सेवक

हस्तिनापुर को चुकानी पड़ी थी कीमत

महर्षी वेद व्यास द्वारा रचित महाभारत में कई ऐसे चरत्रि हैं, जिनके बारे में लिखा और पढ़ा गया है। द्रौपदी हो, पांडव, कौरव या फिर कर्ण, हर किरदार की अपनी कहानी और अपनी परिस्थितियां हैं। लेकिन कुछ पात्र इस गाथा में ऐसे हैं, जिनके एक-एक निर्णय ने इस कहानी को एक नया मोड़ दयिा है। भारतीय धर्म, सभ्यता और संस्कृति को दिखाने वाली इस कहानी में जितने बलवान पुरुष पात्र हैं, उतने ही रोचक और हैरान करने वाली स्त्री पात्र भी हैं। आज हम आपको महाभारत की एक ऐसी महिला के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी सुगंध के पीछे दीवाना होकर हस्तिनापुर के राजा ने इतिहास का वो फैसला ले लिया, जिसने इस महायुद्ध की नींव डाल दी थी। हस्तिनापुर वो राज्य था, जिसकी ताकत के आगे कोई नहीं टिक पाता था। लेकिन इस सुंदरी की एक शर्त की कीमत सिहासन को ऐसी चुकानी पड़ी कि 'अजेय' भीष्म को हस्तिनापुर का राजा बनने के बजाए, आजीवन का 'सेवक' बना डाला। ये महिला थी मत्सगंधा, जिसे आगे चलकर सत्यवति के नाम से जाना गया।

सत्यवति की वो सुंदरी थी, जिसकी शर्त ने भीष्म को आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करने पर बाध्य कयिा। दरअसल सत्यवति एक मत्स कन्या थी और उसमें से हमेशा मछली जैसी गंध आती थी। इसलिए उसका नाम मत्सगंधा था। एक बार जब पाराशर ऋषि नदी पार करना चाहते थे, तो पिता के व्यस्त होने पर मत्सगंधा उन्हें नाव में बैठाकर नदी पार करने लगी। मत्सगंधा को देखकर ऋषि पाराशर मोहित हो गए थे, और उन्हीं के वरदान से वह अत्यंत सुगंधति स्त्री के रूप में परिवर्तित हो गई थी। जसि स्त्री से मछली जैसी गंध आती थी, अब उसके शरीर से ऐसी सुगंध आने लगी कि हर कोई मोहित हो जाए। यही थी सत्यवति।

गंगा पुत्र देवव्रत बना 'भीष्म'

दूसरी तरफ आर्यावर्त के राजा शांतनु का पहला विवाह गंगा से हुआ था और गंगा और शांतनु का पुत्र था देवव्रत। यही पुत्र महाभारत में आगे चलकर 'भीष्म' के नाम से जाना गया। भीष्म महाबलशाली और श्रेष्ठ योद्धा थे। जब हस्तिनापुर के राजा शांतनु को देवव्रत जैसा बेटा मलिा, तो हस्तिनापुर के नए राजा की चिंता टल गई थी। भीष्म के राज्यअभिषेक की तैयारयिां थीं। लेकिन इतिहास को कुछ और मंजूर था।

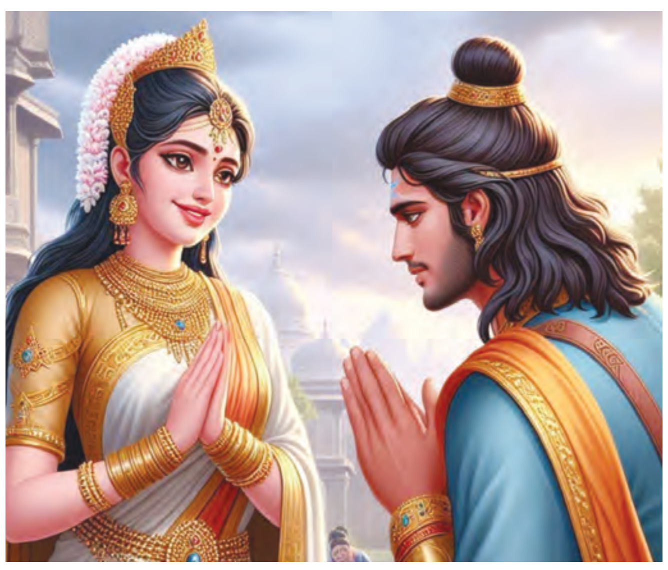

'मैं प्रतिज्ञा करता हूं, आज से आजीवन ब्रह्मचारी रहूंगा.' इस भीषण प्रतिज्ञा के बाद ही देवव्रत का नाम भीष्म पड़ा.

मेरी संतान ही बनेगी अगला राजा

एब बार राजा शांतनु वन में शिकार के लिए गए। इस सुंदर वन में उन्हें एक परम सुंदर युवती नजर आई, जिसके शरीर से बड़ी मनभावनी सुगंध निकल रही थी। राजा ने तुरंत शादी का प्रस्ताव उसके सामने रख दिया। इसपर युवती ने कहा, 'मैं केवट पुत्री सत्यवती हूं। आपसे विवाह करना सौभाग्य की बात है। पर मेरी शर्त है कि मेरी संतान ही राज्य की उत्तराधिकारी बने।' राजा शांतनु जानते थे कि भीष्म बड़ा पुत्र है और वह राजा बनने के योग्य है। राजा शांतनु ये शर्त सुन वापस आ गए। वो वापस तो आ गए, लेकिन उनका मन अब राज-काज में नहीं लगता। भीष्म के पूछने पर राजा ने बात टाल दी लेकिन एक मंत्री ने उन्हें सारा सच बताया कि राजा एक केवटराज की पुत्री से विवाह करना चाहते हैं, लेकिन उसकी शर्त है कि उसकी संतान ही राज्य की उत्तराधिकारी बने, जो राजा को स्वीकार नहीं। देवव्रत यानी भीष्म अपने पिता को उदास नहीं देखना चाहते थे। वो सत्यवती के पिता केवटराज के यहां पहुंचे और कहा, 'मैं राजा शांतनु का पुत्र हूं। मैं राज्य के उत्तराधिकार से स्वयं को वंचित करता हूं। अब आप अपनी पुत्री का विवाह राजा से करा दें।' लेकिन केवटराज और भी चतुर निकला। उसने कहा, 'आपकी बात ठीक है, पर आपकी संतान अगर राज्य पर अपना अधिकार जताना चाहे तो मेरी पुत्री की संतान का क्या होगा?' ये सुनते ही भीष्म ने वो भीषण प्रतिज्ञा ले डाली, जिसके बाद उनका नाम भीष्म पड़ा। देवव्रत ने कहा, 'मैं प्रतिज्ञा करता हूं, आज से आजीवन ब्रह्मचारी रहूंगा।' एक नवयुवक की ऐसी विकट प्रतिज्ञा ने सभी को हैरान कर दिया। ऐसी भीषण प्रतिज्ञा के कारण उनका नाम 'भीष्म' हो गया। स्वर्ग के देवता भी उनकी इस भीषण प्रतिज्ञा के आगे नतमस्तक हो गए थे। भीष्म की इसी प्रतिज्ञा का परिणाम निकला की भीष्म के बजाए सत्यवति के पुत्रों ने आगे चलकर हस्तिनापुर का राज्य संभाला और इन्हीं में सिहासन का महायुद्ध हुआ।

शनि इस दिन होंगे मार्गी, इन राशि पर पड़ेगा बुरा प्रभाव

वैदिक ज्योतिष के अनुसार गोचर का संबंध सभी 9 ग्रहों और 12 राशियों से होता है। गोचर का अर्थ ग्रहों की चाल से है। जब कोई ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो इस प्रक्रिया को गोचर कहते हैं। गोचर का देश दुनिया के साथ व्यक्ति के जीवन पर भी बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। जब ग्रह किसी राशि में गोचर करते हैं, तो वह वक्री या मार्गी अवस्था में रहते हैं जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर पड़ता है। सूर्य से लेकर केतु तक सभी ग्रह एक निश्चित अवधि में वक्री या मार्गी अवस्था में राशि परिवर्तन करते हैं, जिसका कुछ राशियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ राशियों पर नकारात्मक।

इस दिन शनिदेव बदलेंगे स्थान

सभी 12 ग्रह में नवग्रह में शनिदेव को सबसे क्रूर और शक्तिशाली ग्रह कहा जाता है। शनि देव जब वक्री अवस्था में किसी राशि में गोचर करते हैं तो राशियों पर इसका प्रभाव पड़ने से उन्हें शुभ अशुभ फल प्राप्त होता है। इसी प्रकार शनिदेव मार्गी (सीधी चाल) अवस्था में रहकर किसी राशि में गोचर करते हैं तो इस दौरान जातकों को लाभ और हानि होती हैं। न्याय के देवता शनिदेव 15 नवंबर की शाम को अपनी मूल त्रिकोणीय राशि कुंभ में मार्गी होंगे।

शनि देव की मार्गी चाल (सीधी चाल) होने से किन राशियों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, इसकी ज्यादा जानकारी लोकल 18 को देते हुए हरिद्वार के ज्योतिष पंडित शशांक शेखर शर्मा ने दी। वो कहते हैं कि शनि ग्रह 15 नवंबर की शाम 7:15 पर अपनी मूल राशि कुंभ में सीधी चाल चलेंगे। शनि ग्रह के कुंभ राशि में मार्गी होने से इसका नकारात्मक प्रभाव कर्क, सिंह, कन्या और मीन राशि के जातकों पर पड़ेगा साथ ही इस दौरान जातकों को शारीरिक समस्याएं, पैरों में दर्द या चोट लगना, स्वास्थ्य खराब रहना, आकस्मिक धन हानि और बनते हुए काम बिगड़ना आदि सभी होंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं। शनि देव अपनी राशि कुंभ में 15 नवंबर की शाम 7:15 से मार्गी हो जाएंगे। कर्क राशि से शनि देव अष्टम भाव में मार्गी होंगे। शनि ग्रह की मार्गी चाल से कर्क राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होंगी। उनके शरीर में पित्त बनना, पेट में समस्या होना, मौसम की वजह से वायरल इनफेक्शन आदि सभी समस्याओं से परेशान रहना पड़ेगा।

सिंह राशिः शनि ग्रह की मार्गी चाल का सिंह राशि के जातकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे सिंह राशि के जातकों के बनते हुए काम बिगड़ेंगे। शनि देव यहां सप्तम भाव में मार्गी होंगे तो सिंह राशि के जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्हें इस दौरान बहुत सी परेशानियों से गुजरना होगा। सिंह राशि के जातकों को धन संबंधी समस्याओं से भी परेशान रहना होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि के जातकों को शनि देव की सीधी चाल से आकस्मिक धन खर्च का नुकसान होगा। कन्या राशि पर शनि देव की सीधी चाल से मार्गी से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होंगी। इस दौरान कन्या राशि के जातक को के पैरों में चोट लगने का खतरा और घुटनों से नीचे ज्यादा दर्द रहना आदि समस्याएं बनी रहेगी। शनिदेव की मार्गी चाल से कन्या राशि के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

मीन राशिः मीन राशि पर शनि देव की साढ़ेसाती चल रही है और मीन राशि से शनि देव 12वें स्थान पर मार्गी होंगे, जिससे मीन राशि के जातकों के लाभ के साथ-साथ नुकसान के योग भी बनेंगे। ज्योतिष शास्त्र में 12 वां स्थान खर्च का होता है। मीन राशि के जातकों को आकस्मिक धन खर्च का नुकसान होगा और साढ़ेसाती के नुकसान से भी इस दौरान मीन राशि के जातकों को गुजरना होगा।

करें ये उपाय

शनि देव अपनी मूल त्रिकोणीय राशि कुंभ में मार्गी (सीधी चाल) होंगे तो नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए शनिवार के दिन शनि देव के वैदिक मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः। का जाप करें। सुबह के समय भगवान शिव को जल में काले तिल मिलाकर अर्पित करें तो विशेष लाभ होगा।

श्रद्धा कपूर ने स्किन केयर को लेकर बस इतना ही तो कहा था लोगों ने जमकर सुना डाला, कहा- आपसे अच्छी तो सोनम हैं

अक्सर बॉलीवुड सिलेब्रिटीज़ को देखकर काफी लोग उन्हें फॉलो करने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि तमाम ऐड मेकर्स इन सितारों को लेकर अपना ऐड बनाना पसंद करते हैं ताकि रीच बढ़े। इस वक्त चर्चा है श्रद्धा कपूर की, जिन्होंने अपने स्किनकेयर रूटीन को लेकर कुछ ऐसा कहा है कि लोग खूब मजाक बना रहे हैं।

बॉलीवुड एक्टर्स के लुक, हाव-भाव, फैशन, हेयर स्टाइल जैसी चीजों को लेकर आम पब्लिक में अलग ही उत्सुकता रहती है। अब श्रद्धा कपूर का इंटरव्यू क्लिप चर्चा में है जिसमें उन्होंने कहा कि उनका कोई स्किनकेयर रूटीन नहीं है।

सिर्फ फेस वॉश और मॉइश्चराइज़र का इस्तेमाल

श्रद्धा ने कहा कि स्किनकेयर के लिए वो सिर्फ फेस वॉश और मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करती हैं। अब सोशल मीडिया पर बौराए लोग ये मानने को तैयार नहीं कि श्रद्धा जो कह रही हैं वो सही है। लोगों ने उनकी आलोचना शुरू कर दी है। यहां तक कि कुछ ने ये भी कहा कि श्रद्धा की ये बातें सुनकर उन्हें सोनम कपूर की कही बातें याद आ गईं।

लोगों ने कहा- सोनम ने सच तो कहा था

सोनम ने एक बार सच कहा था कि एक्टर्स को 'बेदाग' दिखने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है। लोगों ने सोनम की बातें याद कर कहा, 'इसलिए मैं सोनम कपूर की तारीफ करता हूं कि कम से कम उन्होंने इस बारे में सच तो कहा। हम सभी जानते हैं कि आपको स्किन केयर रूटीन की ज़रूरत नहीं, आपको सर्जरी की ज़रूरत है।'

भड़के यूजर्स ने श्रद्धा को खूब सुनाया

एक अन्य इंटरनेट यूजर ने सोनम की तारीफ भी की और कहा, 'जब मैं इस तरह की बकवास सुनता हूं तो मेरा दिमाग तुरंत सोनम कपूर के पुराने पोस्ट की ओर चला जाता है, जहां उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों की एक सेना है जिनका काम केवल उन्हें सुंदर दिखाना है, कैसे वह महंगे प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करती हैं और उनकी हर फोटो जबरदस्त फ़ोटोशॉप होती है। एक एक्ट्रेस से इस तरह की बातें करते हुए सुनना काफी रिफ्रेशिंग होता है, बजाय ये सुनने के कि केवल मॉइस्चराइज़र, केवल पानी, केवल गंगाजल जैसी चीजों का इस्तेमाल करती हैं।'

सोनम ने कहा था- बहुत सारी चीजें, पैसे और समय लगता है

जिन्हें न पता हो उन्हें यहां बता दें कि हाल ही में सोनम ने कहा था कि फीमेल सेलेब्स जैसी दिखती हैं उसके लिए बहुत सारी चीजें, पैसे और समय लगता है। उन्होंने कहा था कि प्लीज जान लें कि कोई भी इस तरह से नहीं उठता। न मैं। न ही कोई और एक्ट्रेस। (यहां तक कि बेयोंसे भी नहीं। कसम से।'

हुमा कुरैशी ने ठुकराई दो बड़ी फिल्में, सैलरी और अभिनेता के कम अनुभव को बताई वजह

अपनी अद्भुत अभिनय के लिए मसहूर हुमा कुरैशी ने हाल ही में दो मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म को अस्वीकार करने के पीछे का कारण का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इन फिल्मों के लिए उन्हें उच्च वेतन की पेशकश नहीं की गई थी। इसके साथ ही इन फिल्मों में उनके साथ काम करने वाले दूसरे अभिनेताओं में अनुभव की कमी के कारण उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि अगर कोई अभिनेता अपने सोशल मीडिया फॉलोइंग के कारण लोकप्रिय माना जाता है, इसका यह मतलब नहीं कि उसके शो या फिल्मों को दर्शक पसंद करेंगे।

दो फिल्मों को न कहने का बताया कारण

एक मीडिया साक्षात्कार में हुमा कुरैशी ने दो नई फिल्मों को न कहने के पीछे के कारमों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ईमानदारी महत्वपूर्ण है। अन्य अभिनेताओं की लोकप्रियता के बावजूद उन्हें लगता है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उनका अनुभव अन्य अभिनेताओं के अनुभव से मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा, ₹बिना नाम बताए, मुझे दो लीड फिल्मों की पेशकश की गई थी। मैंने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि इसमें शामिल अन्य मशहूर अभिनेताओं के पास स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का मेरे जितना अनुभव नहीं था।

मुख्य भूमिका वाली फिल्मों को करने से किया इनकार

हुमा ने स्पष्ट किया कि वह फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन तभी जब फिल्मों में अन्य अभिनेताओं की तरह उनके किरदार को भी समान महत्व दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि करियर के इस स्तर पर उन्हें नहीं लगता कि कोई

समझौता करने की जरूरत है। टीम ने उन्हें आश्वासन दिया कि यह दो मुख्य भूमिका वाली फिल्म है, हुमा ने स्पष्ट किया कि एक वरिष्ठ अभिनेता के रूप में उन्हें उच्च वेतन की उम्मीद है। जब टीम के साथ कोई समझौता नहीं हुआ तब उन्होंने दोनों फिल्मों को करने से इनकार कर दिया। जॉली एलएलबी 2 की अभिनेत्री ने कहा, ₹उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि दोनों मुख्य भूमिका वाली फिल्में हैं, लेकिन एक वरिष्ठ अभिनेत्री के तौर पर मैंने उच्च वेतन की मांग की थी। हमारे बीच बात नहीं बनी और मैंने काम करने से इनकार कर दिया।

जॉली एलएलबी 3 में आएंगी नजर

हुमा कुरैशी ने बताया कि वह इन परिस्थितियों का सामना ईमानदारी और सम्मान के साथ करती हैं। उन्होंने हुमा ने कहा कि उन्हें जिन फिल्मों की पेशकश की गई वह ओटीटी के लिए थीं, जहां उन्होंने बहुत नाम कमाया। बता दें कि हुमा हाल ही में जी 5 के शो मिथ्या के दूसरे सीजन में नजर आईं। गुलाबी और बयान उनकी आने वाली फिल्में हैं। पिंकविला के अनुसार, हुमा जॉली एलएलबी 3 में नजर आएंगी।

करण जौहर ने नई फिल्म में फिर अनन्या पांडे पर खेला दांव

करण जौहर ने आज अपनी एक और फिल्म का एलान किया है। इसमें अनन्या पांडे नजर आएंगी। उनके साथ लक्ष्य की जोड़ी जमेगी। निर्माता ने फिल्म की पहली झलक साझा की है। फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्यार में पागल होना पड़ता है

करण जौहर की नई फिल्म का नाम है- 'चांद मेरा दिल'। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा फिल्म की झलक दिखाई है। करण ने चार पोस्टर साझा किए हैं। करण की नई फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य लीड भूमिका में नजर आएंगे। पोस्ट के साथ करण ने कैप्शन लिखा है, 'हम एक बेहद प्यारी और भावुक प्रेम कहानी लाने की तैयारी में हैं। ऐसी प्रेम कहानी होगी, जैसी पहले कभी नहीं रही। प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है'?

कौन करेगा निर्देशन?

करण ने आगे लिखा है, 'हमारे पास दो चांद हैं। 'चांद मेरा दिल' फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य हैं। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी करेंगे। यह फिल्म साल 2025 में सिनेमाघरों तक पहुंचेगी'। अनन्या पांडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म 'कंट्रोल' ओटीटी पर रिलीज हुई। बात करें लक्ष्य की तो वे अपनी फिल्म 'किल' को लेकर खूब लोकप्रिय हुए। एक्शन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों को पसंद आई।

यूजर्स ने की सवालों की बौछार

करण जौहर ने जैसे ही फिल्म का एलान किया, कमेंट बॉक्स में सवालों की बौछार शुरू हो गई है। यूजर्स कमेंट कर रहे हैं कि हर बार एक जैसी स्टारकास्ट क्यों लेते हो? एक यूजर ने लिखा, 'हर बार एक जैसी स्टारकास्ट।

हर बार अनन्या पांडे। सबकुछ बहुत बोरिंग है। मेकर्स को थोड़ा अलग सोचने की जरूरत है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अनन्या पांडे कुछ नपो किड्स के मुकाबले अच्छी हो सकती हैं। लेकिन, वह अच्छी कलाकार नहीं हैं'।

'मैं हिंदू हूं किसी धर्म पर कभी कमेंट नहीं करूंगी' : एकता कपूर

विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है. फिल्म का ट्रेलर 6 नवंबर को किया गया. मुंबई में हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान प्रोड्यूसर एकता कपूर ने 'द साबरमती रिपोर्ट' को बनाने पर बात की. एकता कपूर ने साफ किया कि उन्होंने पिक्चर को बनाने में किसी के सपोर्ट की मांग नहीं की, न ही वो किसी विंग से जुड़ी हुई हैं. प्रोड्यूसर ने इस बात पर भी जोर दिया कि वो किसी भी धर्म पर फिल्म के जरिए वार नहीं कर रही हैं. एकता का कहना है कि वो धर्मनिरपेक्ष हैं और उनका फोकस सच को दिखाने पर है कि 2002 में गोधरा में आखिर क्या हुआ था.

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एकता कपूर से पूछा गया कि फिल्म को बनाने पर क्या उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसे लेकर बातचीत की थी, क्योंकि 2002 में जब ये हादसा हुआ तब मोदी ही गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे. एकता ने साफ किया कि उन्होंने मोदी या सरकार किसी का भी सपोर्ट इस प्रोजेक्ट के लिए नहीं मांगा था. उन्होंने कहा, 'मैं किसी विंग से नहीं जुड़ी हुई हूं. मेरे लिए ये सिर्फ सच्चाई ही विंग है.'

'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म की रिलीज डेट 15 नवंबर है. इसका क्लैश महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से हो रहा है. इस बारे में पूछे जाने पर एकता ने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान बहुत पहले कर दिया गया था. इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है. चीजों को गलत तरह से लिया जा रहा है. इसके अलावा एकता ने ये भी साफ किया कि वो अपनी फिल्म के जरिए किसी भी धर्म पर निशान नहीं साध रही हैं. उन्होंने कहा, 'मैं एक हिंदू हूं, जिसका मतलब है कि मैं धर्म निरपेक्ष हूं. मैं किसी भी धर्म पर कभी कोई कमेंट नहीं करूंगी क्योंकि मैं हिंदू हूं.' साथ ही एकता कपूर ने सेंसरशिप के बारे में पूछे जाने पर ये भी कहा कि उन्हें किसी का डर नहीं है.

दीपिका पादुकोण को बहुत बिजी रखती है उनकी बेटी दुआ सोने-नहाने का भी नहीं मिल रहा वक्त

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हाल ही में मां बनी हैं। एक्ट्रेस ने सितंबर महीने में एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया था। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे का वेलकम किया था। मां बनने के बाद से दीपिका पादुकोण ने अब तक कोई पब्लिक अपीयरेंस नहीं दी है। ऐसा लग रहा है कि वे अपनी बेटी के साथ काफी बिजी हैं। हाल ही में खुद एक्ट्रेस ने बताया है कि अपनी न्यू बॉर्न बेटी के साथ उनकी लाइफ कैसी चल रही है।

दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्यूट वीडियो शेयर किया है। इसमें एक बच्ची दिख रही है जो एक आंख

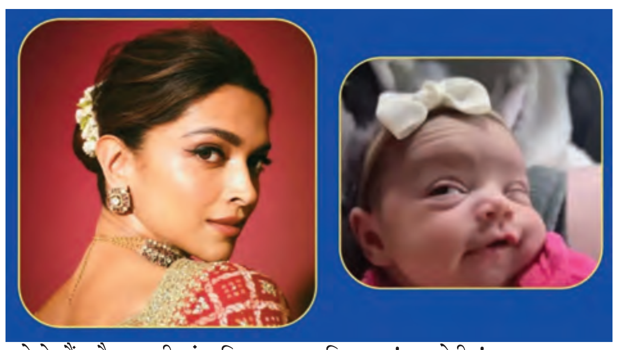

खोले हैं और दूसरी बंद किए हुए है। इसके साथ कैप्शन में लिखा है- मैं यहां जागने की कोशिश कर रही हूं, क्योंकि मैं अगर सो गई तो मेरी मां नहाएंगी, खाएंगी, घर की सफाई करेंगी और मैं झपट्टा नहीं मार सकूंगी। इस वीडियो शेयर करते हुए दीपिका ने कैप्शन में लिखा- 'ट्रू स्टोरी।'

दीपिका की स्टोरी और उनके कैप्शन से साफ है कि उनकी लाडली उन्हे अपने साथ काफी बिजी रख रही हैं। एक्ट्रेस अपनी बेटी के साथ अपना आराम भूल गई हैं। इससे पहले दीपिका ने अपनी बेटी के जन्म के बाद अपना इंस्टा बायो चेंज किया था। बायो में उन्होंने लिखा था- 'खिलाओ, डकार लो, सो जाओ, रिपीट।'

रणवीर-दीपिका ने रिवील किया बेटी का नाम

दिवाली के मौके पर ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी का नाम रिवील किया था।

उन्होंने अपनी बेटी का नाम दुआ पादुकोण सिंह रखा है। कपल ने अपनी बेटी के पैर की फोटो शेयर करते हुए लिखा था- 'दुआ पादुकोण सिंह। दुआ जिसका मतलब है प्रार्थना। क्योंकि वो हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। हमारे दिल प्यार और ग्रेटिट्यूड से भरे हुए हैं।'

गोवा में मस्ती करने पहुंची भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने दिवाली पर परिवार के साथ पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाया। इसके बाद वे छुट्टियां मनाने गोवा चली गईं। भूमि पेडनेकर ने अपनी गोवा ट्रिप के दौरान की तस्वीरें साझा की हैं। आइए आपको भी भूमि की इन तस्वीरों के साथ कराते हैं गोवा की सैर।

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने इस पोस्ट पर कैप्शन दिया, पिछली कुछ खास रातें। सोशल मीडिया पर साझा की गईं इन तस्वीरों में भूमि पेडनेकर सफेद ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वे खुश और मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वो खाना खाती हुई दिख रही हैं। गोवा में भूमि पेडनेकर ने काफी मजे किए हैं। उन्होंने इस दौरान स्वीमिंग करती भी नजर आ रही हैं।

प्रशंसकों ने की तारीफ

भूमि पेडनेकर की तस्वीरों में प्रशंसकों ने कमेंट किया है। प्रशंसकों ने भूमि की तारीफ की और उन्हें हार्ट इमोजी साझा की है।

एक प्रशंसक ने लिखा, 'बहुत बहुत खूबसूरत'। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, 'फूडी भूमि'। किसी और प्रशंसक ने लिखा, 'अरे वाह आप छुट्टियां मना रही हैं'। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, 'आप बहुत खूबसूरत हैं'।

गोवा की चर्च में पहुंची अभिनेत्री

इन तस्वीरों के साथ भूमि पेडनेकर ने गोवा की चर्च की तस्वीरें भी साझा की हैं। रात की रौशनी में चर्च और भी खूबसूरत लग रही है।

दिवाली पर मस्ती करती नजर आईं भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर ने दिवाली पर मस्ती की। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की, जिसमें उनका पूरा परिवार नजर आ रहा है। तस्वीरों में बच्चे भी मस्ती कर रहे हैं। परिवार के साथ वह मस्ती कर रही हैं। भूमि ने अपनी सेल्फी भी साझा की है। इसमें वह गोल्डन साड़ी पहने नजर आ रही हैं। बच्चों ने वीडियो में कहा, आपको हमारे साथ अभिनय करना होगा, आपको एक मिलियन डॉलर में साइन किया गया है।

मैंने बॉडी और कर्ली बालों को लेकर बहुत कुछ सुना

अब पीछे मुड़ कर देखती हूं, तो लगता है कि ये भगवान की ही प्लानिंग थी मेरे लिए : नित्या मेनन

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस नित्या मेनन को हिंदी दर्शकों ने 'मिशन मंगल' में एक प्यारी-सी भूमिका में देखा था। नित्या कन्नड़, मलयालम, तेलुगू जैसी सभी भाषाओं की फिल्मों में काम करके कई पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं, मगर हाल ही में जब उन्हें अपनी साउथ मूवी 'थिरुचित्रम्बलम' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला, तो निसंदेह वह उनके करियर के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। उनसे एक खास बातचीत।

जिस दिन नेशनल अवॉर्ड की घोषणा हुई थी, वो दिन बहुत यूनिक और खास था। असल में सालों काम करते हुए हम उसमें रम जाते हैं और हमें लगता है कि इतने साल बाद हमें शायद कुछ नया अनुभव नहीं होगा। लेकिन उस दिन सब कुछ नया था। मैंने अपने भीतर काफी नए इमोशन फील किए। मैं कई फिल्में कर चुकी हूं और मुझे कई अवॉर्ड्स भी मिलें हैं, मगर जब राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तो लगा कि हां, अब हो गया। कहीं पहुंच गई हूं। सच कहूं, तो मैंने अपनी एनर्जी इस बात पर कभी नहीं लगाई कि मुझे अवॉर्ड मिले। मैं तो लगातार अपना काम करती गई। मैं जो भी करती हूं, हमेशा ऑफबीट करती हूं। मेरी फिल्में अलग होती हैं, जो मैं चुनती हूं, वो अलग होता है या जिस तरह के मैं कपड़े पहनती हूं अथवा जिस तरह की मेरी बॉडी थी, वो सब अलग है, तो मैंने बहुत ज्यादा की उम्मीद कभी नहीं की, मैंने हमेशा यही सोचा कि मुझे लोगों का जितना प्यार मिलता है, वो पहचान मेरे लिए काफी है। मगर जब नैशनल अवॉर्ड मेरे खाते में दर्ज हुआ, तो जो एक नया अहसास जगा, उससे मुझे महसूस हुआ कि मुझे ये भी चाहिए था।

मैं मास मीडिया कर रही थी। मेरी एक बहुत करीबी दोस्त है नंदिनी, रेड्डी वो फिल्म मेकर है। वही मुझे इस क्षेत्र में लाई। उसने मुझसे कहा कि सिर्फ दो महीने के लिए एक फिल्म (अला मोडलऐंडी) में काम कर लो।

फिर जो चाहो करो। वो तो पूरा साल भर फिल्म शूट करती रही। मगर ट्विस्ट ये था कि फिल्म रिलीज हुई और इतनी बड़ी हिट साबित हुई कि मैं लौट कर जर्नलिज्म के क्षेत्र में जा ही नहीं पाई। अब पीछे मुड़ कर देखती हूं, तो लगता है कि ये भगवान की ही प्लानिंग थी मेरे लिए। मगर शुरूआती दौर में मेरे मन में काफी द्वंद्व थे। जब तक मैं फिल्मों में नहीं आई थी, तब तक मेरे कई सपने थे, मगर जब ग्लैमर जगत में आई, तो मुझे काफी एडाप्ट करना पड़ा, क्योंकि यहां के तौर-तरीके मेरे व्यक्तित्व से बिलकुल अलग थे। आपको सुनकर अजीब लगेगा, मगर शुरू में मुझे लाइट्स-कैमरा आदि बिलकुल नहीं भाता था। ये जो अटेंशन हम कलाकरों को मिलती है, उससे मुझे बहुत कोफ्त होती थी, मगर इस फील्ड में कुछ ऐसा जरूर था, जो मुझे छोड़ नहीं रहा था। हर बार मैं सोचती, एक और फिल्म करूंगी और चली जाऊंगी, मगर भगवान की योजनाएं तो कुछ और ही थीं।

मुझे तो यहां के लोग भी काफी प्रोफेशनल लगे। मिशन मंगल में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा जैसे कई बड़े कलाकार थे और सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। शूटिंग के दौरान हम सभी लोग एक साथ रहते थे। हम सभी लोग साथ में ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर करते। सभी लोग एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते थे।

मुझे लगता है कि वो ह्युमिलिएशन हम लोग हमेशा महसूस करते हैं। मगर मैं समझती हूं कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की स्थिति इस मामले में बेहतर है। यहां हमें वैल्यू दी जाती है। हालांकि हमारे समाज में पितृसत्ताक सोच गहराई से पैठी हुई है, तो एक तरह से हमें इसे पहले स्वीकार करना होगा, उसी के बाद हम सोच सकते हैं कि ऐसा क्यों है और इसके लिए क्या किया जाना चाहिए? हम देखते हैं कि हर तरफ पुरुष प्रधान समाज है। शादी के कार्ड में पहले पुरुष का नाम, फिल्मों की नंबरिंग में पहले नाम हीरो का, घर की नेम प्लेट पर भी वही, तो ये हमेशा से ऐसा क्यों है कि औरत का दर्जा दोयम होगा। ये उल्टा क्यों नहीं हो सकता, तब हीनता महसूस होती है। मगर अब जब मैं कई लोगों से मिलती हूं, तो लगता है कि वो जेंडर बायस्ड नहीं हैं। मुझे लगता है कि धीरे-धीरे ही सही, मगर बदलाव हो रहा है। हमें बस आने वाली पीढ़ी की महिलाओं के लिए लगातार बदलाव की कोशिश करते रहनी होगी।

जब आप उनके पैमाने में एक खास साइज में फिट नहीं बैठते, तब आपको तो सुनना ही पड़ता है। मेरी बॉडी के बारे में जब बात की जाती थी, तब मुझे लगता था कि ये लोग ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे शरीर के अलावा मेरा और कोई वजूद ही न हो, तो क्या मैं सिर्फ बॉडी हूं? कृपया मुझे सिर्फ बदन तक सीमित मत रखो। फिर मैंने बहुत सोचा। मुझे लगा कि मुझे हीन भावना से ग्रसित नहीं होना है। मेरी जो क्रिएटिविटी है, मेहनत है, मेरे व्यक्तित्व के जो अन्य पहलू हैं, आप उन पर बात कर सकते हैं। मेरी बॉडी ही नहीं, मेरे कर्ली बालों को लेकर भी बहुत कुछ कहा जाता था कि ये इतने घुंघराले क्यों हैं? इन्हें स्ट्रेट करो। आईब्रोज इतने मोटे क्यों हैं, पतले करो। अब देखती हूं, तो लोग पैसे देकर अपने बाल कर्ल करवाते हैं। मेरी बॉडी के बारे में जब बात की जाती थी, तब मुझे लगता था कि ये लोग ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे शरीर के अलावा मेरा और कोई वजूद ही न हो, तो क्या मैं सिर्फ बॉडी हूं? यानी लगता है कि संवेदनशीलता नहीं बची। किसी के घर में मौत हो गई है, मगर इन्हें फोटोज निकालने ही हैं, ऐसे समय में लगता है कि मानवता शून्य हो गई है और पैसा जरूरी। जब सेलेब्स मुश्किल से गुजर रहे हो, तो समझना जरूरी है कि वो भी इंसान हैं और उन्हें कैसा महसूस हो रहा होगा।

हार्दिक पांड्या के फैंस ने नताशा स्टेनकोविक को किया बुरी तरह ट्रोल

एलेक्स ने पहनाई एक्स वाइफ को साड़ी

हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा स्टेनकोविक तलाक के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। नताशा जब से सर्बिया से वापस आईं हैं तब से वो अपने काम पर फोकस कर रही हैं। हाल ही में वो दिवाली पार्टी में गईं थीं। जहां पर उन्होंने फिटनेस ट्रेनर एलेक्स के साथ पोज भी दिए थे। पार्टी में नताशा साड़ी पहनकर गई थीं। अब नताशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें एलेक्स उन्हें साड़ी पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद हार्दिक के फैन नताशा को खूब ट्रोल भी कर रहे हैं।

एलेक्स ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो सुई-धागे से साड़ी को सिलते हुए नजर आ रहे हैं और उसके बाद उन्हें साड़ी पहना भी रहे हैं। ये वीडियो नताशा खुद रिकॉर्ड कर रही हैं। जिसे देखकर कई लोगों को गुस्सा आ रहा है।

हार्दिक के फैंस ने किया ट्रोल

एलेक्स ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा-'मुझे ड्रैपर और टेलर बन जाना चाहिए।' इसके बाद नताशा ने ये वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा- 'मेरा बेस्टफ्रेंड आपके से बेहतर है।' हार्दिक के फैंस को ये वीडियो पसंद नहीं आया है और वो उनके रिश्ते पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ पूछ रहे हैं कि क्या वो कजिन हैं? वहीं नताशा ने भी इस मामले में चुप्पी साधी हुई है। एक

यूजर ने लिखा- क्या आप कपल हो? मैं कंफ्यूज हूं। वहीं दूसरे ने लिखा- बाहर बैठे सभी टेलर्स के लिए दो मिनट का मौन।

बता दें हार्दिक और नताशा की साल 2020 में शादी हुई थी। चार साल बाद ही दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया है। नताशा और हार्दिक का एक बेटा अगस्त्य भी है। जिसकी कस्टडी फिलहाल नताशा के पास है। अगस्त्य अपने पापा से अक्सर मिलता रहता है। हार्दिक भी बेटे के साथ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

70 साल के कमल हासन को श्रुति हासन ने बर्थडे विश किया

एक फिल्म के 100 करोड़ रुपये करते हैं चार्ज, 450 करोड़ की नेटवर्थ

सुपरस्टार कमल हासन गुरुवार को 70 साल के हो गए। इस मौके पर उनकी बेटी श्रुति हासन ने अपने 'अप्पा' के लिए एक इमोशनल नोट लिखा। श्रुति ने पापा को रेयर डायमंड बताया। श्रुति ने इंस्टाग्राम पर अपनी और अपने पिता की जिम की एक फोटो पोस्ट की। फोटो में कमल एथलीजर पहने हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक्ट्रेस पूरी तरह सजी-धजी नजर आ रही हैं। फोटो उन्होंने बैकसाइड से शेयर की है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अप्पा। आप एक रेयर डायमंड हैं। आपके साथ चलना मेरे जीवन की सबसे पसंदीदा चीजों में से एक है। मुझे पता है कि आप भगवान में विश्वास नहीं करते, लेकिन आप हमेशा उनके चुने हुए बच्चे रहेंगे।' श्रुति ने बताया कि वो उनके द्वारा की जाने वाली सभी मैजिकल चीजों को देखने के लिए हमेशा एक्साइटेड रहती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं चाहती हूं हम कई और जन्मदिन और सपनों के सच होने का जश्न मनाएं। आपसे बहुत प्यार करती हूं पा।'

एक्टर मोहनलाल ने भी कमल हासन को बर्थडे विश किया है। उन्होंने लिखा- हैप्पी बर्थडे कमल सर। ये साल आपके लिए और भी बड़ी सक्सेस और खुशी लेकर आए, क्योंकि आप दुनिया के साथ क्रिएटिवी, डेडिकेशन और आर्टिस्ट्री शएयर करते रहेंगे।

कमल हासन को मिले ये अवॉर्ड

बता दें कि कमल हासन ने तमिल, मलयालम, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और बंगाली फिल्मों में

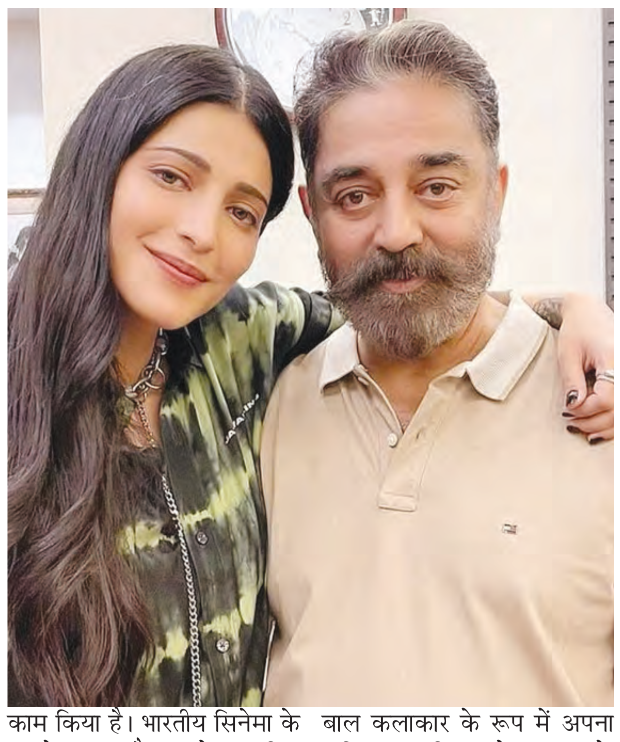

काम किया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महान और सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक माने जाने वाले कमल हासन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, नौ तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, चार नंदी पुरस्कार, एक राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कमल हासन को 1984 में कलैमामणि पुरस्कार, 1990 में पद्म श्री, 2014 में पद्म भूषण और 2016 में ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स (शेवेलियर) से सम्मानित किया जा चुका है।

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी शुरुआत

कमल ने 1960 की तमिल फिल्म 'कलथुर कन्नम्मा' में एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया। बेस्ट एक्टर के लिए तीन अलग अलग फिल्मों के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते, ये फिल्में थीं 'मूंद्रम पिराई', 'नायकन' और 'इंडियन'। अब वो जल्द ही 'इंडियन 3' और 'ठग लाइफ' में नजर आएंगे।

आइकॉनिक स्टार कमल हासन ने चाइल्ड एक्टर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। वो सालों से अपनी एक्टिंग और टैलेंट से फैंस को एंटरटेन कर रहे हैं। कमल हासन साउथ इंडस्ट्री में काफी एक्टिव हैं। एक्टर ने खूब नेम-फेम कमाया है। कमल हासन की नेटवर्थ 450 करोड़ रुपये है। कमल हासन की इनकम की बात करें तो वो एक्टिंग फीस, प्रोडेक्शन हाउस, ब्रांड एंडोर्समेंट, फैशन ब्रांड, टीवी शोज के जरिए कमाते हैं।

कमल एक फिल्म का 100 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। ऐसी भी खबरें थीं कि उन्होंने इंडियन 2 के लिए 150 करोड़ की मांग की थी। बता दें कि कमल हासन बिग बॉस तमिल भी होस्ट करते हैं। इसके लिए वो मोटी रकम वसूलते हैं। उन्होंने बिग बॉस के 7वें सीजन के लिए 130 करोड़ चार्ज किए थे। इसके अलावा कमल हासन ने डिजिटल असेट्स में भी इंवेस्ट किया है।

कमल हासन लग्जरी लाइफस्टाइल जीते हैं। उनका चेन्नई में एक बंगला है और उनकी वहां की सम्पत्ति की कीमत 131 करोड़ है। उनका लंदन में भी घर है, जिसकी कीमत 2।5 बिलियन है। कमल हासन के कार कलेक्शन की बात करें तो उनके पास बीएमडब्ल्यू 730एलडी और लेक्सस एलएक्स 570 जैसी कार हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे एक्टर :वर्क फ्रंट पर कमल हासन ने 5 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू कर दी थी। वो तभी से फिल्मों में एक्टिव हैं। कमल हासन ने कई ब्लॉकबस्ट फिल्में की हैं। अब एक्टर के हाथ में कई सारी फिल्में हैं। पिछली बार उन्हें कल्कि 2898 AD में देखा गया था। इस फिल्म में वो विलेन के रोल में थे। अब वो इंडियन 2, इंडियन 3 और ठग लाइफ में नजर आएंगे।

जूनियर माधुरी दीक्षित बनना चाहती थीं विद्या बालन, भूल भुलैया 3 में साथ में किया काम

हाल ही में फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आने वाली एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक समय 'जूनियर माधुरी दीक्षित' बनने की इच्छा व्यक्त की थी. एक पुराने इंटरव्यू में विद्या बालन ने बताया था कि कैसे 'तेजाब' में माधुरी की भूमिका ने एक किशोर लड़की के रूप में उन पर अविस्मरणीय छाप छोड़ी. उन्होंने स्वीकार किया कि माधुरी जैसा बनने का सपना उनकी तरह शायद अनगिनत लड़कियों ने देखा होगा.

सोशल मीडिया पर विद्या बालन का एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें विद्या कहती हैं- 'मैं सातवीं कक्षा में थी जब मुझे लगा कि मुझे एक एक्ट्रेस बनना चाहिए. मुझे नहीं पता कि यह सही था या गलत लेकिन मैं 'तेजाब' में माधुरी दीक्षित की अदाकारी से बहुत इंस्पायर थी."

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह फिल्म इतनी अच्छी है कि देश में बहुत से लोग माधुरी की तरह बनना चाहते होंगे. हालांकि मैं उनकी तरह नहीं बन सकी, लेकिन भगवान की कृपा से कम से कम मुझे फिल्मों में काम करने का अपना सपना पूरा करने का मौका मिला." एन. चंद्रा द्वारा निर्देशित 'तेजाब' फिल्म ने माधुरी दीक्षित को रातों-रात स्टार बना दिया. साल 1988 में रिलीज इस एक्शन रोमांस ड्रामा में अनिल कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में थे. दिलचस्प बात यह है कि विद्या बालन ने हाल ही में अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' में माधुरी के साथ स्क्रीन शेयर किया है. फिल्म में बालन ने भूतिया नर्तकी मंजुलिका के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका को दोहराया, जबकि माधुरी ने मंदिरा की भूमिका निभाई. मंदिरा और मल्लिका फिल्म में मंजुलिका और अंजुलिका का पुनर्जन्म हैं.

'भूल भुलैया 3' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है. साल 2007 में रिलीज मूल फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन ने अभिनय किया था, जबकि 'भूल भुलैया 2' में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू नजर आईं. 'भूल भुलैया 3' में संजय मिश्रा, तृप्ति डिमरी और राजपाल यादव भी हैं. पिछले सप्ताह 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज इस फिल्म की टक्कर रोहित शेट्टी की पुलिस ड्रामा 'सिंघम अगेन' से बॉक्स ऑफिस पर हुई और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली.

जब सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह ने बेटे को बताई बॉयफ्रेंड की बात, ऐसा था रिएक्शन

सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्हें फेबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स 3 में देखा गया। सीमा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में हैं। वो बिजनेसमैन विक्रम अहूजा को डेट कर रही हैं। हाल ही में सीमा ने बताया कि जब उन्होंने अपने बेटों को इस रिलेशनशिप के बारे में बताया था तो उन्होंने कैसे रिएक्ट किया था।

बेटे संग कैसा है सीमा का बॉन्ड?

उन्होंने ने बताया कि 'मेरी लाइफ के बारे में बच्चों संग बातचीत करना मेरे लिए बहुत कम्फर्टेबल है। क्योंकि मैं जानती हूं कि मुझे उससे सच ही सुनने को मिलेगा। उसे पता है कि उसकी राय मेरे लिए क्या मायने रखती है। वो मेरे लिए क्या फील करता है ये मेरे लिए बहुत जरुरी है।

मेरे दोनों बच्चे मेरी प्रायोरिटी हैं। मेरे बच्चे जिससे ठीक फील नहीं करेंगे मैं वो कभी नहीं करूंगी। मैं जो भी करती हूं उससे मेरे बच्चों की जिंदगी पर भी असर पड़ता है और मां के

तौर पर मेरे बच्चों के लिए मेरी एक जिम्मेदारी है। निर्वान के साथ इस बारे में बातचीत करना बहुत अच्छा था। ये मुझे साफ तौर पर सोचने में मदद करता है।'

आगे उन्होंने कहा, 'हमारी बातचीत बहुत ऑर्गेनिक रही है। योहान, छोटा होने के कारण निर्वान की तरफ देखता है। निर्वान मुझे योहान के प्वॉइंट ऑफ व्यू से भी चीजें समझा सकता है। जब निर्वान हुआ था तब मैं बहुत यंग थी। एक तरह से वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त बन गया। हम एक-दूसरे से कुछ भी नहीं छुपाते।' बता दें कि सीमा के सोहेल से दो बच्चे निर्वान और योहान हैं। सीमा का बड़ा बेटा निर्वान काफी चर्चा में रहता है। उन्हें अपने दोस्तों संग स्पॉट भी किया जाता है।

पहले पति ने की मारपीट, दूसरे ने दिया धोखा, शादी के 1 साल बाद ही ऐसी हो गई थी एक्ट्रेस की हालत

70 के दशक में अपनी अदाओं का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस जीनत अमान ने फैंस के दिलों खास जगह बनाई है। उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। जीनत का डांस भी खूब वायरल रहता था। अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर जितना जीनत चर्चा में रहती थी, उतना ही वो पर्सनल लाइफ को लेकर भी खबरों में रही हैं।

जीनत ने अपनी पर्सनल लाइफ में काफी मुश्किलें झेली हैं। उन्होंने 1978 में संजय खान संग शादी की। रिपोर्ट्स थीं कि जीनत ने इस शादी में घरेलू हिंसा झेली थी। उनके साथ मारपीट हुई थी। ये शादी सिर्फ एक साल ही चली थी। इसके बाद जीनत ने 1985 में दूसरी शादी की थी।

उन्होंने मजहर खान संग शादी की। लेकिन ये शादी भी उनके लिए चैलेंजिंग रही। एक साल ही में उन्हें ये एहसास हो गया था कि ये शादी करके उन्होंने गलती कर दी है, लेकिन फिर उन्होंने बच्चों की खातिर शादी को 12 साल तक

चलाया था।

पति ने दिया एक्ट्रेस को धोखा

शादी में परेशानियों के बारे में बात करते हुए सिमी ग्रेवाल के शो में जीनत ने कहा था- शादी के एक साल बाद मुझे एहसास हो गया था कि मैंने गलती कर दी है। लेकिन क्योंकि मैंने डिसिजन ले लिया था तो मैंने इसे निभाने का सोचा। मैं ये नहीं कह रही हूं कि उनके लिए भी ये कोई बेस्ट चीज थी। शादी के पहले साल से ही ये मुश्किल समय था क्योंकि मैं प्रेग्नेंट थी और मजहर मेरे साथ नहीं थे। उस वक्त एक मैग्जीन में आर्टिकल छपा था कि मजहर किसी को डेट कर रहे हैं और ये रियलिटी थी।

जीनत ने ये भी बताया कि बच्चा होने के बाद वो शादी को तोड़ना चाहती थी लेकिन बच्चे की खातिर उन्होंने ऐसा नहीं किया। जीनत ने कहा- मुझे लगा कि मेरा बच्चा एक चांस डिजर्व करता है और मैंने शादी बचाने का सोचा। मैंने इसे चलाने के लिए हर संभव कोशिश की। जब मेरा छोटा बेटा 5 साल का हुआ तो मैंने काम पर वापस आने का सोचा। लेकिन फिर मजहर बीमार हो गए। मैंने 5 साल उनकी हेल्थ और उनकी जिंदगी को दिए। वो बहुत मुश्किल साल थे।

'मुझे लगा मैं मरने वाली हूं', कैंसर से जूझ चुकीं एक्ट्रेस मनीषा कोइराला का छलका दर्द

कैंसर किसी भी तरह का हो, दर्दनाक होता है और कई बार जानलेवा होता है। बॉलीवुड में भी कई कलाकार कैंसर से जूझ चुके हैं या अब भी इस जानलेवा बीमारी से पीड़ित हैं। ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं जो ओवेरियन कैंसर का शिकार हो चुकी हैं। हालांकि सही समय पर इलाज कराकर वे इस गंभीर बीमारी से आजाद हो गई हैं। लेकिन जब वे इससे जूझ रही थीं तो उन्हें काफी दर्द से गुजरना पड़ा।

ये एक्ट्रेस मनीषा कोइराला हैं, जिन्होंने इसी साल रिलीज हुई वेब सीरीज 'हीरामंडी' से शानदार कमबैक किया है। हाल ही में मनीषा ने अपने कैंसर फेज के बारे में बात की। एक्ट्रेस को साल 2012 में अपने ओवेरियन कैंसर के बारे में पता चला था। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने इसे अपनी जिंदगी का सबसे डार्क फेज बताया।

ओवेरियन कैंसर के आखिरी स्टेज पर थीं एक्ट्रेस

मनीषा कोइराला ने कहा- 'मुझे याद है कि मैं अंधेरे, निराशा और दर्द महसूस करते हुए टूट जाती थी।

2012 में, मुझे पता चला और मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि ये ओवेरियन कैंसर का आखिरी स्टेज है और जब मुझे नेपाल में पता चला तो मैं बहुत डरी हुई थी। जाहिर है, हर किसी की तरह। हम जसलोक अस्पताल में थे।

वहां भी जब डॉक्टर आए - दो, तीन डॉक्टर, टॉप डॉक्टर, और मैंने उनसे बात की, मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं और मुझे लगा कि ये मेरा खात्मा है।'

11 घंटे की सर्जरी से गुजरी मनीषा

मनीषा कोइराला ने आगे बताया कि वे 5-6 महीने तक न्यूयॉर्क में रहकर अपना इलाज कराती रहीं। उन्होंने अपने 11 घंटे तक ऑपरेशन कराया था। उन्होंने कहा कि इस दौरान डॉक्टर्स का बर्ताव उनके साथ बहुत अच्छा था और कीमोथेरेपी पर उनका रिस्पॉन्स भी ही रहा। मनीषा ने कहा कि उनकी मां महामृत्युंजय प्रार्थना करने के

बाद नेपाल से एक रुद्राक्ष माला लेकर आई थीं और उसे सर्जरी के दौरान रखने के लिए डॉक्टर को दिया था। सर्जरी के बाद डॉक्टर ने कहा था कि माला ने अच्छा काम किया है।

9% गिर गया गौतम अडानी का यह शेयर

एक दिन पहले ग्रुप ने की थी 54,381 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में गुरुवार को 9% से अधिक गिरावट आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 973 रुपये तक गिरा। ग्लोबल इंडेक्स सर्विसेज प्रोवाइडर एमएससीआई ने इस स्टॉक को एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल नहीं किया। उसने अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के मद्देनजर सेबी के कारण बताओ नोटिस का हवाला देते हुए अडानी एनर्जी के स्टॉक को शामिल नहीं किया। बाजार को उम्मीद थी कि अडानी एनर्जी का स्टॉक ग्लोबल इंडेक्स में शामिल हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस इंडेक्स में भारत के पांच स्टॉक वोल्टास, बीएसई, कल्याण ज्वैलर्स, ओबेरॉय रियल्टी और एल्केम लैब्स को शामिल किया गया है। एमएससीआई ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध खुलासे के अनुसार अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस को कुछ संस्थाओं की शेयरहोल्डिंग के संभावित गलत वर्गीकरण के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उसने कहा कि कंपनी के फ्री फ्लोट के बारे में अनिश्चितता के मद्देनजर वह नवंबर रिव्यू में इसे अपने इंडेक्स में शामिल नहीं कर रहा है। एमएससीआई ने कहा कि वह अडानी ग्रुप और फ्री फ्लोट से संबंधित प्रतिभूतियों पर लगातार नजर रख रहा है और उचित होने पर आगे भी सूचना जारी करेगा।

वेटेज में कमी

अडानी एनर्जी ने पिछले महीने की शुरुआत में एक्सचेंजों को बताया था कि उसे सेबी से एक कारण बताओ नोटिस मिला है। इसमें कंपनी पर कुछ संस्थाओं की शेयरहोल्डिंग को गलत तरीके से सार्वजनिक शेयरधारिता के रूप में वर्गीकृत करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, एमएससीआई ने ग्रुप की दो अन्य कंपनियों अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी पावर में फ्लोट को भी कम कर दिया है। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 3% की गिरावट आई है। नुवामा का अनुमान है कि वेटेज में कमी से पैसिव फंड्स से लगभग 173 मिलियन डॉलर की निकासी होगी। इसी तरह, अडानी पावर के शेयरों में भी 1% से अधिक की गिरावट आई। नुवामा को इस काउंटर से लगभग 111 मिलियन डॉलर की निकासी की आशंका है। इस बीच, एमएससीआई ने एचडीएफसी बैंक का वेटेज बढ़ा दिया है। इससे इस स्टॉक में लगभग 1.9 अरब डॉलर की इन्फ्लो का अनुमान है। इससे पहले बुधवार को अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी आई थी और उसका मार्केट कैप 54,381 करोड़ रुपये बढ़ गया था।

शेयर बाजार में भारी गिरावट पर क्लोजिंग, सेंसेक्स व निफ्टी एक-एक फीसदी गिरकर बंद

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार की चाल आज सुबह तेज थी लेकिन बाजार खुलने के 2 घंटे के भीतर ही बड़ा नुकसान देखा गया है. 2 दिनों की बंपर तेजी पर बाजार रहने के बाद आज बाजार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है. सेंसेक्स और निफ्टी 1-1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट पर कारोबार की क्लोजिंग दे पाए हैं।

किन लेवल पर हुई शेयर बाजार की क्लोजिंग

निफ्टी आईटी जो बाजार को संभालने का काम कर रहा था वहां भी बाजार बंद होते-होते गिरावट आ गई. सेंसेक्स 80 हजार के नीचे ही बंद हुआ है. बीएसई सेंसेक्स 836.34 अंक या 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 79,541 पर बंद हुआ है यानी कल की सारी बढ़त गंवाकर आज गिरावट के दायरे में फिसल गया है. एनएसई का निफ्टी 284.70 अंक या 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 24,199.35 पर बंद हुआ है, यानी 24200 के नीचे ही बंद हुआ है।

फार्मा शेयरों में रही तेज गिरावट

फार्मा शेयरों में करीब 1.75 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार देखा गया है और बैंक निफ्टी 400 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार बंद कर पाया है. निफ्टी मेटल्स में सबसे ज्यादा 2.74 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

बैंक निफ्टी का जोश ठंडा

लगातार 2 दिनों से बैंक निफ्टी से बाजार को सपोर्ट मिल रहा था लेकिन आज बैंक शेयरों में बिकवाली के चलते ये नीचे आ गया और पूरे 400 अंक टूटकर बंद हुआ है. बैंक निफ्टी में 51,916 के लेवल पर क्लोजिंग हुई है. बैंक निफ्टी के 12 में से 9 शेयरों में गिरावट पर कारोबार बंद हुआ है और 3 शेयरों में गिरावट देखी जा रही है।

एक दिन में 22,544% रिटर्न... डॉनल्ड ट्रंप पर दांव लगाकर एलन मस्क ने भर ली अपनी तिजोरी

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। डॉनल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने जोरशोर ट्रंप का प्रचार किया था। साथ ही उन्होंने ट्रंप खेमे को 119 मिलियन डॉलर का चंदा दिया था। बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों का रिजल्ट आते ही मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में 14.75% फीसदी तेजी आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में 26.5 अरब डॉलर की उछाल आई। यानी मस्क ने एक दिन में ही अपने निवेश पर 22544 फीसदी रिटर्न पा लिया। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 290 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में $61.3 का इजाफा हुआ है। मस्क के पास टेस्ला के 411 मिलियन शेयर हैं। कंपनी का शेयर बुधवार को 14.75% तेजी के साथ 288.53 डॉलर पर बंद हुआ। इसके साथ ही यह शेयर दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। टेस्ला 926.19 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की 10वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। मस्क ने जिस तरह से ट्रंप की रैलियों में प्रचार किया, उससे माना जा रहा है कि उन्हें सरकार में भी जगह दी जा सकती है। उन्हें फाइनेंस मिनिस्टर बनाए जाने की अटकलें भी हैं। एक रैली में उन्होंने कहा था कि वह अमेरिका के बजट में दो ट्रिलियन डॉलर बचा सकते हैं।

ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में भी बुधवार को 7.14 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 228 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के सीईओ मार्क जकरबर्ग (202 अरब डॉलर) तीसरे, लैरी एलिसन (193 अरब डॉलर) चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट (173 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। इस लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स (159 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (158 अरब डॉलर) सातवें, सर्गेई ब्रिन (149 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (148 अरब डॉलर) नौवें और स्टीव बालमर (146 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी बुधवार को तेजी रही। रिलायंस के चेयरमैन की नेटवर्थ में 1.30 अरब डॉलर की तेजी आई और वह फिर से 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में 3.62 अरब डॉलर की उछाल आई और यह 97.2 अरब डॉलर पहुंच गई।

कर्ज-मुक्त हो गई अनिल अंबानी की कंपनी

समय से पहले चुका दिए 1,318 करोड़ रुपये, रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी के दिन अब फिरने लगे हैं। उनकी एक कंपनी कर्ज-मुक्त बन गई है। रिलायंस पावर की सहयोगी कंपनी रोजा पावर सप्लाई कंपनी ने सिंगापुर स्थित कर्जदाता वर्डे पार्टनर्स को 485 करोड़ रुपये का और कर्ज चुका दिया है। इसके साथ ही रोजा पावर अब कर्ज-मुक्त कंपनी बन गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने जीरो-डेट की स्थिति हासिल कर ली है और निर्धारित समय से पहले ही 1,318 करोड़ रुपये का भुगतान करके अपने बकाया ऋण का पूर्ण निपटान कर लिया है। इससे पहले रोजा पावर ने सितंबर में वर्डे पार्टनर्स को 833 करोड़ रुपये भुगतान किया था। रोजा पावर उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के निकट रोजा गांव में 1,200 मेगावाट का कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र संचालित करती है। इससे रिलायंस पावर की बैलेंस शीट मजबूत होगी। कंपनी ने हाल में 1,525 करोड़ रुपये का प्रीफेरेंशियल इश्यू जारी किया था।

रेगुलेटरी जानकारी के मुताबिक कंपनी के प्रीफेरेंशियल इश्यू से रिलायंस पावर की नेटवर्थ 11,155 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,680 करोड़ रुपये से अधिक हो जाने की उम्मीद है। इससे कंपनी को ग्रीन एनर्जी सेक्टर में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिलेगा।

अडानी की नजर

रिलायंस पावर देश में निजी सेक्टर की बड़ी कंपनियों में शामिल है। इसके पास कोल, गैस, हाइड्रो और रिन्यूएबल एनर्जी का बड़ा पोर्टफोलियो है। रिलायंस पावर की स्थापित क्षमता 5,300 मेगावाट है। बुधवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर पांच फीसदी का अपर सर्किट छूने के बाद 43.47 रुपये पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में गिरावट के बावजूद कंपनी का शेयर अपर सर्किट में पहुंच गया। बीएसई पर यह शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी तेजी के साथ 45.64 रुपये पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 18,333.46 करोड़ रुपये पहुंच गया। मुंबई को पावर सप्लाई करने वाले रिलायंस पावर के एक प्लांट पर देश के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी की नजर है।

सोना 1,580 गिरकर 76,556 पर आया

चांदी 2,748 सस्ती होकर 90,153 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 7 नवंबर को बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,580 रुपए गिरकर 76,556 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 78,136 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज गिरावट रही। ये 2,748 रुपए गिरकर 90,153 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 92,901 रुपए पर थी। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,560 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,000 रुपए और 24 कैरेट 10

ग्राम सोने की कीमत 78,560 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,560 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,610 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,000 रुपये है।

अब कभी नहीं होगी जेट एयरवेज की वापसी, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के एविएशन सेक्टर का कभी सबसे चमकता सितारा रही जेट एयरवेज अब पूरी तरह इतिहास के पन्नों में सिमटने जा रही है। इस एयरलाइंस को दोबारा शुरू करने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा फैसला सुनाया है, जिसके बाद हर तरह की संभावना पर विराम लग गया है। अब इस कंपनी का अस्तित्व सिर्फ इतिहास की किताबों में ही नजर आएगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी। वाई। चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में जस्टिस जे।बी। पारदीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की खंड पीठ ने जेट एयरवेज के मामले में उसके लिक्विडेशन का फैसला सुनाया है। किसी कंपनी का लिक्विडेशन उसके एसेट्स इत्यादि को बेचकर उसे पूरी तरह खत्म करना होता है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के एक फैसले को खारिज कर दिया।

एसबीआई की याचिका पर आया फैसला

दरअसल जेट एयरवेज को दोबारा शुरू करने के लिए जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने एनसीएलटी के सामने समाधान योजना पेश की थी। इस रिजॉल्यूशन प्लान को बनाए रखने और जेट एयरवेज का स्वामित्व जेकेसी को ट्रांसफर करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एक फैसला सुनाया था, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और इसी के साथ कंपनी के लिक्विडेशन का रास्ता साफ कर दिया है। एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की लीडरशिप वाले कर्जदाताओं के एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश सुनाया है।एसबीआई की याचिका में जेकेसी के पक्ष में जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखने के फैसले का विरोध किया गया था।

एनसीएलएटी को लगी कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि एयरलाइंस का लिक्विडेशन इसे कर्ज देने वाले बैंकों, इसके वर्कर्स और अन्य स्टेक होल्डर्स के हित में होगा। कंपनी की संपत्तियों को बेचकर आने वाले पैसे कर्जदारों के ऋणों का भुगतान किया जाएगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी को उसके फैसले के लिए फटकार भी लगाई है।देश की सर्वोच्च आदालत ने संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एनसीएलएटी के फैसले को खारिज कर दिया। संविधान का ये अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आदेश तथा डिक्री जारी करने का अधिकार देता है। एनसीएलएटी ने बंद हो चुकी एयरलाइंस की समाधान योजना को 12 मार्च को जारी एक आदेश में बरकरार रखा था। इसके स्वामित्व को जेकेसी को ट्रांसफर करने की मंजूरी दी थी।

एनवीडिया फिर बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी

एआई के सहारे एप्पल को दूसरे नंबर पर धकेला

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी के खिताब पर एनवीडिया ने एक बार फिर कब्जा कर लिया है। चिपमेकर एनवीडिया पहले भी ये मुकाम हासिल कर चुकी है। इस बार भी एनवीडिया ने एप्पल को दूसरे नंबर पर धकेलकर पहला स्थान पा लिया है। दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनने के पीछे एनवीडिया ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की ताकत को भी खूब जिम्मेदार दिखाया है। एआई हार्डवेयर मार्केट में अपना दबदबा जमाने के जरिए एनवीडिया लगातार नए-नए रिकॉर्ड गढ़ती जा रही है। एनवीडिया की ताकत इतनी है कि एसएंडपी 500 इंडेक्स में इसका वेटेज 7 फीसदी है और इस साल कंपनी ने इंडेक्स के लिए 21 फीसदी की बढ़ोतरी अभी तक हासिल कर ली है।

पूरे साल के दौरान एनवीडिया की धमाकेदार ग्रोथ

एनवीडिया का मार्केट कैप शानदार उछाल के साथ 3।43 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है और इस अभूतपूर्व कारनामे को करने के लिए एआई के सहारे से कंपनी को जबरदस्त ग्रोथ दिखाने का मौका मिला है। कंपनी के एआई ट्रेनिंग और रनिंग मॉड्यूल के जरिए कंपनी इस क्षेत्र में अपना रुतबा बरकरार रखे हुए है और पूरे साल के दौरान एनवीडिया की धमाकेदार ग्रोथ ने कारोबारी हलकों से हैरान किया है और इसके निवेशकों को मालामाल किया है।

डेटा सेंटर और एआई रिसर्चर्स पर जमकर निवेश से एनवीडिया को फायदा

कंपनी ने एआई की बढ़ती डिमांड को संभालने के लिए मुख्य रूप से डेटा सेंटर और एआई रिसर्चर्स पर जमकर निवेश किया है। इसके रिटर्न के रूप में एनवीडिया के शेयर आसमान की ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। कल के ट्रेड में अमेरिकी बाजार में नैस्डेक पर एनवीडिया कॉर्प के शेयर 145।61 अमेरिकी डॉलर पर बंद हुए और इसमें 4 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ है। इसी के सहारे शेयर बाजार में एनवीडिया एक शानदार मार्जिन के साथ अपने कॉम्पीटीटर्स को पीछे छोड़ रही है।

एआई हार्डवेयर की बदौलत कंपनी छू रही आसमानी ऊंचाई

टेक इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का दबदबा छाया हुआ है और इसके दायरे में एप्पल, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा सभी टेक दिग्गज कंपनियां आ रही हैं। एआई निवेश के लिए टेक्नोलॉजी का यूज करके ये तकनीकी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स और सेवाओं का विस्तार कर रही हैं और ग्लोबल रूप से इन सभी को चिप सप्लाई करके एनवीडिया पायोनियर बनी हुई है।

भारत का सबसे बड़ा दानवीर

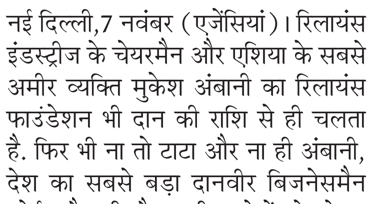

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी का रिलायंस फाउंडेशन भी दान की राशि से ही चलता है. फिर भी ना तो टाटा और ना ही अंबानी, देश का सबसे बड़ा दानवीर बिजनेसमैन कोई और ही है. अमीर लोगों से लेकर दानवीर और अचीवर्स तक की लिस्ट बनाने वाले संगठन हुरुन इंडिया ने गुरुवार को एक नई लिस्ट जारी की. इस लिस्ट में देश के सबसे दानवीर बिजनेसमैन का नाम है. हुरुन इंडिया नियमित अंतराल पर इस तरह की लिस्ट जारी करता है। हुरुन इंडिया की 2024 की भारत में शीर्ष 10 परोपकारी लोगों की सूची के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा दौलत दान में देने वाले बिजनेसमैन शिव नादर हैं. वह पिछले साल भी इस लिस्ट में टॉप पर थे. एचसीएल टेक्नोलॉजीस के फाउंडर शिव नादर और उनकी फैमिली ने इस साल 2,153 करोड़ रुपए दान किए हैं। शिव नादर के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी एंड फैमिली हैं. उन्होंने कल्याणकारी कामों के लिए 407 करोड़ रुपए की राशि दान की है. जबकि बजाज फैमिली ने इस लिस्ट में लंबी छलांग लगाते हुए छठे की जगह तीसरा स्थान बनाया है. बजाज फैमिली ने इस साल 352 करोड़ रुपए की राशि दान की है।हुरुन इंडिया की इस लिस्ट में टॉप-10 में कई बिजनेसमैन का नाम शामिल है. कुमार मंगलम एंड बिड़ला फैमिली 334 करोड़ रुपए दान देकर लिस्ट में चौथे स्थान पर है. जबकि गौतम अडानी एंड फैमिली ने 330 करोड़ रुपए दान में दिए हैं और वह लिस्ट में पांचवे स्थान पर हैं। नंदन नीलेकणि इस लिस्ट में छठे (307 करोड़ रुपए का दान), कृष्णा चिवुकुला सातवें (228 करोड़ रुपए का दान), अनिल अग्रवाल एंड फैमिली आठवें (181 करोड़ रुपए का दान), सुष्मिता और सुब्रतो बागची नौंवे (179 करोड़ रुपए का दान) और रोहनी नीलेकणि दसवें (154 करोड रुपए का दान) स्थान पर हैं। इस लिस्ट में सबसे नई एंट्री आशा फाउंडेशन की कृष्णा चिवुकुला और माइंडट्री के सुष्मिता एवं सुब्रतो बागची की है। देश के टॉप-10 दानवीर बिजनेसमैन ने कुल 4,625 करोड़ रुपए की दौलत दान की है. टॉप-10 दानवीर में से 6 का फोकस अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) एक्टिविटीज के माध्यम से एजुकेशन की बेहतरी पर रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-21 सूर्यास्त. -17-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 23-56 तक उपरान्त अष्टमी
मास - कार्तिक शुक्ल , शुक्रवार 08 November
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 12-03 तक उपरान्त श्रवण
योग - शूल 08-27 तक उप गण्ड
करण- गर 12-19 तक उप वणिज
विशेष:- सहस्त्रार्जुन ज.
व्रत -त्योहार - श्रीमाधवानंदपुरी पुण्य

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	मे	तुला--	04-47 बजे
चंद्र-	मकर	मे	वृश्चिक-	06-57 बजे
मंगल	कर्क	मे	धनु----	09-11 बजे
बुध-	धनु	मे	मकर...	11-17 बजे
गुरु-	वृष	मे	कुंभ-	13-08 बजे
शुक्र-	धनु	मे	मीन-	14-46 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मेष---	16-21 बजे
राहु-	मीन	मे	वृष---	18-07 बजे
केतु-	कन्या	मे	मिथुन	20-07 बजे
			कर्क--	22-19 बजे
			सिंह---	00-31 बजे
			कन्या--	02-42 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:35 से 11:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:21 - 07:44	शुभ	रोग.	17:38 - 19:16	अशुभ
लाभ.	07:44 - 09:09	शुभ	काल	19:16 - 20:50	अशुभ
अमृत	09:09 - 10:35	शुभ	लाभ	20:50 - 22:25	शुभ
काल	10:35 - 11:59	अशुभ	उत्पात	22:25 - 23:59	अशुभ
शुभ.	11:59 - 13:25	शुभ	शुभ.	23:59 - 01:35	शुभ
रोग	13:25 - 14:50	अशुभ	अमृत	01:35 - 03:10	शुभ
उत्पात	14:50 - 16:15	अशुभ	चंचल.	03:10 - 04:44	शुभ
चंचल	16:15 - 17:38	शुभ	रोग.	04:44 - 06:21	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अनुशासन अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें ।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें ।सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें ।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं ।आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दुनिया पर क्या असर डालेगी ट्रंप की वापसी

क्या हैं उम्मीदें-आशंकाएं?

वाशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव नतीजों का इतनी बेसब्री से इंतजार पहले शायद ही कभी हुआ हो, और इसकी अकेली वजह यह कि इतने लंबे समय तक दो बड़ी लड़ाइयों का बोझ बर्दाश्त करना दुनिया के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। डॉनल्ड ट्रंप की छवि एक शांतिप्रिय राजनेता जैसी कभी नहीं रही लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध जल्दी रुकवा देने के उनके चुनावी बयान से यह उम्मीद जरूर बनी कि नैटो पक्ष की ओर से इस दिशा में कुछ बात तो शुरू होगी।

युद्ध रुकवाएंगे ट्रंप?

दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप अपने बयान से मुकर भी सकते हैं। कथनी और करनी को जोड़कर चलने की बाध्यता उन्होंने आजतक नहीं महसूस की है। लेकिन उनका जनाधार यूक्रेन के मोर्चे पर मामला ठंडा करने के पक्ष में है। विवेक रामास्वामी से लेकर इलॉन मस्क तक कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन नेता और समर्थक इसकी जोरदार वकालत करते रहे हैं। लिहाजा संभावना यही है कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के साथ इस दिशा में कुछ हरकत होने लगेगी।

इजरायल को छूट

ऐसी कोई बात दूसरी लड़ाई, यानी फलस्तीनी इलाकों और लेबनान में जारी इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों को लेकर नहीं कही जा सकती। डॉनल्ड ट्रंप की नीति शुरू से इजरायल को फलस्तीनी अरब बस्तियों पर हमले की खुली छूट देने की रही है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इजरायल स्थित अमेरिकी दूतावास को वहां की राजधानी तेल अवीव से येरुशलम ले जाने का फैसला किया था, जो एक तरह से संयुक्त राष्ट्र के फैसले को खारिज करते हुए इस प्राचीन शहर पर पूरी तरह से इजरायल का कब्जा घोषित करने जैसा था।

ईरान की मुश्किल

ट्रंप की वापसी का इजरायल-फलस्तीन युद्ध पर इतना ही असर हो सकता है कि पिछले कई दिनों से ईरान की ओर से इजरायल पर जवाबी हमले की तैयारियों की जो खबरें आ रही हैं, वे शायद गलत साबित हों और ईरान अपने इस इरादे को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दे। उसने ऐसा नहीं किया तो उसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े अमेरिकी दखल के लिए तैयार रहना होगा। यूं भी ट्रंप का रुख ईरान पर अधिक सख्ती बरतने का रहा है और उनकी वापसी से इस देश को भारी समस्या हो सकती है।

चीन पर रुख

एक महत्वपूर्ण पहलू दुनिया की दोनों शीर्ष आर्थिक शक्तियों के आपसी रिश्ते का है। चीन से होने वाले आयात पर टैक्स की दरें बढ़ाकर उसके खिलाफ व्यापार युद्ध की शुरुआत डॉनल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दूसरे साल से ही कर दी थी। हाल के अपने चुनावी भाषणों में उन्होंने इस मामले में और ज्यादा सख्ती दिखाने के संकेत दिए हैं। लेकिन चीन के प्रति जोसफ बाइडन की नीति भी ट्रंप से निरंतरता बरतने की ही रही है, लिहाजा किसी नाटकीय बदलाव की कल्पना करना कठिन है।

ट्रंप की दुविधा

चीन द्वारा अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात आज भी बहुत बड़ा है, लेकिन उसमें एक झटके में कोई बड़ी कटौती करने पर अमेरिका में महंगाई का मुद्दा बहुत तीखा हो जाएगा। कई चीजें ऐसी हैं जो अमेरिका में बनाने पर चीनी आयात की तुलना में कई गुना महंगी हो जाती हैं। इसके बावजूद, ट्रंप को अमेरिकी बाजारों में चीन का दखल घटाना है तो इसके लिए बयानों से आगे बढ़कर उन्हें लंबी तैयारी करनी पड़ेगी। पिछले कार्यकाल में ट्रंप का सबसे तीखा टकराव यूरोप की सरकारों द्वारा रक्षा के मद में बहुत कम खर्च किए जाने को लेकर था। दरअसल, कई दशकों से वे यह मानकर चल रही थीं कि यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी सबसे बढ़कर अमेरिका पर है, जिसकी एटमी मिसाइलों और राडारों के लिए जगह मुहैया करा देने के बाद उन्हें कुछ विशेष चिंता करने की जरूरत नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान उनकी यह सोच अचानक उनके गले पड़ गई है। आर्थिक रूप से भी इस लड़ाई ने यूरोपीय देशों की हालत काफी खराब कर रखी है। ऐसे में अमेरिका पर हर लिहाज से उनकी निर्भरता बहुत बढ़ गई है और ट्रंप इसका फायदा उठाने का कोई मौका नहीं चूकने वाले।

रही बात ट्रंप के नए कार्यकाल में भारत और अमेरिका के व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों की तो ऊपर से इसमें कोई समस्या नहीं लगती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डॉनल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छे निजी संबंध रहे हैं। लेकिन बाइडन ने जैसे रूस पर हजारों प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत को उससे तेल आयात करने और उसका शोधन करके पेट्रो पदार्थ यूरोप और अफ्रीका को बेचकर भरपूर फायदा कमाने की छूट दी थी, उस राह पर चलने की कोई बाध्यता ट्रंप के सामने नहीं होगी।

भारत की रणनीतिक दिशा पिछले कुछ सालों से तलवार की धार पर चलते हुए विरोधी खेमों को साधे रहने की रही है। ट्रंप का मुंहफट राजनय अगले कुछ महीनों में ही इसमें कई मुश्किल उलटफेर जरूरी बना सकता है। ऐसा एक बड़ा मामला डी-डॉलराइजेशन, यानी डॉलर के प्रभुत्व से हटकर एक समानांतर ग्लोबल वित्तीय और व्यापारिक प्रणाली के निर्माण का है। ब्रिक्स की तरफ से कुछ शुरुआती कदम इस दिशा में उठाए जा चुके हैं और अगले साल ब्राजील में इनके और जोर पकड़ने की उम्मीद है। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान डॉलर से दूर जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की धमकी दी थी। लेकिन दुनिया भर में अगर डी-डॉलराइजेशन की ललक देखी जा रही है तो इसके पीछे कोई साजिश नहीं है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की हालत अब विश्व-अर्थव्यवस्था की अकेली धुरी जैसी नहीं रह गई है। कोई चमत्कार न हुआ तो ट्रंप के कार्यकाल में ही डॉलर की चमक पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

'लाल और नीले' रंग में बंटे अमेरिका के 50 राज्यों में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी का अपना-अपना आधार है। अपने राज्यों में जीत के बाद दोनों पक्ष मुख्य तौर पर 7 स्विंग स्टेट के 93 इलेक्टोरल वोट्स पर निर्भर रहे। इनका रुझान जैसे-जैसे सामने आने लगा, वह डेमोक्रेट्स को विचलित करने वाला था, जबकि रिपब्लिकन के लिए सुखद आश्चर्य। जो बाइडन ने पिछले चुनाव में इन 7 में से 6 राज्यों में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। इस बार पेंसिल्वेनिया में यहूदी डेमोक्रेटिक पार्टी से दूर रहे, जबकि मिशिगन में 'इजरायल-फलस्तीन युद्ध' में बाइडन प्रशासन से खफा फलस्तीनी समुदाय ने कमला हैरिस का विरोध किया। श्वेत राज्यों जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलाइना और एरिजोना में ट्रंप सहजता से जीत गए। डेमोक्रेट प्रभावित विस्कॉन्सिन में ट्रंप की जीत हैरान करने वाली रही।

चुनाव से कुछ रोज पहले ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों की निंदा की थी। उनके बयान से अमेरिका में प्रवासी भारतीय समुदाय को बहुत सुकून मिला था। उस सुकून ने ट्रंप को कितना फायदा पहुंचाया, इस बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। वैसे जानकार बताते हैं कि अमेरिका में भले ही 1-1.5% ही भारतीय मतदाता हैं, लेकिन वे स्विंग स्टेट में उलटफेर की क्षमता रखते आए हैं। भारतीय डायस्पोरा ने शनिवार और रविवार को टोलियों में घर-घर जाकर प्रचार किया था। साथ में, टेलिफोन के जरिये भी कैंपेन चलाया गया था। परिणाम से लग रहा है कि ट्रंप का बयान काम कर गया। यह अमेरिकी चुनाव नाटकीयता से भरपूर रहा। उम्र ने जो बाइडन को पीछे हटने पर मजबूर किया तो कमला हैरिस आगे आईं। ट्रंप ने हैरिस के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उससे यह धारणा बनी कि वह राष्ट्रपति पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार नहीं हैं। यहां तक कि ट्रंप के समर्थक परंपरावादी श्वेत समुदाय को भी उनकी नस्ल विरोधी टिप्पणी रास नहीं आई थी। कम्युनिटी ने अगले ही दिन यह नसीहत दे डाली कि ट्रंप अपनी नीतियों तक सीमित रहें।

कमला हैरिस से भी मतदाता कोई खास खुश नहीं थे। 'ए बी सी' टीवी की तीन दिन पहले जारी रिपोर्ट में कहा गया कि तीन चौथाई देशवासी ट्रंप ही नहीं, कमला हैरिस को भी राष्ट्रपति पद के लिए उपयुक्त नहीं मानते। हालांकि हैरिस को कड़े संघर्ष में 49-46 की बढ़त दिखाई जा रही थी। इसी तरह, न्यू यॉर्क टाइम्स और सिएना पोल सर्वे में कमला को 49-48 से बढ़त मिल रही थी। लेकिन, सट्टा मार्केट में ट्रंप आगे थे। वहां उनके पक्ष में 57 से लेकर 60% तक भाव लगा हुआ था।

हैरिस के खिलाफ एकजुटता

इसमें शक नहीं कि हैरिस के खिलाफ कंजर्वेटिव इवेंजलिस्ट और कैथोलिक ईसाई समाज एकजुट हो गया। इस कंजर्वेटिव समाज के धनाढ्य पुरुष वर्ग ने हैरिस के उन्मुक्त समाज की परिकल्पना, महिलाओं के प्रति 'ग्लास सीलिंग' और नस्लवाद के विरुद्ध डेमोक्रेटिक नजरिए को मुखरित नहीं होने दिया। हैरिस यह बखूबी जानती हैं कि उनके पक्ष में अश्वेत, लैटिन अमेरिकी, एशियन और इस्लामिक वर्ल्ड के तीन चौथाई मतों की जुटान रही। साथ ही, ग्रामीण श्वेत वोटर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत को फायदा

ट्रंप की जीत को भारतीय नजरिये से देखें तो उनके पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अच्छे रिश्ते हैं। दोनों की दोस्ती के आगे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को बेहद संभलकर चलना होगा। टेस्ला के संस्थापक इलॉन मस्क पहले से ही भारत में बड़े निवेश की बात कर रहे हैं। ट्रंप के आने से मस्क के रिपब्लिकन मित्र उद्यमियों को भारत आने का मौका मिलेगा। फ्री ट्रेड और इमिग्रेशन पर ट्रंप का कड़ा संदेश बांग्लादेश और म्यांमार तक जाएगा। ग्लोबल ऑर्डर और क्षेत्रीय सुरक्षा के पहलुओं पर बात करें तो यहां भी बड़ा टकराव है। इसी वजह से अमेरिकी

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी

छत्तीसगढ़ में ट्रेस हुई लोकेशन तलाश में रायपुर पहुंची मुंबई पुलिस

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि आरोपी की लोकेशन रायपुर के पंडरी इलाके में ट्रेस हुई है, जिसके बाद महाराष्ट्र पुलिस रायपुर पहुंचकर युवक की तलाश कर रही है। पुलिस ने फैजान खान नाम के युवक को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस दिया है।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) की धारा 308 (4), 351 (3)(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिस नंबर से धमकी दी गई है, वो रायपुर के फैजान खान के नाम पर रजिस्टर्ड है। मुंबई पुलिस के तीन अफसर रायपुर पहुंचे हैं। बुधवार की रात वे रायपुर के होटल पर रुके हुए थे। तड़के उन्होंने पंडरी एरिया में मोवाइल सिम की लोकेशन देखने के बाद युवक के घर पहुंचे। फिलहाल इस मामले में पंडरी पुलिस भी थाने पहुंचकर युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक युवक को गिरफ्तार कर टीम महाराष्ट्र लेकर जा सकती है। डीसीपी के अनुसार, बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात कॉलर का कॉल आया था, जिसमें धमकी देते हुए कॉलर ने कहा, बैंड स्टैंड वाले शाहरुख खान को मार दूंगा। कॉलर ने कहा कि अगर उसे 50 लाख नहीं दिए गए तो वो उन्हें जान से मार देगा। जब कॉलर से उसका नाम पूछा गया तो जवाब मिला, मेरे लिए ये मैटर नहीं करता, मेरा नाम हिंदुस्तानी है। साल 2023 में शाहरुख खान को पठान और जवान फिल्म की कामयाबी के बाद लगातार धमकियां मिल रही थीं। मामले की शिकायत दर्ज होने पर सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें वाई प्लस सिक्योरिटी दी गई थी। तब से ही शाहरुख खान हर जगह टाइट सिक्योरिटी के साथ ही जाते हैं। 2 नवंबर को शाहरुख खान ने 59वां जन्मदिन मनाया है। हर साल वो जन्मदिन पर फैंस से मिलने मन्नत की बालकनी पर आते हैं।

हालांकि इस साल सिक्योरिटी के मद्देनजर शाहरुख बालकनी में नहीं आए। हालांकि वो शाम करीब 6 बजे बांद्रा स्थित रंग मंदिर ऑडिटोरियम में आयोजित हुए एक इवेंट का हिस्सा बने थे।

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी

जांजगीर चांपा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले में छत्तीसगढ़ शिक्षाकर्मी एवं प्रयोगशाला सहायक पद पर वर्ष 2019 में नौकरी लगाने के नाम पर सुलोचना बंजारे और कृष्ण कश्यप से तीन लाख रुपये की ठगी के आरोपी शिक्षक मनमोहन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। बालको नगर कोरबा की रहने वाली सुलोचना बंजारे ने मामला दर्ज कराया था। छत्तीसगढ़ शिक्षाकर्मी एवं प्रयोगशाला सहायक पद पर वर्ष 2019 में वैकेंसी में फॉर्म भरा था। इस बीच रिश्तेदार के माध्यम से मनमोहन सिंह से जान पहचान हुई, जोकि पुटपुरा के शासकीय मिडिल स्कूल में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं।

309 दिन में 10 करोड़ के 189 नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ में 96 मुठभेड़, 5 बड़े कैडर भी मारे, एके-47, एसएलआर, इंसास जैसे 207 हथियार बरामद

जगदलपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में इस साल 1 जनवरी से 5 नवंबर तक पुलिस और नक्सलियों के बीच कुल 96 मुठभेड़ हुई है। इन 309 दिनों में अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने 9 करोड़ 72 लाख रुपए के कुल 189 नक्सलियों को ढेर किया है। इनमें 5 डीकेएसजेडसी (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी) कैडर के भी नक्सली शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों से पुलिस ने एके-47, एसएलआर और इंसास जैसे कुल 207 हथियार भी बरामद किए हैं। ये हथियार नक्सलियों ने अलग-अलग मुठभेड़ों के बाद जवानों से ही लूटे थे। राज्य गठन होने के बाद बस्तर के नक्सल इतिहास में यह पुलिस की सबसे बड़ी सफलता वाला साल रहा है।

इस साल पुलिस ने नक्सली कमांडर हिड़मा के इलाके पूवर्ती समेत नक्सलियों के सबसे सुरक्षित ठिकानों में से एक अबूझमाड़ के जंगलों में कुल 22 नए कैंप खोले हैं। अबूझमाड़ जिसे नक्सलियों की राजधानी और इनका अभेद किला कहा जाता है यहां भी अंतिम छोर तक पुलिस की पैठ बढ़ी है। नक्सलियों के इलाके में घुसकर उनका एनकाउंटर किया गया है। बस्तर में नक्सली मार्च से जून तक अपना टीसीओसी (टाकटिकल काउंटर ऑफेंस कम्पेन) मनाते हैं।

इस दौरान बड़े हमले करते हैं। ताड़मेटला, रानीबोदली, बुरकापाल में जवानों को एंबुश में फंसाकर मारना और अरनपुर में आईईडी ब्लास्ट कर जवानों से भरा वाहन को उड़ाना इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं।

लेकिन इस बार नक्सलियों के टीसीओसी महीने में पुलिस फोर्स इनपर भारी पड़ी है। पुलिस ने अटैकिंग मोड पर काम किया और संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च कर नक्सलियों को घेरकर मारा है।

इसी तरह मानसून में भी जवानों का ऑपरेशन जारी रहा। अंदरूनी इलाकों में नदी-नाले पार कर जवान नक्सलियों के ठिकाने में घुसे। कैंप को ध्वस्त किया। हथियार, सामान बरामद किए और नक्सलियों को ढेर कर उनके शवों को भी लेकर आए।

इस साल नक्सलियों के 5 बड़े कैडर के नक्सलियों को भी मारा गया है, इनमें नीति उर्फ निर्मला, रूपेश, रणधीर और जोगन्ना समेत अन्य शामिल हैं। ये सभी 25-25 लाख रुपए के इनामी नक्सली थे। इसके अलावा डीवीसीएम, एसीएम, एलओएस, प्लाटून कमांडर, पीएलजीए सदस्य जैसे कैडर्स को भी मार गिराया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर के अलग-अलग जिलों के 22 अंदरूनी गांवों में सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित किया गया है। कैंप स्थापित होने के बाद इन पूरे गांव की तस्वीर बदलनी शुरू हो गई है। इनमें से 13 गांवों में आजादी का जश्न भी मनाया गया है।

पप्पू यादव को लॉरेंस गैंग से फिर मिली धमकी

सांसद के पीए को वॉट्सऐप मैसेज किया, लिखा- बोलना उसकी सुपारी ली है

पूर्णिया, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। उसने सांसद के पीए मो.सादिक आलम के मुताबिक, दिल्ली स्थित पप्पू यादव के ऑफिस में वॉट्सऐप पर धमकी भरे मैसेज किए हैं। धमकी देने वाले शख्स ने लिखा, 'वह लॉरेंस गैंग को मिटाने की धमकी दे रहा था न, उसको बोलना उसकी सुपारी मिली है।' पप्पू यादव के पीए को ये धमकी भरे मैसेज बुधवार रात 2 बजे और फिर गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब मिली है। मामले में सांसद के पीए ने दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस को दिए आवेदन में मो.सादिक ने बताया, 'मेरे मोबाइल नंबर पर 7357853054 नंबर से वॉट्सऐप मैसेज और कॉल आए, जिसमें कहा गया कि सांसद को जान से मारेंगे'। धमकी देने वाले ने खुद को कोड़ी भाई (नाम) बताया है। वॉट्सऐप डीपी पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का फोटो लगा रखा है। इससे पहले भी सांसद को कई अन्य नंबरों से जान से मारने की धमकी दी गई।

झारखंड के 11 जेलों के कैदी कर रहे छठ

जेल प्रशासन उपलब्ध कराया नए कपड़े और पूजन सामग्री, हजारीबाग जेल में सर्वाधिक व्रती

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चार दिवसीय लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व जहां लगभग हर घर में हो रहा है। वहीं इस व्रत से अछूते झारखंड के विभिन्न जेलों में बंद कैदी भी नहीं है। झारखंड के 11 जेलों में छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं। राज्य के 11 जेलों में बंद 28 कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। सबसे अधिक छठ व्रती हजारीबाग जेल से हैं। इसके बाद रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के कैदी हैं, जो छठ कर रहे हैं। रांची जेल में बंद 11 महिलाएं और 4 पुरुष कैदी छठ कर रहे हैं। इसके लिए जेल प्रशासन की ओर से भी खासतौर पर तैयारी की गई है। राज्य के जेलों में बंद 8 पुरुष और 32 महिला कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। बंदियों के छठ व्रत करने को लेकर जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जेलों में बंद कैदी छठ कर रहे हैं। इसके लिए जेल प्रशासन की ओर से वो सारी चीजें उपलब्ध कराई जा रही हैं जो छठ के लिए आवश्यक होती हैं।

पति-पत्नी का झगड़ा, रेलवे को 3 करोड़ का नुकसान

बिलासपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पति-पत्नी के झगड़े में ट्रेन बंद रूट पर चल गई और इससे रेलवे को 3 करोड़ का नुकसान हो गया। रेलवे ने पति को सस्पेंड कर दिया और इस कारण पति ने हाईकोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई। हाईकोर्ट ने कहा, "पत्नी का ये व्यवहार मानसिक क्रूरता है। पति को तलाक मिलना चाहिए।" मामला रोचक है। दरअसल हुआ ये कि स्टेशन मास्टर जब ड्यूटी पर था, तभी फोन पर उसकी बीवी ने झगड़ना शुरू किया। एक हाथ में मोबाइल, दूसरे हाथ में ऑफिस का फोन, जो उसके हाथ में ही था। बात दोनों तरफ चल रही थी। ऑफिस वाले फोन को होल्ड कर ऑफिस मैनेजर से पत्नी ने कहा- ऑफिस से घर आ जाओ, फिर बात करूंगी। पति ने ओके कहा।

उधर, दूसरी लाइन पर ओके सुनते ही दूसरे स्टेशन मास्टर ने ट्रेन को रवाना करने का सिग्नल दे दिया और गाड़ी उस रूट पर चली गई, जो बैन था। इससे रेलवे को 3 करोड़ का नुकसान हुआ और उसने फोन पर झगड़ने वाले स्टेशन मास्टर को सस्पेंड कर दिया। भिलाई की रहने वाली युवती की शादी 12 अक्टूबर 2011 में हिन्दू रीति रिवाज से हुई थी। उसका पति विशाखापट्टनम का रहने वाला है और रेलवे में स्टेशन मास्टर है। पति का आरोप है कि शादी के बाद 14 अक्टूबर को रिसेप्शन हुआ, इस दौरान उसकी पत्नी नाखुश नजर आ रही थी। रात में पति ने उससे बात की, तो उसने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज के लाइब्रेरियन (ग्रंथपाल) के साथ उसका अफेयर है। उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध भी बना चुकी है, जिसे वो नहीं भूल सकती। पति ने इस बात की जानकारी उसके पिता को दी। लेकिन, पिता ने भरोसा दिलाया कि वो भविष्य में ऐसा नहीं करेगी और इसकी गारंटी भी ली।

अपने ससुर की बात मानकर पति ने युवती से सबकुछ भूलने के लिए, कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालात यहां तक आ गए कि पत्नी अपने पति के सामने ही अपने प्रेमी से बातें करने लगी। इस बात को लेकर विवाद बढ़ने लगा। एक रात जब पति ड्यूटी पर था, तो पत्नी का फोन आया और झगड़ा होने लगा और बंद रूट पर ट्रेन चली गई। इसके बाद पत्नी पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाकर पति ने विशाखापट्टनम परिवार न्यायालय में तलाक के लिए अर्जी लगाई। इधर, पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाकर केस दर्ज करा दिया। इस पर पुलिस ने पति, उसके 70 वर्षीय पिता, शासकीय सेवक बड़े भाई, भाभी और मौसेरे-भाई बहन के खिलाफ 498 के तहत केस दर्ज कर लिया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पति के आवेदन को दुर्ग ट्रांसफर किया गया। दुर्ग कोर्ट से आवेदन खारिज होने पर पति ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने सुनवाई में पाया कि पत्नी ने पति पर भाभी के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया था, जबकि याचिकाकर्ता की मां का 2004 में निधन हो गया है। उसकी शादी में भाभी ने मां की सभी रस्में निभाई थीं। पति अपनी भाभी को मां का दर्जा देता था। हाईकोर्ट में दहेज का प्रकरण साबित नहीं हो पाया।

चुनाव से ठीक पहले नक्सली संगठन पीएलएफआई एक्टिव

रांची और खूंटी में टांगा बैनर, वोट बहिष्कार का किया आह्वान, यहां पहले चरण में मतदान

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लंबे अरसे से सुस्त पड़ा नक्सली संगठन पीएलएफआई चुनाव से ठीक पहले एक्टिव नजर आ रहा है। संगठन ने रांची और खूंटी शहरी इलाके में बैनर टांग दहशत ला दी है। टांगे गए बैनर में संगठन की ओर से वोट बहिष्कार का आह्वान किया है। रांची जिले के बेड़ो में यूको के निकट फल दुकान के पास बैनर लगाकर पीएलएफआई ने चुनाव बहिष्कार करने की अपील की है। पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए बैनर में लिखा है कि पुलिस प्रशासन का राज ध्वस्त करें। पुलिस प्रशासन ने बैनर को अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी नकुल शाह ने कहा कि बैंक के सीसीटीवी फुटेज की जांच पुलिस कर रही है। बैनर किसने लगाया पता चलते ही पुलिस कार्रवाई शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि कोई भी उग्रवादी या अपराधी को पनपने नहीं दिया जाएगा। वोट बहिष्कार से संबंधित बैनर टांगने की दूसरी घटना खूंटी जिले की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक खूंटी के जिला मुख्यालय में शहर के बीचोबीच कर्रा रोड पर शिवाजी चौक के पास इस प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन ने अपना बैनर टांगा है। गुरुवार की सुबह-सुबह लोग घरों से बाहर निकले, तो बीच शहर लाल बैनर देख सहम गए। जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस को मिली, खूंटी थाना ने बैनर को खोलकर अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं पुलिस की ओर से बताया गया है कि बैनर लगाने वाले की पहचान की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी देखे जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी जल्द कर ली जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आया बाइक सवार

हादसे में एक की हुई मौत, दो की बाल-बाल बची जान

कोरबा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत नकटीखार बाजार के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया।

इस हादसे में बाइक सवार युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, दो लोग बाल-बाल बच गए, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। इस घटना के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची लेकिन इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया।

बताया जा रहा है कि घटना देर रात की है। नकटीखार निवासी 28 वर्षीय विकेश कुमार, लक्ष्मी उरांव, छोटू तीनों बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इस दौरान नकटीखार बाजार चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने अपनी चपेट में लेते हुए मौके से फरार हो गया।

इस हादसे में बाइक चला रहे विकेश कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, दो युवकों को मामूली चोटें आई हैं। हादसे की घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए। वहीं सूचना पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने ग्रामीणों को किसी तरह समझाया तब जाकर चक्का जाम समाप्त हुआ और शव को जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

मृतक के परिजन ने बताया कि विकेश शादीशुदा है कुछ माह पहले ही उसकी शादी हुई है। वह कोरबा में दुकान में काम करता था। काम कर अपने दोस्तों के साथ घर वापस लौट रहा था। इस दौरान यह हादसा हो गया।

हिम्मत है तो सामने से लड़ो

सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधा, भाजपा का पलटवार

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जोरदार हमला किया। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि वह आगामी राज्य के चुनावी मुकाबले में कायर अंग्रेजों की तरह पीछे से हमला करने के बजाय उनसे सीधे मुकाबला करे। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'अगर हिम्मत है तो सामने से लड़ो- कायर अंग्रेजों की तरह लगातार पीछे से वार क्यों? कभी ईडी, कभी सीबीआई, कभी कोई एजेंसी, कभी कोई और। अब अरबों रुपये खर्च कर दिए मेरी छवि बिगाड़ने में। अजब हालात है।' उन्होंने कहा कि 11 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है, पांच साल राज्य में रही। खुद को डबल इंजन सरकार बोलती रही। फिर रघुवर सरकार के पांच साल सिर्फ हाथी क्यों उड़ी? क्यों पांच सालों में 13000 स्कूल बंद किए? क्यों पांच साल में 11 लाख- जी हां 11 लाख राशन कार्ड कैंसिल किए? क्यों पांच साल में 1 जेपीएससी परीक्षा नहीं हुई? क्यों पांच साल में वृद्धा-विधवा पेंशन नहीं बढ़ा और ना मिला? क्यों पांच साल में राज्य में भूख से सैंकड़ों मौतें हुई?

उन्होंने आगे सवाल किए कि क्यों पांच साल में युवाओं को साइकिल बनाने, केला बेचने की सलाह दी गई? क्यों सरकारी कर्मियों को ओल्ड पेंशन स्कीम नहीं दी गई? क्यों झारखंड की बिजली बांग्लादेश में बेची गई? क्यों सेविका, सहिया, पारा शिक्षकों पर लगातार लाठियां बरसायी गईं? क्यों बच्चियों की पढ़ाई के लिए कोई योजना नहीं लाई गई? क्यों बहनों के लिए मंईयां सम्मान योजना नहीं लाई गई? क्यों लगातार बिजली बिल बढ़ाया गया? ऐसे अनगिनत सवाल हैं। सोरेन ने कहा, 'हम अपने काम को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं।

चुनाव से ठीक पहले नक्सली संगठन पीएलएफआई एक्टिव

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लंबे अरसे से सुस्त पड़ा नक्सली संगठन पीएलएफआई चुनाव से ठीक पहले एक्टिव नजर आ रहा है। संगठन ने रांची और खूंटी शहरी इलाके में बैनर टांग दहशत ला दी है। टांगे गए बैनर में संगठन की ओर से वोट बहिष्कार का आह्वान किया है। रांची जिले के बेड़ो में यूको के निकट फल दुकान के पास बैनर लगाकर पीएलएफआई ने चुनाव बहिष्कार करने की अपील की है। पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए बैनर में लिखा है कि पुलिस प्रशासन का राज ध्वस्त करें। पुलिस प्रशासन ने बैनर को अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी नकुल शाह ने कहा कि बैंक के सीसीटीवी फुटेज की जांच पुलिस कर रही है। बैनर किसने लगाया पता चलते ही पुलिस कार्रवाई शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि कोई भी उग्रवादी या अपराधी को पनपने नहीं दिया जाएगा।

खूंटी के शिवाजी चौक के पास टांगा पोस्टर

वोट बहिष्कार से संबंधित बैनर टांगने की दूसरी घटना खूंटी जिले की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक खूंटी के जिला मुख्यालय में शहर के बीचोबीच कर्रा रोड पर शिवाजी चौक के पास इस प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन ने अपना बैनर टांगा है।

गुरुवार की सुबह-सुबह लोग घरों से बाहर निकले, तो बीच शहर लाल बैनर देख सहम गए। जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस को मिली, खूंटी थाना ने बैनर को खोलकर अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं पुलिस की ओर से बताया गया है कि बैनर लगाने वाले की पहचान की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी देखे जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी जल्द कर ली जाएगी। पीएलएफआई का पूरा नाम पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया है।

भारत के खिलाफ खतरनाक खेल खेल रहे ट्रूडो

कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को खतरा, कांसुलेट को रोकना पड़ा

ओटावा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को खुली छूट के बाद वहां मौजूद भारतीय राजनयिक मिशन की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।

इसके चलते टोरंटो में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास को अपने कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। टोरंटो के भारतीय कांसुलेट ने घोषणा की है कि कनाडाई सुरक्षा अधिकारियों की तरफ से न्यूनतम सुरक्षा देने में विफल रहने के बाद अपने कुछ निर्धारित कांसुलेट कैंप शिविरों को रद्द कर दिया है।

भारतीय कांसुलेट की पोस्ट में कहा, 'सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सामुदायिक शिविर आयोजकों को न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता जाहिर करने के मद्देनजर, वाणिज्य दूतावास ने कुछ निर्धारित कांसुलेट कैंप्स को रद्द करने का निर्णय लिया है।' वाणिज्य दूतावास की यह घोषणा भारत विरोधी चरमपंथियों के हमले के बाद की गई है।

कांसुलेट के कार्यक्रम पर खालिस्तानियों का हमला

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदी सभा मंदिर के बाहर एक वाणिज्य दूतावास शिविर का आयोजन किया था। इस दौरान खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने घुसकर हमला किया था। भारत ने कांसुलेट के कार्यक्रम पर हमले को लेकर उच्च स्तर पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

भारत ने जताया था विरोध

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'जानबूझकर किया गया हमला' बताते हुए नाराजगी जाहिर की थी और कहा था कि इस तरह के हमले भारत के राजनयिक मिशन के इरादों को कमजोर नहीं कर सकेंगे। कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन में हिंसक हमले को लेकर एक बयान जारी किया था और इसकी निंदा की थी।

उच्चायोग ने लिखा, 'स्थानीय सह-आयोजकों के पूर्ण सहयोग से हमारे वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित किए जाने वाले नियमित वाणिज्य दूतावास संबंधी कार्यों में इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना अत्यंत निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर ही इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।'

तालिबानी मुल्ला उमर के बेटे से पहली बार क्यों मिले भारत के दूत

अफगानिस्तान संग दोस्ती से टेंशन में पाकिस्तान

काबुल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्तों में गर्माहट लगातार बढ़ती जा रही है। एक बड़े घटनाक्रम में भारत के वदिश मंत्रालय में संयुक्त सचिव जेपी सिंह अचानक से बुधवार को काबुल के दौरे पर पहुंच गए। भारतीय राजनयिक ने तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब मुजाहिद से मुलाकात की। मुल्ला याकूब तालिबान के सुप्रीम लीड रहे आतंकी मुल्ला उमर का बेटा है। मुल्ला उमर ने साल 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान पर राज किया था। भारतीय प्रतिनिधि ने तालिबान के कार्यकारी वदिश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी और पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई से भी मुलाकात की। यह भारतीय राजनयिक का यह इस साल दूसरा काबुल दौरा है।

साल 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था और उसके बाद से अब भारत ने भी तालिबानी सरकार के साथ दोस्ती बढ़ा दी है। तालिबान रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'इस बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रिश्तों को बढ़ाने की इच्छा जताई। इसमें भी खासकर मानवीय सहयोग और अन्य मुद्दे शामिल हैं। साथ ही अफगानिस्तान और भारत के बीच संवाद को बढ़ाने में भी रुचि प्रदर्शित की।' हामिद करजई ने भी ट्वीट करके कहा कि उनकी जेपी सिंह से मुलाकात हुई है। इसमें दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर चर्चा की और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। करजई ने भारत के सहयोग की तारीफ की और मांग की कि शिक्षा और युवाओं को ट्रेनिंग देने पर और ज्यादा फोकस किया जाना चाहिए। तालिबानी सरकार ने एक बार फिर से भारत को यह आश्वासन दिया कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देगी। इस यात्रा के बीच तालिबान ने भारत से एक बड़ी मांग कर डाली। तालिबानी सरकार ने कहा कि भारत उसके राजदूत की नियुक्ति को मान्यता दे। तालिबान सरकार को अभी तक किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है। तालिबान के राजदूत को मान्यता देने से बहस छिड़ सकती है। हालांकि चीन, यूएई समेत कई देशों ने अब तालिबान के राजदूत को मान्यता दे दी है। भारत में अशरफ गनी के कार्यकाल के अफगानिस्तान के राजदूत अब यहां से वापस जा चुके हैं। ऐसे में राजदूत का पद खाली है। भारत न केवल मानवीय सहायता को बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि पुर्ननिर्माण के प्रयासों को भी तेज करना चाहता है।

इस्कॉन पर विवादित टिप्पणी से हिंदुओं में नाराजगी

विरोध में सड़कों पर उतरे, आरोप-आर्मी ने बेरहमी से पीटा, कई जख्मी

ढाका, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव में इसकान मंदिर और सनातन धर्म पर विवादित टिप्पणी से हिंदुओं में नाराजगी है। इसे लेकर हजारों की संख्या में हिंदू समुदाय ने प्रदर्शन किया। विरोध में जब हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए तो आर्मी ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

उधर, चटगांव पुलिस के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर काजी तारेक अजीज ने बताया कि विवादित पोस्ट शेयर करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान हिंदू संगठनों ने विरोध किया और आरोपी को सौंपने की मांग करने लगे। इस दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया, एक पुलिसकर्मी पर एसिड भी फेंका गया। इस झड़प में 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

घटना हजारी गली की, यहां रहते हैं 25,000 लोग

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना मंगलवार शाम की है। सुबह हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन रात 10 बजे फिर से अचानक पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों ने हजारी गली इलाके में छापेमारी की। आरोप है कि इस दौरान स्थानीय हिंदुओं के साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

हजारी गली इलाके में करीब 25,000 लोग रहते हैं, इनमें 90% हिंदू समुदाय के हैं। स्थानीय लोगों का कहना है, 'हादसे के बाद से सभी दुकानों में ताले लगे हैं और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इलाके में एक फार्मेसी चलाने वाले गौतम दत्ता ने भी बताया कि उन्होंने दुकान बंद कर दी थी, फिर भी आर्मी के जवानों ने उन्हें और उनके कर्मचारियों को पीटा।

कुछ ही दिन पहले, चटगांव में इस्कॉन संगठन के सचिव चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी उर्फ चंदन कुमार धर पर भी मामला दर्ज किया गया था। उन पर चटगांव के न्यू मार्केट में आजादी स्तंभ पर लगे नेशनल फ्लैग से ऊपर भगवा ध्वज फहराने का आरोप था। इस ध्वज पर 'सनातनी' लिखा हुआ था। बांग्लादेश में सरकार गिरने के बाद से ही अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा के कई मामले सामने आए हैं। अगस्त में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले के 205 मामले सामने आए थे। इसके विरोध में चटगांव में रैली का आयोजन किया गया था। अगस्त में सत्ता परिवर्तन के बाद से अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा दिलवाने के मामले भी सामने आए थे।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल बन सकते है सीआईए चीफ

ट्रम्प के वफादारों में होती है गिनती, विवेक रामास्वामी को भी मिल सकती है जगह

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जो बाइडेन से चुनाव हार गए थे। पद छोड़ने से पहले ट्रम्प अहम सरकारी पदों पर अपने लोगों को बैठाने की कोशिश में लगे हुए थे। इसी दौरान उन्होंने अपने खास वफादार को रक्षा मंत्रालय में बड़े पद पर अपॉइंट करना चाहा। हालांकि उनकी ये कोशिश कामयाब नहीं हुई। दरअसल, चुनाव हारने के बाद कमजोर हो चुके ट्रम्प को तत्कालीन जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मिली ने चेतावनी दी कि अगर वे ऐसा करते हैं तो वे इस मामले को अदालत तक ले जाएंगे। कुछ समय बाद ट्रम्प ने उसी शख्स को एफबीआई का डिप्टी डायरेक्टर बनाने की कोशिश की, लेकिन तब अटॉर्नी जनरल बिल बार ने धमकी दी कि ऐसा उनकी लाश पर ही हो पाएगा। ट्रम्प इस बार भी नाकाम रहे।

ट्रम्प ने एक बार फिर उसी शख्स को सीआईए का डिप्टी डायरेक्टर बनाना चाहा। इस पर सीआईए चीफ गिना हास्पेल नाराज हो गईं और इस्तीफा देने की धमकी दी। उपराष्ट्रपति माइक पेंस और दूसरे बड़े नेताओं के

हस्तक्षेप के बाद ट्रम्प को इस बार भी अपने हाथ पीछे खींचने पड़े। जिस शख्स को 'सेट' करने के लिए ट्रम्प इतनी कोशिशें कर रहे थे, उसका नाम कश्यप 'काश' पटेल है। प्रवासी भारतीय परिवार में जन्मे काश पटेल, ट्रम्प के इतने खास कैसे बने। तमाम अधिकारियों के उनसे डरने की वजह क्या थी?

डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इससे पहले ट्रम्प और उनकी टीम अपने नए मंत्रिमंडल के लिए अधिकारियों को चुनने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। ट्रम्प प्रशासन में काश पटेल के अलावा भारतवंशी विवेक रामास्वामी और बॉबी जिंदल को भी जगह मिलने की संभावना है। इन्हें अहम पद दिया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पटेल को सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) चीफ की जिम्मेदारी मिल सकती है। वे इस पद के लिए शीर्ष दावेदार बताए जा रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प पहले ही पटेल को सीआईए चीफ बनाने का मन बना चुके हैं।

काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली।

2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा।

काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। पटेल को 2016 के चुनाव में रूसी हस्तक्षेप को लेकर बनी एक समिति में शामिल किया गया। इस पर काम करने के दौरान ही वे पहली बार ट्रम्प की नजर में आए थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था।

आकाश शर्मा ने कांग्रेस नेता भल्ला को बताया चोर

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा का बृजमोहन अग्रवाल को समर्थकों ने 'मैं समर्थन करता हूं' नाम की इंस्टा आईडी से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें लिखा गया है कि कांग्रेसिया मन के चार चिन्हारी। चोरी, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार अऊ रंगदारी। वीडियो में कांग्रेस नेता भल्ला को आकाश चोर बता रहे हैं। इसके पहले बीजेपी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर किया है, उसमें आकाश शर्मा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं।

sइस पर बीजेपी ने लिखा है कि रायपुर दक्षिण की जनता कांग्रेस के बाहरी प्रत्याशी के विरोध में अब सड़क पर आ गई। हांलाकि मामले में आकाश शर्मा ने कहा कि, भाजपा प्रत्याशी अपना विरोध दबाने के लिए मेरे खिलाफ अपने कार्यकर्ताओं को भेजकर नारे लगवा रहे हैं। भाजपाई एक बच्चे से डर गए हैं। इसके पहले बीजेपी प्रत्याशी सुनील सोनी भी भाठागांव में जनता के विरोध का सामना कर चुके हैं। इसी आईडी से पोस्ट की गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका हड़ताल की राह पर

चार सूत्रीय मांग को लेकर करेंगे एक दिवसीय धरना

कबीरधाम, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका हड़ताल की राह पर हैं। ये कल शुक्रवार को चार सूत्रीय मांग को लेकर एक दिवसीय हड़ताल पर रहेंगी। जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ व भारतीय मजदूर संघ द्वारा यह हड़ताल किया जाएगा। हड़ताल किए जाने से पहले जिला अध्यक्ष सोनबाई बंजारे, अंजू अवस्थी, सुलोचनी ठाकुर, सोनिया मेरावी ने अपने महिला बाल विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सोनबाई बंजारे ने बताया कि उनकी चार सूत्रीय मांग है, जिसमें सरकारी कर्मचारी घोषित करने तक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका को 26 हजार रुपए मानदेय दिया जाए व प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी किया जाए।

दीपक बैज के खिलाफ अहमदाबाद में एफआईआर

गुजरात की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदनाम करने का आरोप

पीसीसी चीफ बोले- मैंने बिलासपुर अस्पताल का जिक्र किया था

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ अहमदाबाद में एफआईआर दर्ज की गई है। बैज पर आरोप है कि उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए गुजरात की स्वास्थ्य सेवाओं को बदनाम किया है। बैज ने कहा कि, मैंने अपने पोस्ट पर बिलासपुर के अस्पताल का ही जिक्र किया है। दरअसल, दीपक बैज ने कुछ दिन पहले गुजरात के एक अस्पताल की खराब हालत को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था। जिसमें एक मरीज को दिखाया गया। जिसे कथित तौर पर समय पर इलाज नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई। गुजरात में दर्ज एफआईआर में यह कहा गया है कि, बैज ने इस पोस्ट के जरिए

दावा किया कि वीडियो गुजरात के एक अस्पताल का है। हालांकि, जांच में सामने आया कि यह वीडियो वास्तव में बिलासपुर के एक अस्पताल का है। शुक्रवार को पायल गुप्ता नाम के एक यूजर ने 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट किया। जिसमें एक दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल लाया जा रहा था, जहां मरीज को कथित तौर पर फर्श पर लेटने के लिए कहा गया। उसे समय पर इलाज नहीं मिला। जिस कारण उसकी मौत हो गई।

दीपक बैज ने पोस्ट में क्या लिखा था?

वहीं, दीपक बैज के एक पोस्ट पर लिखा है कि, बिलासपुर जिला अस्पताल में एक्सीडेंट के बाद तड़पते मरीज को डॉक्टरों ने नजरअंदाज कर दिया। ये है भाजपा सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था का असली चेहरा। जहां आम जनता के जीवन का कोई मोल नहीं। कब तक जनता यूं ही लापरवाही का शिकार होती रहेगी? उन्होंने कहा कि, मैं अपने सोशल मीडिया पोस्ट का लिंक भी शेयर कर रहा हूं। जिसमें साफ है कि, मैंने अपने पोस्ट पर बिलासपुर के अस्पताल का ही जिक्र किया है।

मैंने अपनी पोस्ट पर कहीं भी गुजरात या अहमदाबाद का जिक्र नहीं किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से किस वर्ल्ड लीडर का बढ़ेगा दबदबा तो किसके लिए खतरा

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। चार साल बाद वॉइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी कई मायनों में खास है। वह साल 1892 के बाद अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं जो एक चुनाव हारने के बाद वॉइट हाउस में वापसी कर रहे हैं। अमेरिकी इतिहास में ऐसा करने वाले दूसरे राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान बार-बार जोर दिया था कि वह अमेरिका फर्स्ट की नीति की प्राथमिकता देंगे और दूसरे देशों की ताकत के आधार पर संबंधों का आकलन करेंगे। ट्रंप का इरादा साफ है कि उनकी दुनिया में या तो कोई दोस्त है या फिर दुश्मन। विश्व नेताओं के लिए भी उनकी यही नीति होने वाली है। आइए देखते हैं कि उनकी जीत के विश्व के प्रमुख नेताओं के लिए क्या मायने हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी को प्रधानमंत्री मोदी के लिए सकारात्मक घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी का पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ मजबूत रिश्ता रहा है। चुनाव से पहले दिवाली पर संदेश में डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को दोस्त बताया था। दोनों नेता पहले भी एक दूसरे की तारीफ करते रहे हैं। वॉइट हाउस में ट्रंप की वापसी के बाद भी पीएम मोदी को अनुकूल स्थिति का लाभ मिलना जारी रहने की संभावना है, क्योंकि ट्रंप की नीतियों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना शामिल है। ट्रंप ने रूस के साथ शांति वार्ता को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया है, जिससे नई दिल्ली को मॉस्को के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने में मदद मिल सकती है, जो ऊर्जा और रक्षा के मामले में भारत का प्रमुख साझेदार है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए ट्रंप की वापसी सुखद संकेत है। निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ नेतन्याहू के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं, जो सार्वजनिक रूप से भी जाहिर हुए थे। डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से इजरायल को अमेरिकी समर्थन के मजबूत होने की उम्मीद है। इसके पहले बाइडन ने फिलिस्तीनी नागरिकों पर हमले को लेकर हमास के खिलाफ अभियान में इजरायल को कुछ सैन्य सहायता रोक दी थी। ट्रंप से उम्मीद की जा रही है कि वे ईरान के खिलाफ नेतन्याहू के रुख का समर्थन करेंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी रूसी नेता के लिए पश्चिमी विभाजन का यूक्रेन में अधिक लाभ उठाने की योजना है। डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यूक्रेन युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप के विरोध का संकेत दिया है। हालांकि, उनके चौंकाने वाले फैसलों ने क्रेमलिन में चिंताएं बढ़ा दी हैं। ट्रंप हमेशा कहते रहे हैं कि अगर वे होते तो यूक्रेन में युद्ध कभी शुरू ही न होता।

ऐसे में क्रेमलिन को लेकर डर है कि ट्रंप जल्द ही पुतिन पर समझौता करने के लिए संघर्ष बढ़ा सकते हैं। इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

तुर्की के रेचेप तैयप एर्दोगान

ट्रंप की वापसी से तुर्की को अमेरिका के साथ संबंधों में सुधार की उम्मीद है। एर्दोगान और ट्रंप के बीच दोस्ताना संबंध रहे हैं और अक्सर फोन पर बात करते हैं।

हाईकोर्ट बोला-डीएलएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर विचार करें

बीएड डिग्रीधारियों को नौकरी से निकाले बिना नियुक्ति दी जाए, अवमानना याचिका पर हुई सुनवाई

बिलासपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की नियुक्ति निरस्त नहीं करने को लेकर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान जस्टिस एनके व्यास ने बीएड अभ्यर्थियों को नौकरी से निकाले बिना ही डीएलएड डिग्री वालों को नियुक्ति देने का रास्ता सुझाया है। कोर्ट ने कहा कि, सरकार ऐसा क्यों नहीं करती कि बीएड डिग्री वालों को नौकरी से निकाले बिना ही डीएलएड वालों को भी नियुक्ति दे दी जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

बता दें कि पूर्व में हाईकोर्ट ने बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की नियुक्ति को अवैधानिक बताते हुए भर्ती निरस्त करने का आदेश दिया था। दरअसल, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की नियुक्ति निरस्त होने के बाद भी राज्य शासन ने इस पर कोई आदेश जारी नहीं किया है। इसके चलते बीएड डिग्रीधारी शिक्षक नियम विरूद्ध तरीके से एक साल से ज्यादा समय से पदस्थ है।

हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर डीएलएड अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में न्यायालय की अवमानना याचिका दायर की है।

प्राइमरी स्कूल के योग्य नहीं फिर भी करा रहे पढ़ाई

याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार बीएड डिग्रीधारी शिक्षक प्राइमरी स्कूल में पढ़ाने के योग्य नहीं है। कोर्ट ने उनकी नियुक्ति निरस्त कर डीएलएल अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया है। लेकिन, इसके बाद भी कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करना न्यायालय की अवमानना है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस एनके व्यास ने कहा कि, किसी की नौकरी छीनने से समस्या का समाधान नहीं होगा। कोर्ट ने राज्य सरकार को बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्तों को वर्ग-2 में शिक्षक पद पर समायोजित करने का सुझाव देते हुए कहा कि, ये चयनित हैं। मिडिल स्कूल में शिक्षण की योग्यता रखते हैं और इन्हें 1 वर्ष शिक्षण का अनुभव भी प्राप्त है।

सरकार के पास हैं शक्तियां

जस्टिस एनके व्यास ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने बीएड प्रशिक्षितों को प्राथमिक योग्य नहीं माना है। लेकिन, माध्यमिक स्कूलों में शिक्षण के लिए ये योग्य हैं। इन 2900 सहायक शिक्षकों के प्रति सरकार की ज़िम्मेदारी है और सरकार के पास अपनी शक्तियां हैं। जिनका उपयोग कर इनकी सेवा सुरक्षित रखी जा सकती है।

कांकेर कोर्ट में भालू की एंट्री से मचा हड़कंप

कांकेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला मुख्यालय में एक अनोखी घटना हुई, जब यहां कोर्ट परिसर में एक भालू घुस आया। इसके बाद भालू कोर्ट परिसर की रसोई में घुस आया और उसने सीधे दरवाजा तोड़ते हुए अंदर एंट्री मारी।

जैसे ही उसे किचन में रखा तेल दिखा, उसने उसे गटक लिया। शायद भालू को यह "ब्रेकफास्ट" थोड़ा हैवी लगा होगा, इसलिए तेल पीने के बाद उसने आराम फरमाने के लिए शासकीय वकील के दफ्तर के पीछे झाड़ियों में अपना बिस्तर जमा लिया और सो गया। घटना सुबह लगभग पांच बजे की है। इस घटना की सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर के कर्मचारियों में हड़कंप गया। इसके बाद कर्मचारियों ने वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भालू को खोजने में लग गई।

थोड़ी ही देर बाद, कोर्ट के कर्मचारियों ने देखा कि भालू न्यायालय परिसर की खिड़की के बाहर झाड़ियों में आराम कर रहा है। इस नजारे को देखकर कोर्ट परिसर में हलचल मच गई, कर्मचारी और अन्य लोग भालू को देखने के लिए पहुंचने लगे। कई लोगों ने भालू की तस्वीरें और वीडियो भी बनाए।

कोर्ट परिसर के पास झाड़ियों में छिपा रहा भालू

वन विभाग की टीम ने पूरे दिन भालू पर नजर रखी और शाम होने का इंतजार किया ताकि उसे सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ा जा सके। वन विभाग ने बताया कि इस घटना में दो भालू परिसर में घुसे थे, जिनमें से एक वापस जंगल में भाग गया जबकि दूसरा भालू कोर्ट परिसर के पास की झाड़ियों में छिपा रहा।

वन विभाग की टीम ने कोर्ट परिसर में भालू की हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इस घटना से स्थानीय लोगों में डर का माहौल देखने को मिला। वन विभाग ने भालू को पकड़कर सुरक्षित रूप से जंगल में भेज दिया गया।

कांकेर में यह पहली घटना नहीं है जब रिहायशी इलाके में जंगली जानवर घुस आए हो। इससे पहले भी तेंदुआ, हाथी, भालू जैसे जंगली जानवर रिहायशी इलाके में दहशत देखी गई है। कांकेर जिले में कुछ दिन पहले एक बार फिर तेंदुआ सड़कों पर घूमते हुए दिखाई दिया।

बागी नरेश मीना को लेकर कांग्रेस ने लिया सख्त एक्शन

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव के बीच कांग्रेस ने बागी नरेश मीना पर सख्त एक्शन लिया है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आधिकारिक उम्मीदवार कस्तूर चंद मीना के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने के कारण नरेश मीना को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस से निलंबित कर दिया है।

बता दें कि इससे पहले नरेश मीना कांग्रेस से दो बार बागी हो चुके है। विधानसभा चुनाव 2023 में नरेश मीना ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए छबड़ा विधानसभा सीट से ताल ठोकी थी। तब नरेश को करीब 43 हजार वोट मिले, जिसका सीधा फायदा भाजपा को हुआ था। इसके बाद कांग्रेस ने नरेश मीना को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

हालांकि, कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान नरेश मीना को फिर से पार्टी में शामिल कर लिया था। लेकिन, कुछ दिन बाद ही नरेश ने दौसा से लोकसभा चुनाव लड़ने की मंशा जताते हुए पार्टी को मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि, प्रदेश नेतृत्व की समझाइश पर नरेशन मीना मान गए थे।

इस बार केसी मीना के खिलाफ ठोकी ताल

राजस्थान उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज नरेश मीना अब देवली-उनियारा सीट से चुनावी रण में उतरे है। उन्होंने निर्दलीय ताल ठोकते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कस्तूर चंद मीना की राह में रोड़ा अटका दिया है।

मीना के इस कदम से भाजपा के राजेंद्र गुर्जर की भी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। बता दें कि राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर 13 नवम्बर वोटिंग होगी, जबकि नतीजे 23 नवम्बर को आएंगे।

बेनीवाल बोले, कुएं में डूब कर मर जाओ

दिव्या ने पूछा, क्या मुझे मर जाना चाहिए?

नागौर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव की हलचलों के बीच नागौर जिले की खींवसर सीट पर सियासी पारा ज़बरदस्त गर्माया हुआ है। दिलचस्प बात ये है कि यहां प्रतिद्वंदी उम्मीदवारों से ज़्यादा सुर्खियां "स्टार प्रचारक" बटोर रहे हैं। इनमें राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल और कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेत्री दिव्या मदेरणा के नाम सबसे ज़्यादा चर्चा में हैं। दरअसल, हर चुनावी माहौल के बीच इस बार भी बेनीवाल और मदेरणा के बीच बयानों के सियासी तीरों से हमले हो रहे हैं।

...कुएं में डूबकर मर जाओः बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल और दिव्या मदेरणा एक-दूसरे पर अब व्यक्तिगत छींटाकशी पर उतर

आए हैं। एक ताज़ा चुनावी सभा में तो बेनीवाल ने दिव्या की टिप्पणियों का ज़िक्र करते हुए यहां तक कह दिया कि "उसे तो डूब के मर जाना चाहिए"। इसी सभा में बेनीवाल ने मदेरणा परिवार में दिव्या के दादा परसराम मदेरणा और पिता महिपाल मदेरणा का नाम लिए बिना भी बहुत कुछ टिप्पणियां कीं।

क्या मुझे मर जाना चाहिए ?: दिव्या

हनुमान बेनीवाल की विवादित टिप्पणी का एक वीडियो शेयर करते हुए दिव्या मदेरणा ने इस बार "वर्चुअल" पलटवार किया। उन्होंने अपने "एक्स" हैंडल पर प्रतिक्रिया जारी करते हुए लिखा, "सार्वजनिक सभा में मेरे ही समाज के चुने हुए एक सांसद मेरे मरने की कामना कर रहे है। उन्हें बेहद अफ़सोस हो रहा है कि मैं जिंदा ही कैसे हूं। मैं भी समाज की बेटी हूं, बहन बेटी सबकी सांझी होती है, इसलिए संपूर्ण किसान वर्ग से पूछना चाहती हूं कि मैंने ऐसा क्या गुनाह किया कि मुझे कुएं में गिरकर मर जाना चाहिए ?

दिव्या ने आगे लिखा, "मैंने पूरी ईमानदारी व श्रद्धा से ओसियां व राजस्थान के किसान वर्ग की हमेशा आवाज़ बुलंद की, क्या यही मेरा गुनाह है? विकट पारिवारिक परिस्थिति में भी मैंने हार नहीं मानी, मैं घर नहीं बैठी, मैंने मेहनत की और जनता से संवाद व जुड़ाव रखा और कारवां बनता चला गया। मैंने संघर्ष किया और यह संदेश देने की कोशिश कि किसान वर्ग की बेटियां भी बखूबी राजनीतिक लड़ाइयां लड़ सकती है । मैं राजस्थान के हर किसान से पूछना चाहती हूं कि क्या मुझे मर जाना चाहिए?

प्रचार के समय को लेकर भिड़े

हनुमान बेनीवाल और दिव्या मदेरणा के बीच "हॉट टॉक" फिलहाल प्रचार के समय को लेकर चल रही है। विवाद की शुरुआत हाल ही में तब हुई जब दिव्या मदेरणा ने हनुमान बेनीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि खींवसर क्षेत्र में बेनीवाल की स्थिति नाज़ुक लग रही है। यही वजह है कि बेनीवाल सुबह चार-चार बजे तक प्रचार में लगकर वोटर्स के पैर पकड़ रहे हैं।

जमीन का पट्टा लेना 8 गुना तक हुआ महंगा

पूर्व मंत्री खाचरियावास ने सरकार पर साधा निशाना

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शहरों में पुरानी आबादी की भूमि का पट्टा लेना अब महंगा हो गया है। इसे लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राजस्थान की जनता के साथ बड़ा धोखा कर दिया। कांग्रेस सरकार में जहां प्रशासन शहरों के संग अभियान में आबादी के पट्टे केवल 501 रुपए में दिए गए।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने आगे कहा कि भाजपा सरकार में पट्टे के लिए ढाई लाख रुपए तक देने होंगे। कांग्रेस सरकार ने जितनी भी छूट दी थी, वह भाजपा सरकार ने खत्म कर दी। अब मकान और दुकान का मालिकाना हक लेना बहुत महंगा हो गया है। इससे ज्यादातर लोग पट्टा नहीं ले पाएंगे।

सरकार ने नए शुल्क को लेकर अधिसूचना की जारी

हाल ही में भजनलाल सरकार ने भूमि धारक को शहरी निकाय से पट्टा लेने के लिए शुल्क करीब आठ गुना ज्यादा महंगा कर दिया है। फ्री होल्ड पट्टे के लिए 200 रुपए प्रति वर्गमीटर शुल्क तय किया गया है। 100 वर्गमीटर भूखंड के पट्टे के लिए 2500 की जगह अब 20 हजार रुपए देने होंगे। नई शुल्क को लेकर स्वायत्त शासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 501 रुपए में दिया था पट्टा

बताते चलें कि इससे पहले मात्र 25 रुपए प्रति वर्गमीटर दर पर ही शुल्क था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में प्रशासन शहरों के संग अभियान में दी गई छूट के तहत 501 रुपए में पट्टा दिया गया था। यह छूट अब खत्म हो चुकी है।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए स्वेटर-जूते भी मिलेंगे फ्री

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। भजनलाल सरकार अब सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स को फ्री स्वेटर और जूते देने की तैयारी कर रही है। राइजिंग राजस्थान के तहत जयपुर के सीतापुरा में आयोजित एजुकेशन प्री-समिट 2024 के दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यह जानकारी दी। बता दें कि राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में कक्षा पहली से 8वीं में अध्ययनरत बच्चों को राजस्थान सरकार की ओर से अभी निशुल्क यूनिफॉर्म दी जाती है। हर विद्यार्थी को दो ड्रेस का कपड़ा मिलता है और सिलाई की राशि सीधे खाते में जमा होती है। एजुकेशन प्री-समिट में प्री-समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं, जो शिक्षा, तकनीकी उच्च शिक्षा, कौशल विकास व खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स को अब फ्री यूनिफॉर्म के साथ ही स्वेटर और जूते भी मिलेंगे। इसके अलावा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सोलर सिस्टम की स्थापना, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासरूम, फर्नीचर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में डाइनिंग हॉल तैयार किया जाएगा। साथ ही लड़कियों के लिए सैनिक एकेडमी की भी स्थापना होगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत दुनियाभर से लोग राजस्थान में निवेश करने आ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। जिसे आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में निवेश करने वाले सभी निवेशक भामाशाह के तौर पर पहचाने जाएंगे।

क्या अनिता हत्याकांड है बड़ा षडयंत्र!

सांसद बेनीवाल के वीडियो से मची खलबली

जोधपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के बहुचर्चित अनिता हत्याकांड में पुलिस के अभी भी हाथ खाली हैं। मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन फारूखी अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। हालांकि पुलिस का दावा है कि वे आरोपी के काफी करीब हैं और जल्द पकड़ा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ अनिता हत्याकांड पर बाड़मेर-जैसलमेर सांसद उम्मेदराम बेनीवाल ने बयान जारी किया है। उन्होंने इस घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि जोधपुर के अनिता चौधरी हत्याकांड पर राज्य सरकार का संवेदनहीनता निंदनीय एवं शर्मनाक है। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में अनिता चौधरी की निर्मम हत्या के 12 दिन बाद भी मृतका के परिजनों को न्याय दिलाने में राज्य सरकार की संवेदनशीलता का अभाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री उपचुनाव में व्यस्त हैं, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। छोटी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने वाली भाजपा सरकार इस जघन्य अपराध पर उदासीन क्यों है? महिलाओं के हितों और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली राज्य सरकार इस अमानवीय घटना पर चुप क्यों है? मुख्यमंत्री का इस पर मौन रहना अत्यंत चिंताजनक है। अनिता चौधरी के 26 अक्टूबर को गायब होने की सूचना के बाद 27 अक्टूबर को गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया, लेकिन इतनी गंभीर घटना के बावजूद मामले में किसी ठोस कार्रवाई का न होना किसी बड़े षड्यंत्र की ओर संकेत करता है। क्या पुलिस पर सत्ताधारी नेताओं का दबाव है, जो पीड़ित परिवार को गुमराह कर रही है? मैं मुख्यमंत्री से अपील करता हूं कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार की सीबीआई जांच और अन्य उचित मांगों को तुरंत मान्यता दें। मैं व्यक्तिगत रूप से राजस्थान पुलिस के डीजी से मिलूंगा और यदि पीड़ित परिजनों की मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो मैं स्वयं जोधपुर में उनके साथ धरने पर बैठने पर बैठूंगा।

आखिर कब होंगे शिक्षकों के तबादले

नाराज राजस्थान शिक्षक संघ का बड़ा एलान

डूंगरपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण की मांग को लेकर शहीद स्मारक जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष महावीर सिंहाग के नेतृत्व में सभा हुई। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा ने शिक्षकों की मांगों का समर्थन करते कहा कि तृतीय श्रेणी अध्यापकों की मांग न्यायोचित है और कर्मचारी संयुक्त महासंघ इस संघर्ष में शिक्षकों के साथ है।

महामंत्री उपेंद्र शर्मा ने कहा कि बिना किसी उचित कारण के हजारों अध्यापक राजहट के शिकार होकर वर्षों से अपने घरों से सैंकड़ों किलोमीटर दूर नौकरी करने के लिए मजबूर है। बार-बार आवाज उठाने के बावजूद शिक्षक आंदोलन ही कर रहे हैं। पर, सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

बैठक को आयुर्वेद परिचारक संघ के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र तिवाड़ी, शिक्षक संघ (शेखावत) के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष फेलीराम मीणा, संघर्ष समिति संयोजक पोखरमल, प्रदेशमंत्री श्रवण पुरोहित, एसटीएफआई राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व संगठन की प्रांतीय उपाध्यक्ष सुनीता सिहाग सहित विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने संबोधित किया। बैठक में अध्यापक स्थानांतरण व पदोन्नति को लेकर आंदोलन जारी रखने, निरंतर जारी रखने तथा आन्दोलन व्यापक स्तर पर संगठित करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन के अगले चरण में नवम्बर के अंत में राज्यभर में मांग दिवस मनाने तथा सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला कलक्टरों के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित करना तय किया। दिसंबर तथा जनवरी माह में राज्यभर में जिलास्तरीय विरोध सभाओं का आयोजन करने का निर्णय लिया। संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव ने किया। डूंगरपुर में राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के संरक्षक मंडल व स्थायी समिति के सदस्यों की संयुक्त बैठक संगठन के लालकोठी जयपुर स्थित प्रांतीय कार्यालय में मुख्य संरक्षक व प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा के सान्निध्य व प्रदेशाध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में हुई। जिलाध्यक्ष अशोक गामोट व जिलामंत्री प्रकाश त्रिवेदी ने बताया कि बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने वर्तमान सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल बीतने के बाद भी शिक्षकों के विभिन्न केडर की गत वर्षों की बकाया डीपीसी नहीं करने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी नहीं करने, स्थानांतरण नहीं करने, स्टॉफिंग पैटर्न व शिक्षक समानीकरण, अधिशेष शिक्षकों के समायोजन आदि पर चर्चा करते हुए सरकार को जल्द ही पूर्ण करने की मांग की।

भाजपा अध्यक्ष मदन राठौर का कांग्रेस पर हमला

बोले-विकास के कार्यों में अडचन पैदा करने की बजाए दे सुझाव

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस हर कार्य में केवल दोष ढूंढने का काम करती है। कांग्रेस के नेताओं को जनता से जुड़े कार्यों में रुकावट डालने के बजाय सरकार को बेहतर करने के सुझाव देने चाहिए। लेकिन, कांग्रेस नकारात्मक सोच के साथ काम कर रही है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानते हैं और उनके लिए योजनाएं शुरू कर रहे हैं। पीएम मोदी के भाषणों में सदैव परिवार भाव और वसुधैव कुटुंबकम का ही संदेश मिलता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव एकजुट और संगठित रहने का आह्वान करते हैं। यदि देशवासी एक रहेंगे, संगठित रहेंगे और कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे तो देश का विकास अवश्य होगा और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हमें एकजुटता के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी एक व्यक्ति या पूंजीपतियों को ध्यान में रखकर नीतियां या योजनाएं नहीं बनाई हैं। उन्होंने आम नागरिकों को केंद्रित कर योजनाओं का क्रियान्वयन किया है, चाहे वह 4.5 करोड़ आवास का मामला हो, किसान सम्मान निधि हो, खाद्य सुरक्षा योजना हो, शौचालय निर्माण योजना हो, एमएसपी बढ़ाने की योजना हो या अन्य किसी भी योजना का उद्देश्य हो, सभी योजनाएं आम जनता के कल्याण और उत्थान के लिए शुरू की गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी हर वर्ग और हर समुदाय के लिए कार्य करते हैं और आम नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रयासरत हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि केवल चुनाव या उपचुनाव ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश से कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों से भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर जननेता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। जालौर के भीनमाल और अलवर से आए गणमान्य लोगों को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता दिलवाई गई। वहीं, झुंझुनू के राजपूत समाज के नेताओं और प्रतिनिधिमंडल से भी सीएमआर में मुलाकात की गई।

निर्दलीय प्रत्याशी देवी सिंह के समर्थन में उतरे संगठन

दौसा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे दौसा में विधानसभा उपचुनाव के मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव और भी रोचक होता जा रहा है। पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही थी, लेकिन अब दौसा विधानसभा उपचुनाव के इस दंगल में ब्राह्मण संगठन चाणक्य गण समिति और मिशन हम भारत के लोग ने निर्दलीय प्रत्याशी देवी सिंह के समर्थन में उतरकर मुकाबला और भी दिलचस्प बना दिया है।

दौसा में एक प्रेस वार्ता कर 'हम भारत के लोग' के मुख्य संयोजक योगेश्वर नारायण शर्मा ने कहा कि हम लोगों की तरफ से दौसा उपचुनाव लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ा जा रहा है। इसके लिए हमने एक कमेटी गठित की है। इस मिशन को गांवों, कस्बों और शहरों में जाकर कांग्रेस और भाजपा की जातिवादी, युवा विरोधी और हिंसक विचारधारा को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। 'हम भारत के लोग' के संयोजक कर्नल आरएस बावड़ी ने कहा कि हमारा अनुभव है कि दोनों बड़ी पार्टियां विकास का झुनझुना दिखाकर जनता को जातिवाद और टकराव में धकेलती हैं, फिर शासन करती हैं। साथ ही ये दोनों पार्टियां लोकतंत्र को पार्टी तंत्र की ओर धकेल रही हैं। पार्टी के एक और संयोजक ने कहा कि पार्टी तंत्र के बढ़ने के कारण वास्तविक जनप्रतिनिधि का चुनाव बंद हो चुका है। इसलिए हमने दौसा विधानसभा उपचुनाव में कई निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क किया और सभी को देखने के बाद हमें ऐसा लगा कि हमें देवी सिंह दौसा का समर्थन करना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष जूली बोले-एक बाघ की हत्या और 35 लापता, मामले की न्यायिक जांच हो

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि रणथंभौर नेशनल पार्क में चौदह वर्षीय बाघ टी-86 की हत्या कर दी गई। प्रदेश के वन्यजीव अभयारण्यों में पैंतीस बाघों के लापता हो गए। राज्य सरकार इस गंभीर मामले की न्यायिक जांच कराई जाए। साथ ही, एनटीसीए प्रदेश की सभी टाइगर सेंचुरी और नेशनल पार्क में बनी विषम स्थितियों की समीक्षा करे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में घटी घटनाएं प्रदेश में बाघ संरक्षण कार्यक्रम और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए गहरा झटका हैं। जूली ने कहा कि रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघ की हत्या के चौबीस घंटे तक वन विभाग का इस बारे में अनभिज्ञ बने रहना कई गहरे सवाल खड़े करता है। इस मामले में चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन ने वन विभाग के अधिकारियों की तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है, जो मामले की गंभीरता को देखते हुए नाकाफी है। यह इतना गंभीर मामला है कि इसकी राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश स्तर पर न्यायिक जांच आवश्यक है। जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से पूछा है कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर वे दोनों मौन क्यों हैं। क्या बाघ की हत्या और इससे जुड़े पहलू उनके लिए महत्व नहीं रखते? उनका मौन अचंभित करने वाला है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मानव सुरक्षा और बाघ सुरक्षा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। मानव और बाघ के बीच बढ़ते संघर्ष के कारणों की तह तक जाने की जरूरत है। तभी वन्यजीवों, अभयारण्यों और उनकी परिधि में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा संभव है। इसलिए राज्य सरकार तत्काल न्यायिक जांच के आदेश जारी करे और कुछ दिन पहले बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघिन आरवीटी-2 की संदिग्ध स्थितियों में हुई मौत को भी इस न्यायिक जांच में शामिल करे। जूली ने कहा कि रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघिन आरवीटी-2 की मृत्यु के करीब बीस दिन बाद उसका कंकाल मिला था। वन विभाग इस लापता बाघिन के रेडियो कॉलर लगे होने के बावजूद संदिग्ध स्थितियों में उसकी मृत्यु के कई दिन बाद तक उसका शव नहीं खोज सका था।

प्रेमजाल में फंसाया, दुष्कर्म करने के बाद की हत्या

आरोपी मुस्लिम युवक निकला शादीशुदा

नागौर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले के श्री बालाजी थाने इलाके में लव जिहाद का मामला सामने आया है। शादीशुदा मुस्लिम युवक ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की से पहले रेप किया, फिर हत्या कर दी। मामले को लेकर परिजनों द्वारा नाबालिग पीड़िता से रेप व हत्या की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी को डिटेन किया गया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने एक कुएं में शव को फेंक दिया है। नागौर पुलिस और पांचू थाना पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सर्च किया। आखिर 72 घंटे बीत जाने के बाद नाबालिक लड़की के शव को बाहर निकाला गया। बता दें नागौर जिले के श्री बालाजी थाना इलाके के श्यामसर गांव के रहने वाले नाबालिग लड़की के परिजनों ने 16 वर्षीय नाबालिक बेटी की गुमशुदगी दर्ज करवाई। श्रीबालाजी थाना पुलिस ने परिजनों की निशानदेही पर मुस्लिम युवक को डिटेन किया। युवक से पूछताछ के दौरान उसने पुलिस को बताया कि वह 02 नवंबर की रात्रि को उसको लेकर निकल गया और हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया। नागौर पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने करीब 72 घंटे की कड़ी मश्क्कत के बाद शव को बाहर निकलवाकर युवती के शव को नोखा के राजकीय बांगड़ चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जोधपुर में अनीता चौधरी हत्याकांड का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ इस बीच नागौर में भी यह मामला सामने आया है।

बता दें कि नाबालिग लड़की के गायब होने के बाद श्री बालाजी थाना पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कि तो पता चला है कि पीड़िता का परिवार पिछले दो-तीन साल से श्यामसर गांव में खेती का कार्य करता हैं। परिजनों ने पड़ोसी जाकिर खा पुत्र इब्राहिम खान पर पीड़िता ले जाने का शक जताया। पुलिस ने पीड़ित पिता की रिपोर्ट पर आरोपी श्यामसर गांव निवासी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को जो बताए पुलिस के होश उड़ गए।

आरोपी ने बताया की वह नाबालिग लड़की से प्यार करता था और वो दो नवंबर को रात्रि में उसको लेकर घर से निकल गया। रात्रि में वो नोखा पहुंचे और सुबह वह पांचू थाना इलाके में पहुंच गए। उसके बाद वह उसको लेकर साठिका का गांव में पहुंचा। जहां पर दोनों गांव के बाहर एक कुएं के पास जाकर बैठ गए और शादी करने की बात करने लगे।

आरोपी ने बताया कि युवती ने उसे पर शादी करने का दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया, तब दोनों ने यह निर्णय लिया कि इस कुएं में कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं या फिर घर वापस चलते हैं तो युवती ने मना कर दिया। अब सवाल यह है कि क्या नाबालिग लड़की को आरोपी ने किस तरीके से जाल में फंसाया। शादीशुदा होने के बाद मुस्लिम युवक ने नाबालिग को पहले फंसाया फिर शादी से इनकार कर दिया, अब पुलिस जांच कर रही है कि सच क्या है। मामले को लेकर मंत्री डॉक्टर मंजू बाघमार ने बताया कि हमारी सरकार पूरी तरह से अत्याचार के प्रति पूरी तरह सख्त है। जब महिलाओं के साथ अत्याचार होता है तो हमारी सरकार तुरंत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

बुडागा जंगला कॉलोनी के चौराहे पर इंदिरा गांधी की प्रतिमा लगाई जाएगी : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दीपेट जिला कलेक्टर मनु चौधरी के साथ हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र में हुस्नाबाद नगर पालिका के वार्ड 3, 4, 5, 18 में प्रति वार्ड 50 लाख की लागत से सड़कों और सीवरों के निर्माण के लिए आधारशिला रखीं। इस मौके पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हुस्नाबाद शहर के 20 नगरपालिका वार्डों में प्रत्येक वार्ड में 50 लाख की दर से कार्य कराये गये हैं।

उन्होंने कहा कि हुस्नाबाद में वाचनालय के नाम पर सभी जातियों को 45 लाख रुपये आवंटित किये गये हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आश्वासन दिया कि बुडागा जंगस के लिए भी इंदिरम्मा के नाम पर एक सामुदायिक हॉल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुडागा जंगला कॉलोनी में इंदिरम्मा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी और चौराहे को और विकसित किया जाएगा। उन्होंने नगर आयुक्त को बबल फॉरेस्ट की अवधि के लिए आवश्यक सड़कों के निर्माण से संबंधित विवरण एकत्र करने का आदेश दिया। हुस्नाबाद शहर में गांधी, अंबेडकर, नगरम और करीमनगर चौराहों के विकास के लिए प्रत्येक को 50 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। एलम्मा चेरुवु बंड के विकास के लिए 18 करोड़ रुपये का टेंडर किया गया है, हुस्नाबाद, एसीपी, आरडीओ, बाजार, पुस्तकालय, नगर पालिका में पूर्ण भवन, करीमनगर 4-लेन सड़क, 150 बिस्तरों वाले अस्पताल के पहले चरण के लिए 75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरवई पपन्ना गौड़ पर्यटन विकास, महासागर गांधी विकास, आरटीओ कार्यालय के लिए जगह खरीदी गई है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का काम तुरंत शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री को शिलान्यास के लिए लाया जाना चाहिए। हुस्नाबाद में बारिश के दौरान बाढ़ का पानी घरों में घुसने से रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम बनाने की योजना बनायी जा रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने चावल अनाज और कपास बाजार केंद्रों पर खरीदारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक गलियारा स्थापित करने के लिए औद्योगिक एमडी के साथ चौटापल्ली में स्थल सर्वेक्षण किया गया, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और कोई भी सुझाव दिया जा सकता है, हुस्नाबाद क्षेत्र का हर तरह से विकास किया जायेगा और विधानसभा क्षेत्र के लोगों का सम्मान बढ़ाया जायेगा। कार्यक्रम में सिद्दीपेट जिला कलेक्टर मनु चौधरी, नगरपालिका अध्यक्ष अकुला राजिथा वेंकन्ना, उपाध्यक्ष ऐलेनी अनिता, सिद्दीपेट पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष केदम लिंगमूर्ति, सिंगल विंडो अध्यक्ष शिवय्या, नगर आयुक्त मल्लिकार्जुन, पार्षद और अन्य महत्वपूर्ण नेताओं ने भाग लिया।

शराब पीकर वाहन चलाने पर कोर्ट का अनोखा फैसला

मंचेरियाल, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियाल जिला केंद्र में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में पकड़े गए लोगों की सुनवाई के बाद प्रथम अपर सिविल जज उपनिषध वानी ने एक अनोखा फैसला सुनाया। स्थानीय ट्रैफिक सीआई सत्यनारायण द्वारा बताए गए विवरण के अनुसार मंचेरियाल ट्रैफिक पुलिस ने हाल ही में शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उन्हें अदालत में भेज दिया है। जांच के बाद स्थानीय प्रथम अपर सिविल जज उपनिषद वाणी ने 27 लोगों को जेल की सजा के बजाय एक सप्ताह तक रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक डिस्ट्रिक् सेंटर कॉलेज रोड स्थित माता शिशु केंद्र अस्पताल में साफ-सफाई का काम करने का आदेश दिया है।

पारिवारिक सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के निर्देश

सीएस ने टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा किए गए व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए लगन से काम करने का निर्देश दिया। राज्य में व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण के संचालन की आज विशेष अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की गई। इस टेलीकांफ्रेंस जिसमें योजना विभाग के प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया भी शामिल हुए, में सीएस शांति कुमारी ने कहा कि इस सर्वेक्षण से संबंधित मकान विवरण एकत्र करने और स्टिकर लगाने की प्रक्रिया कल तक पूरी हो जाएगी और वास्तविक सर्वेक्षण इस महीने की 9 तारीख से शुरू होगा। यह स्पष्ट किया गया है कि संयुक्त जिलों में नियुक्त विशेष अधिकारियों को मैदानी स्तर पर जाकर सर्वेक्षण की प्रक्रिया का सीधे निरीक्षण करना चाहिए और जिला कलेक्टरों और सर्वेक्षण नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें करनी चाहिए। एकत्रित विवरणों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित डेटा एंट्री ऑपरेटरों को नियोजित करने के कदम सुझाए गए हैं। पता चला है कि देश में पहली बार शुरू की गई इस घर-घर परिवार सर्वेक्षण प्रक्रिया की निगरानी राज्य के मुख्यमंत्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार को इस सर्वेक्षण में भाग लेना चाहिए और प्रतिदिन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना कोई घर छोड़े इसका आयोजन किया जाना चाहिए।

कांग्रेस सरकार पर कुशासन का आरोप

> केटीआर का तीखा हमला

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह कई मोर्चों पर तेलंगाना को विफल कर रही है। एक्स पर तीखी टिप्पणियों की एक श्रृंखला में, उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में किसानों, छात्रों और गरीबों की दुर्दशा को उजागर किया, सरकार को अप्रभावी और भ्रष्ट बताया। उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना के लोग जल्द ही कांग्रेस को खारिज कर देंगे, उनके कुशासन का अंत करेंगे।

रामा राव ने कल्याण लक्ष्मी और रैतु बीमा जैसी कल्याणकारी योजनाओं को छोड़ने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जिससे लाभार्थी संकट में हैं। उन्होंने गुरुकुल और आश्रम विद्यालयों में चल रही खाद्य विषाक्तता की घटनाओं को संबोधित करने में सरकार की विफलता की निंदा की, और छात्र कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य विषाक्तता की बार-बार होने वाली घटनाओं के बावजूद सरकार क्या कर रही है? रेवंत रेड्डी छात्रों की पीड़ा के प्रति अंधे बने हुए हैं। रामाराव ने रेवंत रेड्डी पर 4,350 करोड़ रुपये की नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) और राघव कंस्ट्रक्शन सहित अपने सहयोगियों से जुड़ी कंपनियों को देने के लिए हमला किया, जबकि पिछली परियोजना विफलताओं पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि क्या यह स्पष्ट पक्षपात कांग्रेस के शासन का संस्करण है? उन्होंने जवाबदेही की मांग की और सार्वजनिक धन की लूट को रोकने की मांग की।

महिला शिक्षिका को परेशान करने के आरोप में कांस्टेबल निलंबित

मेदक, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला शिक्षिका को परेशान करने के आरोप में बुधवार को एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। कांस्टेबल रामू ने कथित तौर पर उस महिला से दोस्ती की, जब वह अपने पति के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने आई थी।

उसने उसका फोन नंबर ले लिया और फोन पर उसे परेशान करना शुरू कर दिया। जब उसने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया, तो कांस्टेबल कथित तौर पर उसके घर गया और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उत्पीड़न सहन न कर पाने पर महिला ने नरसापुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एसपी डी उदय कुमार रेड्डी ने जांच के बाद कांस्टेबल को निलंबित कर दिया।

सीपी ने बीबीनगर पुलिस स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्तालय में कानून व्यवस्था बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए आयुक्त सुधीर बाबू आईपीएस ने आज बीबीनगर पुलिस स्टेशन का औचक दौरा किया। इस मौके पर स्टेशन के आसपास का निरीक्षण किया गया। स्टेशन में रिकॉर्ड की जांच करने के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन, पेट्रोलिंग स्टाफ और सीसीटीवी के रखरखाव जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों के स्टाफ को हमेशा अलर्ट रखें। उन्होंने थाने में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। इस दौरे में बीबीनगर इंस्पेक्टर एम प्रभाकर रेड्डी, बीबीनगर पीएसएसआई रमेश और स्टाफ ने भाग लिया।

श्री सखी बाबा मठ में अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक मास पर पुराना पुल परिसर स्थित श्री सखी बाबा मठ में आरती सहित अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में, श्री सखी बाबा मठ के महन्त ठाकुरदास महाराज के नेतृत्व में भगवान की आरती सहित अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम शाम शुरू हुआ तथा इस पावन कार्यक्रम में सभी गणमान्य व्यक्तियों सहित कई भक्तगणों ने भी भाग लेकर पुण्यलाभ कमाया।

विद्युत मंडल से सेवानिवृत्ति होने पर करुणाकर बाबू (अधीक्षक अभियंता) का सम्मान किया गया। अवसर पर श्रीनिवास रेड्डी मंडल अभियंता, साईबाबा राज्य महासचिव 1104 यूनियन, सुधीर गारू, सर्वेश, रमेश, मुरली बाला कृष्ण और डीई, एडीई और 1104 यूनियन नेता शामिल हुए।

बिहार सहयोग समिति द्वारा छठ पूजा

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना द्वारा छठ पूजा बंडा चेरुवु बतुकम्मा घाट, आंनद बाग, मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालु ने आकर डुबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सरकार द्वारा सैकड़ों घाट पर पूरा इंतजाम किया गया था। इस मौके पर बिनायक नगर कॉरपोरेटर राज लक्ष्मी ने भी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। बिहार महिला एसोसिएशन की माधवी यादव के पूरी टीम द्वारा उनका स्वागत किया गया।

बोइनपल्ली के हसमत पेठ में सूर्य का अर्घ्य देती व्रती महिलाएं।

चर्चा में जनगांव का 'ट्रम्प मंदिर'

> ग्रामीणों ने डोनाल्ड ट्रम्प की जीत का मनाया जश्न

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के साथ ही, 2019 में तेलंगाना के एक गांव में एक व्यक्ति द्वारा बनाया गया मंदिर एक बार फिर चर्चा में आ गया, जहां ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेता की जीत का जश्न मनाया। जनगांव जिले के कोने गांव में अपने घर में मूर्ति स्थापित करने वाले और नियमित रूप से उसकी पूजा करने वाले बुस्सा कृष्णा के रिश्तेदारों और कुछ अन्य ग्रामीणों ने मूर्ति की सफाई की और उस पर माला चढ़ाई।

कृष्णा का अक्टूबर 2020 में 33 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उन्होंने 2018 में अपने पूजा कक्ष को डोनाल्ड ट्रम्प के लिए मंदिर में बदल दिया था। एक उत्साही भक्त की तरह उन्होंने अपने कमरे में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की तस्वीर स्थापित कर रखी थी और प्रतिदिन उसकी पूजा करते थे। 2019 में उन्होंने अपने घर के सामने ट्रंप की छह फुट ऊंची मूर्ति बनवाई और नियमित पूजा-अर्चना कर उसे दूध से नहलाया। उन्होंने दावा किया कि मूर्ति स्थापित करने में 2

लाख रुपये खर्च हुए हैं।

कृष्णा, जिन्हें अपने गांव में ट्रम्प कृष्णा उपनाम मिला था, ने अपने घर में ट्रम्प के पोस्टर और स्टिकर भी चिपकाए थे और दीवारों पर ट्रम्प की प्रशंसा में चित्र भी लिखवाए थे।

जब ट्रम्प कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे, तो कृष्णा ने एक मिनट का वीडियो जारी किया था, जिसमें वह रोते हुए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए दिखाई दिए थे। उन्होंने 2020 में उनके फिर से चुने जाने के लिए भी प्रार्थना की थी। गांव में अपनी दो एकड़ जमीन पर खेती की देखभाल करने वाले कृष्णा ने बताया कि उन्होंने ट्रंप को सपने में देखा था और 2019 क्रिकेट विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत की भविष्यवाणी की थी, जिसके बाद से उन्होंने ट्रंप की पूजा करना शुरू कर दिया था। भारत के मैच जीतने के बाद, कृष्णा का ट्रंप पर विश्वास और मजबूत हो गया।

एक अन्य अवसर पर, उन्होंने अमेरिका में तेलंगाना के एक तकनीकी विशेषज्ञ की हत्या का हवाला दिया, जिसने उन्हें ट्रम्प के लिए एक मंदिर बनाने के लिए प्रेरित किया। श्रीनिवास कुचिभोटला की 2017 में एक अमेरिकी नौसेना के पूर्व सैनिक ने कथित घृणा अपराध के तहत हत्या कर दी थी।

कृष्णा का मानना था कि वह भारतीयों के प्रति प्रेम और स्नेह प्रदर्शित करके अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके लोगों को भारतीयों की महानता समझा सकते हैं और इसलिए उन्होंने ट्रम्प की पूजा शुरू कर दी।

छठ व्रतियों ने दिया अस्ताचल सूर्य का अर्घ्य

उप्पल में छठ पूजा करती सरदार परिवार की महिलाएं।

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवासी उत्तर भारतीयों द्वारा आज लोक आस्था, पवित्रता व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा के संध्या अर्घ्य के साथ अस्ताचल सूर्य देव को पूजा की गई। बिहार एसोसिएशन महासचिव प्रभास कुमार बताया कि शहर के 40 से अधिक घाटों पर पूजा की व्यवस्था की गई थी।

एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, मानवेन्द्र मिश्रा एवं टीम द्वारा सभी घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए अर्घ्य की उत्तम व्यवस्था की गई। संगठन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा के संध्या अर्घ्य शहर के सभी तलाब के घाटों पर संपन्न कराया गया। चिल्ड्रन पार्क टैंकबंड मुख्य घाट भरत सिंह, उप्पल घाट- रविशंकर सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, दिलीप कुमार, नागौल घाट- ए के मौर्य एवं राजेश कुमार, शमीरपेट घाट - दीपक पंडा, मनोज कुमार, हसमतपेट घाट- उत्तम यादव,हरे राम सिंह, दीपक यादव, जलविहार- अजय ओझा एवं रितेश सिंह, पठान शेरु घाट- किशन प्रसाद, शमशाबाद घाट- नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, मियांपुर घाट- प्रेम शंकर सिंह, सुराराम घाट- दिनेश सिंह, जीड़िमेटला घाट सौरव सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य सूर्य देव को अर्घ्य देकर छठ महापर्व मनाया।

रावणा राजपूत समाज का दिपावली स्नेह मिलन 10 को

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रावणा राजपूत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय जागरण एवं दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम शनिवार 9 नवंबर एवं रविवार 10 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष पिन्टुसिंह परमार ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य में भव्य जागरण एवं दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भारत माता के लाल स्व.मेजर दलपतसिंह शेखावत देवली के 100वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पितकर, श्री अम्बे माँ एवं पुज्य गुरुवर की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप व ज्योत प्रज्वलितकर, आरती के पश्चात शनिवार 9 नवंबर रात्रि 8.30 बजे से श्रृंगऋषि भवन दालमंडी हैदराबाद में श्री अम्बे माताजी जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छोटुसिंह रावणा भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। रविवार 10 नवंबर होटल ग्राण्ड सुदर्शनी इन जामबाग में समाज बन्धुओं के सानिध्य में दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम के तहत मुख्यअतिथि विधायक टी.राजासिंह, कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों, कार्यक्रम के लाभार्थीयों का राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया जाएगा। संरक्षक भीमसिंह सोलंकी, गणपतसिंह पड़िहार, नारायणसिंह चौहान, भंवरसिंह चौहान ने समाज बन्धुओं व आमंत्रित महानुभावों से विशेष निवेदन किया है कि कार्यक्रम में सपरिवार समयपर पधारकर लाभ लेवे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज के पदाधिकारी, व सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहेंगे।

'फ्रीडम पार्क' का अनावरण

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु 'फ्रीडम पार्क' का अनावरण जीईएफ इंडिया समूह ग्रुप उपाध्यक्ष अक्षय चौधरी तथा जीईएफ इंडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, (विक्रय तथा विपणन) पी. चंद्र शेखर रेड्डी ने जीएचएमसी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स के निर्माता जेमिनी एडिबल एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड (जीईएफ इंडिया) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत कुकटपल्ली में विशेष रूप से डिजाइन किया गया फ्रीडम पार्क का अनावरण किया। इसकी लागत 2.76 करोड रुपये आई है। इसमें जॉगिंग/वॉकिंग ट्रैक, एक एम्फीथिएटर, सामुदायिक समारोहों हेतु कवर्ड ज़ोन, चमकीले और रंगीन झूलों सहित बच्चों के लिए खेल का मैदान, आउटडोर जिम के लिए उपकरण, योग ज़ोन, बेंच, वॉशरूम आदि है।

इस दौरान ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट अक्षय चौधरी ने कहा, हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और स्वागत योग्य वातावरण बनाना है, जो बाह्य गतिविधियों, पारिवारिक समारोहों और फिटनेस को प्रोत्साहित करता है। फ्रीडम पार्क मनोरंजन और सामाजिक जुड़ाव के लिए महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करेगा।

सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, पी. चंद्र शेखर रेड्डी ने कहा कि, फ्रीडम ऑयल में हम आम जनता को स्वास्थ्यवर्धक भोजन करने और स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित करने में विश्वास करते हैं। जिसमें जीएचएमसी के साथ हमारे सहयोग से एक ऐसा स्थान बना है, जो न केवल कुकटपल्ली के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है, बल्कि समुदाय और कल्याण की भावना को भी बढ़ावा देता है।

कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण की सुनवाई, परिचालन प्रोटोकॉल पर व्यक्त की गईं चिंताएं

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच जल बंटवारे के विवादों की सुनवाई कर रहे कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण के समक्ष जल विज्ञान विशेषज्ञ अनिल कुमार गोयल से चल रही जिरह से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के बीच जल आवंटन और जलाशय प्रबंधन से जुड़ी जटिलताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। गोयल एक निजी सलाहकार हैं, जो पहले केंद्रीय जल आयोग में काम कर चुके हैं और उनका हलफनामा एक सुझावात्मक परिचालन प्रोटोकॉल के साथ एपी द्वारा दायर किया गया था। इसका उद्देश्य श्रीशैलम और नागार्जुन सागर परियोजनाओं जैसे प्रमुख जलाशयों से जल उपयोग को अनुकूलित करना था। उन्हें तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन से जल-निर्भर परियोजनाओं की सफलता दर के बारे में गहन पूछताछ का सामना करना पड़ा। जिरह के दौरान, गोयल ने स्वीकार किया कि प्रस्तावित प्रोटोकॉल का एक उद्देश्य क्षेत्र में जल परियोजनाओं की सफलता दर में सुधार करना था। हालांकि, जब विशिष्ट आंकड़ों और सफलता दरों, खासकर कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण पुरस्कार (केडब्ल्यूडीटी-आई) के अनुसार तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए निर्धारित पानी के उपयोग के बारे में पूछा गया, तो गोयल ने स्वीकार किया कि उनके हलफनामे में संरक्षित उपयोग के बारे में डेटा शामिल था, लेकिन उन्होंने विशेष रूप से सहायक नदियों पर स्थित परियोजनाओं के लिए उपयोग दरों की गणना नहीं की थी।

एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने स्थापना दिवस पर, किया पोर्टेबल शौचालय का वितरण

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने अपने स्थापना दिवस पर, एससीएफ, हैदराबाद को पोर्टेबल शौचालय का वितरण किया। इस संदर्भ में महा प्रबंधक (एचआर) एसएन पाणिग्रही ने केबिन और शौचालय का उद्घाटन किया तथा इसे एससीएफ को सौंप दिया। मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव, आंध्र प्रदेश प्रवीण कुमार, उपस्थित हुए। एनटीपीसी अपनी 50वीं स्वर्ण जयंती मना रहा है तथा इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिसमें, एनटीपीसी के दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने सीएसआर के अंतर्गत स्पोर्ट्स कोचिंग फाउंडेशन (एससीएफ), हैदराबाद को पोर्टेबल शौचालयों एवं पोटा केबिन वितरित किए। इस अवसर पर पाणिग्रही ने बच्चों को संबोधित कर, उन्हें खेलों की आदत डालने के लिए प्रोत्साहित किया। एनटीपीसी समूह की वर्तमान स्थापित क्षमता 76475.68 मेगावाट्स रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट : इंडिया-ए 161 रन पर ऑलआउट

ध्रुव जुरेल की फिफ्टी, बारिश की वजह से खेल रुका; पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया-ए का स्कोर 53/2

मेलबर्न, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में इंडिया-ए की पहली पारी 161 रन पर सिमट गई। टीम के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 26 रन का योगदान दिया। नीतीश रेड्डी ने भी 16 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 4 और ब्यू वेबस्टर ने 3 विकेट लिए।

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ओपनिंग पोजिशन पर फेल रहे। उन्हें 4 रन पर स्कॉट बोलैंड ने आउट किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में फ्लॉप रहने के बाद केएल राहुल को इंडिया ए से खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया भेजा गया था। 2 मैचों की सीरीज में इंडियन टीम 0-1 से पिछड़ रही है।

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप्स तक 2 विकेट खोकर 53 रन बना लिए हैं। मुकेश कुमार और खलील अहमद को 1-1 विकेट मिले।

8 रन ही बना सके टॉप-4 इंडियन बैटर्स, 2 का खाता नहीं खुला

टॉस हार कर बल्लेबाजी कर रही इंडिया ए की शुरुआत खराब रही। टीम ने 64 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। टीम ने शून्य के स्कोर पर 2 विकेट गंवाए। ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन शून्य पर आउट हुए।

यहां माइकल निसार ने पहले ओवर की तीसरी और चौथी बॉल पर विकेट लिए। उन्होंने अभिमन्यु ईश्वरन को रोचिओडी के हाथों कैच कराया। फिर अगली ही गेंद पर साई सुदर्शन को विकेटकीपर पियरसन के हाथों कैच कराया।

केएल राहुल और कप्तान ऋतुराज गायकवाड भी खास प्रदर्शन नहीं कर सके। दोनों ने 4-4 रन ही स्कोर किए। केएल राहुल को बोलैंड और गायकवाड को नासिर ने पवेलियन भेजा।

नेसर को पहले ओवर में 2 विकेट

ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज माइकल नेसर ने पहले ओवर में लगातार दो बॉल पर 2 विकेट झटके। उन्होंने अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन और ऋतुराज गायकवाड को पवेलियन की राह दिखाई।

ऑस्ट्रेलिया ए ने 7 विकेट से जीता मुकाबला

इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ए ने 7 विकेट से जीत लिया है। कप्तान नाथन मैकस्वीनी ने नाबाद 88 रनों की पारी खेली और 3 विकेट खोकर 225 रन का टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले इंडिया ए ने दूसरी पारी में 312 रन बनाए थे। साई सुदर्शन ने 103 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 88 रन बनाए।

उत्तराखंड में अगले साल 28 जनवरी से शुरू होंगे 38वें राष्ट्रीय खेल

आईओए ने लगाई मुहर

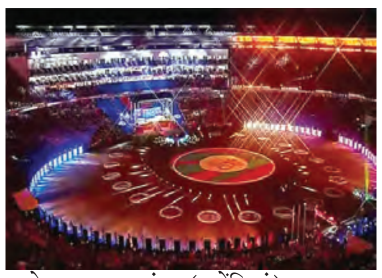

देहरादून, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अगले वर्ष 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लिखे एक पत्र में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की इन तिथियों पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। संघ की ओर से आयोजन को सफल बनाने के लिए पांच विभिन्न समितियों के गठन की सूचना भी दी गयी है।

पिछले माह अपने दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से मुलाकात कर राष्ट्रीय खेलों की तारीख घोषित किए जाने का अनुरोध किया था और उन्होंने तभी आयोजन की प्रस्तावित तारीखों को सहर्ष अपनी स्वीकृति दे दी थी। अब राष्ट्रीय खेलों की तिथि का औपचारिक ऐलान कर दिया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए पांच समितियों का गठन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल महाकुंभ के लिए उत्तराखंड पूरी तरह से तैयार है और इस आयोजन को यादगार बनाने में कोई भी कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा, 'दूसरे राज्यों में पिछले राष्ट्रीय खेलों के अनुभवों के आधार पर उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेल बेहतर ढंग से आयोजित किए जाएंगे। हमारा प्रयास होगा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अभी तक हुए राष्ट्रीय खेलों से बेहतर हो।'

लखनऊ की बेटी तनुश्री ने बढ़ाया मान

चाइना में जीता सिल्वर मेडल, परिजनों सहित शिक्षकों ने दी बधाई

गोंडा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के जिंगशान में आयोजित फोर्थ वर्ल्ड जूनियर साफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में लखनऊ की बेटी व शहर के रघुकुल विद्यापीठ की छात्रा तनुश्री पांडेय ने सिल्वर मेडल हासिल किया है। 21 वर्षीय तनुश्री की उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों व सहपाठियों ने बधाई दी है।

भारतीय एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस महासंघ की ओर से चीन के जिंगशान में एक से छह नवंबर तक चल रही प्रतियोगिता में तनुश्री पांडेय हिस्सा ले रही हैं। लखनऊ के रायबरेली रोड वृंदावन उतरेठिया निवासी अनिल पांडेय और नीलम पांडेय की बेटी तनुश्री शुरू से ही टेनिस खेलती रही हैं। चीन में आयोजित प्रतियोगिता में महिलाओं के एकल स्पर्धा में उन्होंने लीग मुकाबलों में विपक्षी देशों की खिलाड़ियों को शिकस्त दी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला जापान की खिलाड़ी से हुआ। जिसमें उन्होंने 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में उनकी भिड़ंत चाइना ताइपे की खिलाड़ी चियांग मिन यू से हुई। रोमांचक मुकाबले में चियांग मिन यू ने 4-3 अंतर से जीत दर्ज की। तनुश्री को सिल्वर मेडल दिया गया। इसके पहले भी वह कई प्रतियोगिता में मेडल जीत चुकी हैं। तनुश्री के पिता अनिल पांडेय व्यवसाई हैं। जबकि मां गृहिणी हैं। उनका छोटा भाई अभी पढ़ाई कर रहा है।

पिता ने बताया कि पिछले 15 वर्ष से तनुश्री टेनिस खेल रही हैं। उनका सपना ओलंपिक में मेडल प्राप्त करना है। वहीं तनुश्री गोंडा के रघुकुल महिला विद्यापीठ में स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। तनुश्री पहले भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं।

उन्होंने अपनी जीत का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। महाविद्यालय के प्रबंधक सुमित भूषण सिंह, मुख्य नियंता लेफ्टिनेंट डॉ. हरिनाथ सिंह, नृपेंद्र मिश्रा, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. सत्येंद्र सिंह, विजय कुमार सिंह, अरविंद श्रीवास्तव, डॉ. उमा पाठक, डॉ. नीतू चंद्रा, शक्ति त्रिपाठी, हुमैरा आफरीन, निशि तिवारी ने बधाई दी है।

मेगा ऑक्शन से पहले किस टीम के पर्स में बचे कितने पैसे

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मेगा ऑक्शन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। फैंस की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि इस बार कौनसा खिलाड़ी सबसे महंगा बिकने वाला है। ऑक्शन कई धांसू खिलाड़ी शामिल हैं। ऋषभ पंत से लेकर ईशान किशन और केएल राहुल तक इस बार ऑक्शन का हिस्सा है। मेगा ऑक्शन से पहले ज्यादातर फ्रेंचाइजियों ने 5-5 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। दो टीमें ऐसी हैं जिन्होंने 6-6 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। जबकि पंजाब किंग्स एक ऐसी टीम है जिसने महज 2 खिलाड़ियों को ही रिटेन किया है। ऐसे में अब प्रीति जिंटा की पंजाब किंग्स ऑक्शन में सबसे ज्यादा पैसे लेकर जाने वाली है। चलिए, अब हम आपको बताते हैं कि कौन सी फ्रेंचाइजी कितने पैसे लेकर इस बार ऑक्शन में बैठने वाली है।

पंजाब किंग्स के पास सबसे ज्यादा राशि

मेगा ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स ने अपने महज 2 खिलाड़ियों को ही रिटेन किया है। ऐसे में इस टीम के पर्स में सबसे ज्यादा पैसे बचे हैं। पंजाब किंग्स के पर्स में फिलहाल 110.5 करोड़ रुपये की राशि है। ऐसे में ये टीम कई बेहतरीन खिलाड़ियों पर बोली लगाकर अपनी टीम को सबसे मजबूत कर सकती है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दूसरी ऐसी टीम है जो इस बार मेगा ऑक्शन में सबसे ज्यादा पैसे लेकर उतरने वाली है। आरसीबी के पास इस बार पर्स में 83 करोड़ रुपये की राशि बची है। ऐसे में आरसीबी भी अपनी टीम को ज्यादा मजबूत करने के लिए कई शानदार खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश कर

बाकी टीमों के पास कितने बची पर्स राशि

- दिल्ली कैपिटल्स- 73 करोड़ रुपये
- गुजरात टाइटंस- 69 करोड़ रुपये
- लखनऊ सुपर जायंट्स- 69 करोड़ रुपये
- चेन्नई सुपर किंग्स- 55 करोड़ रुपये
- कोलकाता नाइट राइडर्स- 51 करोड़ रुपये
- मुंबई इंडियंस- 45 करोड़ रुपये
- सनराइजर्स हैदराबाद- 45 करोड़ रुपये
- राजस्थान रॉयल्स- 41 करोड़ रुपये

'भारतीय बल्लेबाज रोहित-कोहली की फॉर्म पर पैट कमिंस का बड़ा बयान

मेलबोर्न, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया जल्द ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली है। जहां बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। हाल ही में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के हाथों भारत में ही 3-0 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद अब टीम इंडिया के सामने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को जीतने की कड़ी चुनौती होगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को ये सीरीज जीतनी होगी। लेकिन कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की टेंशन को बढ़ा रखा है। वहीं अब इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों की फॉर्म को लेकर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का बड़ा बयान सामने आया है।

भारतीय बल्लेबाजों को लेकर कमिंस का बयान

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पैट कमिंस ने कहा कि, "वास्तव में यह जानना मुश्किल है। हर खिलाड़ी अच्छे फॉर्म या बुरे फॉर्म से गुजरता है। अगर आपका टेस्ट करियर लंबा है, तो आपको कुछ छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। हमारा काम स्पष्ट रूप से भारतीय बल्लेबाजों को जितना हो सके उतना शांत रखना है, इसलिए हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। वे दोनों निश्चित रूप से भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से हैं, इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है।"

न्यूजीलैंड के खिलाफ फ्लॉप रहे थे रोहित-कोहली

हाल ही में भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी। जिसमें टीम इंडिया एक भी मैच नहीं जीत पाई थी। इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। इन दोनों की फॉर्म को लेकर काफी सवाल भी उठ रहे हैं।

न्यूजीलैंड से मिली टेस्ट सीरीज में 3-0 की बड़ी हार का जिम्मेदार कहीं न कहीं रोहित और कोहली को भी माना गया है। इस सीरीज में जहां रोहित के बल्ले से 91 रन निकले थे तो वहीं विराट कोहली तीन मैचों में महज 93 रन बना पाए थे। जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल था।

रन आउट होने के बावजूद खेलती रहीं एलिस पैरी

वीमेंस बिग बैश लीग में घनघोर लापरवाही

सिडनी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में खेली जा रही वीमेंस बिग बैश लीग में एलिस पैरी का दमदार प्रदर्शन जारी है। सिडनी सिक्सर्स की इस कप्तान ने होबार्ट हरीकेंस के खिलाफ भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. लेकिन उस पारी के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसपर यकीन कर पाना मुश्किल है. दरअसल एलिस पैरी इस मुकाबले में रन आउट हो गई थीं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने खेलना जारी रखा. ये घटना 20वें ओवर की है जब तीसरी गेंद पर कारमिचेल ने तेजी से एक सिंगल चुराने की कोशिश की. एलिस पैरी स्ट्राइक लेने के लिए दौड़ीं और इस दौरान विकेटकीपर ने बेल्स उड़ा दी. एलिस पैरी क्रीज तक नहीं पहुंचीं थीं और गजब की बात ये है कि फील्डिंग टीम ने अपील तक नहीं की. इसके बाद एलिस पैरी बल्लेबाजी करने लगीं.

एलिस पैरी के उस रन का जब रीप्ले देखा गया तो पाया गया कि वे खिलाड़ी क्रीज से बाहर थी. यहां एक सवाल ये है कि आखिर लेग अंपायर ने तीसरे अंपायर की मदद क्यों नहीं ली. दरअसल जब फील्डिंग टीम अपील करती है तभी मैदानी अंपायर तीसरे अंपायर की मदद लेते हैं और होबार्ट हरीकेंस की खिलाड़ियों ने ऐसा किया ही नहीं.

अंत में एलिस पैरी ही होबार्ट हरीकेंस की हार की बड़ी वजह बनीं. सिडनी की कप्तान ने महज 62 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली. इस बल्लेबाज ने 11 चौके और 2 छक्के लगाए. पैरी के अलावा सिडनी की कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सकी और यही वजह है कि टीम ने महज 155 रन बनाए. बड़ी बात ये है कि ये रन भी होबार्ट हरीकेंस पर भारी पड़े. होबार्ट की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना सकी. बता दें इस टूर्नामेंट में एलिस पैरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी भी हैं. एलिस पैरी ने 5 मैचों में 252 रन बना लिए हैं.

आईपीएल 2025: क्या बेन स्टोक्स पर लगा बैन?

कब तक नहीं खेल पाएंगे आईपीएल

खेल डेस्क, , 7 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होने वाला है। इस बार ऑक्शन कई बड़े नाम शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपये की बोली लगती हुई दिखाई दे सकती है। वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड के धाकड़ ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने इस बार मेगा ऑक्शन के लिए अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। यानी इस बार स्टोक्स ऑक्शन का हिस्सा नहीं होने वाले हैं। जिसके बाद अब स्टोक्स को बीसीसीआई के नए नियम की मार झेलनी होगी। फैंस के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या स्कोक्स को बैन कर दिया जाएगा या कितने साल तक ये ऑलराउंडर आईपीएल में नहीं खेलेगा।

आईपीएल 2026 में भी नहीं खेलेंगे स्टोक्स

दरअसल कई बार देखा गया है कि ऑक्शन में अच्छी कीमत पर बिकने के बाद कई विदेशी खिलाड़ी सीजन शुरू होने से पहले अपना नाम वापस ले लेते हैं। जिसको लेकर आईपीएल 2025 से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक नया नियम लागू किया था। बीसीसीआई के नए नियमानुसार अगर कोई खिलाड़ी मेगा ऑक्शन के लिए अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराता है तो वो अगले ऑक्शन में हिस्सा नहीं ले पाएगा। जिसके बाद अब बेन स्टोक्स आईपीएल 2026 में भी खेलते हुए नहीं दिखाई देंगे।

आईपीएल 2023 ऑक्शन का थे हिस्सा

इससे पहले बेन स्टोक्स आईपीएल 2023 ऑक्शन का हिस्सा थे। इस दौरान चेन्नई सुपर किंग्स ने इस ऑलराउंडर पर जमकर पैसों की बरसात की थी। आईपीएल 2023 ऑक्शन में बेन स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन इस सीजन उन्होंने चेन्नई के लिए एक भी मैच नहीं खेला था। हालांकि इससे पहले मेगा ऑक्शन 2022 में स्टोक्स ने हिस्सा नहीं लिया था।

स्टोक्स का आईपीएल करियर

इंग्लैंड टीम का ये धाकड़ ऑलराउंडर आईपीएल में अभी तक 45 मैच खेल चुका है। जिसमें बल्लेबाजी करते हुए बेन स्टोक्स ने 935 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। वहीं गेंदबाजी करते स्टोक्स ने 28 विकेट चटकाए हैं। सीएसके से पहले स्टोक्स राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे।

कीसी कार्टी और ब्रैंडन किंग के तूफान में उड़ा इंग्लैंड

वेस्टइंडीज ने 8 विकेट रौंदकर वनडे सीरीज पर 2-1 से किया कब्जा

सेंट लूसिया, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज खत्म हो चुकी है. दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला बारबडोस के केंसिंग्टन ओवल ब्रिजटाउन में खेला गया था. इस मैच में मेजबान टीम ने इंग्लिश टीम को धूल चटा दी. पहले गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी से इंग्लैंड पूरी तरह पस्त कर दिया. वेस्टइंडीज की ओर से कीसी कार्टी और ब्रैंडन किंग ने शतक ठोककर मुकाबले को एकतरफा कर दिया. इंग्लिश टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 263 रन बनाए थे, जिसे वेस्टविंडीज ने सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 42 गेंद रहते ही चेज कर लिया. इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज पर भी 2-1 से कब्जा जमाया.

किंग और कार्टी का धमाकेदार शतक

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आखिरी मैच में अपना जलवा दिखाया. 264 रन को चेज कर रहे ब्रैंडन किंग ने अपने ओपनिंग पार्टनर एविन लुईस के जल्दी आउट होने के बाद कीसी कार्टी के साथ 209 रन की साझेदारी की. इससे इंग्लैंड की टीम पूरी तरह मुकाबले से बाहर हो गई. किंग ने 117 गेंद में 102 रन की शानदार पारी खेली. वहीं कार्टी ने 114 गेंद में 128 रन बनाए. दोनों की इस पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने आसान जीत दर्ज की. इसके साथ ही वनडे सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया.किंग को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 की रोमांचक मोड़ पर थी. आखिरी मैच में सीरीज के चैंपियन का फैसला होना था. वेस्टइंडीज ने इस डिसाइडर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो उसके हक में गया. गेंदबाजों ने इंग्लैंड की नई टीम को सिर्फ 24 रन पर 4 विकेट गिराकर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया.

24 रन बनाने में गंवाए 8 विकेट, ताश के पत्तों की तरह ढेर हुई बांग्लादेश

अफगानी गेंदबाज ने मचाया कहर

शारजाह, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच यूएई में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है. सीरीज का पहला मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. ये मुकाबला काफी ऐतिहासिक था, दरअसल, शारजाह के इस मैदान पर ये 300वां इंटरनेशनल मैच था. इस मैच में अफगानिस्तान ने बाजी मारी और जीत के साथ सीरीज की शुरुआत की. अफगानिस्तान के लिए इस मुकाबले में जीत का हीरो 18 साल का एक खिलाड़ी रहा. इस युवा गेंदबाज ने आगे बांग्लादेश की टीम ताश के पत्तों की तरह ढेर हो गई. अफगानिस्तान की पूरी टीम 49.4 ओवरों में महज 235 रन बनाकर सिमट गई. इस दौरान महज 35 रन के स्कोर पर टीम के चार बल्लेबाज पवेलियन

लौट गए थे.लेकिन कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और दिग्गज खिलाड़ी मोहम्मद नबी की ओर से कमाल की पारियां देखने को मिलीं. हशमतुल्लाह शाहिदी ने 52 रनों का योगदान दिया. वहीं, मोहम्मद नबी ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाए.

बांग्लादेश की टीम को ये मैच जीतने के लिए 236 रनों का ही टारगेट मिला था. लेकिन युवा गेंदबाज अल्लाह गजनफर के आगे बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सका, जिसके चलते बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में 143 रन बनाकर ढेर हो गई. इस दौरान अल्लाह गजनफर ने सिर्फ 6.3 ओवर में 26 रन देकर 6 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया. इसके अलावा रशीद खान को 2 सफलता मिलीं. मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई भी 1-1 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे. बता दें, अफगानिस्तान की टीम इस समय काफी शानदार प्रदर्शन क रही है. उसने हाल ही में साउथ अफ्रीका को भी वनडे सीरीज में 2-1 से हराया था. बता दें, बांग्लादेश की टीम एक समय काफी अच्छी स्थिति में थी. उसने 2 विकेट के नुकसान पर 120 रन बना लिए थे. लेकिन इसके बाद वह 23 रन ही जोड़ सकी और ऑल आउट हो गई.

तेलंगाना को देश के सबसे ऊंचे स्वर्ण गोपुरम श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी पर गर्व : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि पहला सबसे ऊंचा स्वर्णगोपुरम यादगिरी गुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी का है जो तेलंगाना राज्य का गौरव है। यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी मंदिर के विकास और यादगिरिगुट्टा मंदिर द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा के मद्देनजर सचिवालय में धर्म मंत्रालय के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मंत्री कोंडा सुरेखा के निर्देशन में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार के सलाहकार (बुनियादी ढांचे और परियोजनाएं) केएस श्रीनिवास राजू, राजस्व विभाग के मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, एमएयूडी के प्रमुख सचिव दाना किशोर, राजस्व विभाग के आयुक्त हनुमंत कोंडीबा, टीवाईडीए के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशन राव, अतिरिक्त आयुक्त राजस्व विभाग कृष्णावेनी, ज्योति, आरजेसी रामकृष्ण राव, यादगिरी गुट्टा ईओ भास्कर राव, वाईटीडीए संपदा अधिकारी संतोष और अन्य ने भाग लिया। यादगिरिगुट्टा मंदिर के व्यापक विकास के लिए, यादगिरिगुट्टा मंदिर विकास प्राधिकरण और देवदया विभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण वाईटीडीए के उपाध्यक्ष किशन राव और देवदया विभाग के ईओ मंत्री सुरेखा को विस्तार से बताया गया। वाईटीडीएके उपाध्यक्ष किशन राव ने कहा वाईटीडीए के तत्वावधान में, मंदिर और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए कुल 1241.36 एकड़ भूमि एकत्र की गई है। उपाध्यक्ष ने बताया कि यादगिरी गुट्टा मंदिर की भविष्य की जरूरतों के लिए अधिग्रहित की जाने वाली 101.10 एकड़ भूमि से संबंधित फाइल वर्तमान में यादाद्री भुवनगिरी जिला कलेक्टर के कार्यालय में है। इसी तरह, मंत्री सुरेखा ने गली गोपुरम के विस्तार के हिस्से के रूप में अपने घर खोने वाले लोगों को मुआवजे के हिस्से के रूप में प्रदान किए जाने वाले लाभों के विवरण के बारे में पूछताछ की। मंत्री सुरेखा ने उनमें से 162 को उपलब्ध कराये जाने वाले शेड्टरों के विवरण के बारे में जानकारी ली। लंबित कार्यों को पूरा कर लाभुकों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

वीसी किशन राव ने मंत्री सुरेखा को वाईटीडीए को आवंटित कुल बजट, उपलब्ध धनराशि, पहले से पुष्टि और लंबित कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि का विवरण समझाया। इस अवसर पर मंत्री सुरेखा ने वाईटीडीए के अधिकारियों को कल सीएम की समीक्षा के संदर्भ में सटीक विवरण के साथ आने का निर्देश दिया। यादगिरी गुट्टा मंदिर की ईओ मंत्री सुरेखा ने दानदाताओं के दान से देवोदय विभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण बताया। उन्होंने कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद किये गये विकास कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस मौके पर मंत्री सुरेखा ने ईओ को दानदाता निधि से होने वाले विकास कार्यक्रमों में गाइडलाइन का पालन करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री रेवंत आज यादगिरिगुट्टा जाएंगे

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शुक्रवार को यादगिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर जाएंगे। वह सुबह 8:45 बजे हेलीकॉप्टर से मंदिर पहुंचेंगे और मुख्य देवता की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। भगवान लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे यादगिरिगुट्टा मंदिर विकास प्राधिकरण (वाईटीडीए) के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर 1 बजे वह यादद्री भोंनगीर जिले के वलिगोंडा मंडल के संगम गांव पहुंचेंगे। वहां रेवंत रेड्डी मूसी नदी के किनारे पदयात्रा करेंगे और भीमा लिंग और धर्मारेड्डी नहरों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद, मुख्यमंत्री मूसी नदी बेसिन क्षेत्र के किसानों से मिलेंगे और उनकी कल्याण संबंधी जरूरतों, खासकर मूसी नदी में प्रदूषण से उत्पन्न चुनौतियों को समझेंगे, जो उनकी आजीविका को प्रभावित करती हैं। किसानों के साथ बातचीत के बाद रेवंत रेड्डी हैदराबाद लौट आएंगे।

मंत्री श्रीधर बाबू ने पंचायत विरोध को लेकर बीआरएस नेताओं की आलोचना की :

उद्योग और आईटी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बीआरएस नेताओं की तीखी आलोचना की है, उन्होंने पूर्व सरपंचों के साथ उनके हालिया विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाया है, जिनमें से कई गंभीर वित्तीय तनाव का सामना कर रहे हैं। अवैध बिलों के लिए जिम्मेदार लोग, जिन्होंने 60 सरपंचों को आत्महत्या करने पर मजबूर किया, अब कैसे विरोध कर सकते हैं जैसे कि वे उनका समर्थन करते हैं? मंत्री श्रीधर बाबू ने विडंबना बताते हुए टिप्पणी की। श्रीधर बाबू ने बताया कि ग्रामीण परियोजनाओं के लिए भुगतान में देरी ने सरपंचों को कर्ज में डूबने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, जब स्थानीय ठेकेदार छोटे विकास कार्यों को करने के लिए तैयार नहीं थे, तो सरपंचों ने आगे आकर खुद ही परियोजनाएं पूरी कीं, लेकिन उस समय सत्ता में बैठे लोगों ने उन्हें वित्तीय बोझ में डाल दिया। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर गांव के विकास के लिए निर्धारित लगभग 1,300 करोड़ को अन्य क्षेत्रों में डायवर्ट करने का आरोप लगाया, जिससे सरपंचों को भुगतान नहीं किया गया और वे संघर्ष कर रहे हैं। कई सरपंचों को सामुदायिक परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उच्च ब्याज दरों पर निजी ऋण लेना पड़ा। श्रीधर बाबू ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा 30 महीने से अधिक समय से लंबित रखे गए अवैतनिक बिलों के कारण ये ऋण अब भारी हो गए हैं। उनके अनुसार, यह बोझ 60 सरपंचों की दुखद आत्महत्याओं का एक कारक रहा है, जबकि कम से कम 200 अन्य ने पिछले प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया दिए बिना वित्तीय तनाव के कारण आत्महत्या का प्रयास किया।

गांधी प्रतिमा तोड़फोड़ मामले में संदिग्धों की गिरफ्तारी

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली पुलिस ने बालानगर जोन एसओटी के साथ मिलकर प्रगतिनगर के लेक व्यू कॉलोनी में गांधी प्रतिमा की हाल ही में हुई तोड़फोड़ में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

बीते 4 नवंबर की रात को, अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर प्रगतिनगर के लेक व्यू कॉलोनी में गांधी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया। जग्गा अमधु सुधन रेड्डी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर, मामला दर्ज किया गया और तुरंत जांच शुरू की गई। गुरुवार को दोपहर में, बाचुपल्ली पुलिस और बालानगर जोन एसओटी ने तेजी से और रणनीतिक रूप से कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में कोप्पाडी नवीन, वरलक्ष्मी नरसिम्हा, क्षतन्नारू ब्रह्मैया, कूराला प्रवीण शामिल हैं। पुलिस ने संदिग्धों से दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। चारों व्यक्ति प्रगतिनगर, बाचुपल्ली क्षेत्राधिकार में 191 कॉलोनी के निवासी हैं। जांच में पता चला कि संदिग्ध शराब पीने के लिए रात में मूर्ति के पास के इलाके में अक्सर आते थे।

गांधी प्रतिमा स्थापित होने के बाद, उन्हें लगा कि इससे उनकी गतिविधियों में बाधा आ रही है और हताश होकर उन्होंने इसे तोड़ दिया। बालानगर जोन के पुलिस उपायुक्त ने संदिग्धों को पकड़ने में उनकी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए बाचुपल्ली पुलिस, एसीपी कुकटपल्ली, इंस्पेक्टर बाचुपल्ली और बालानगर जोन की एसओटी टीम की सराहना की।

महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : सीएम नायुडू

'सोशल मीडिया पर दुर्व्यवहार किया तो परिणाम भुगतने होंगे'

अमरावती, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को महिलाओं के चरित्र हनन और मानहानि के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि न केवल उनके खिलाफ बल्कि उनके परिवार और गृह मंत्री वांगलापुडी अनिता के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं।

ऐसे लोगों को भुगतने होंगे परिणाम-सीएम नायडू

कई बिजली परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान थल्लायापलेम गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम नायडू ने सोशल मीडिया पर खासकर महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली लापरवाह भाषा की आलोचना की और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को परिणाम भुगतने होंगे।

सीएम नायडू ने पूर्व की सरकार पर लगाया आरोप

सीएम नायडू ने कहा, सोशल मीडिया पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा लापरवाह है। वे महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। क्या हमें कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? क्या मुझे इसे नजरअंदाज कर देना चाहिए? वे अपराधी बन गए हैं। ऐसे समय में जब टीडीपी, बीजेपी और जनसेना वाली सरकार राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, सीएम चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी के सदस्य प्रशासन का मनोबल गिराने के इरादे से अश्लील संदेश पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सीएम नायडू ने चेतावनी दी कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों कानूनों की जांच करेंगे और कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महिलाओं को बदनाम करने का औचित्य नहीं है। उन्होंने न्यायाधीशों के परिवारों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की। सीएम ने गठबंधन सहयोगियों को महिलाओं के बारे में कोई भी अश्लील सामग्री पोस्ट करने से बचने के लिए चेतावनी दी।

पुलिस को भी सीएम नायडू ने दी नसीहत

तिरुपति जिले में हाल ही में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या का जिक्र करते हुए, उन्होंने ऐसे अपराधियों और 'जानवरों' के बीच अंतर जानने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने पुलिस को आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखने की भी नसीहत दी, इस बात पर जोर देते हुए कि अपराधियों को हावी होने से रोकने के लिए कानून प्रवर्तन को और अधिक कुशल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, सीएम ने आरोप लगाया कि 'कुछ अपराधी लोकतांत्रिक सिद्धांतों का गलत इस्तेमाल करते हुए संपत्ति हड़पने समेत अपराध करने के लिए राजनीति को एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की कसम खाई।

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने सभी मुसलमानों से सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार के तत्वावधान में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 6 नवंबर को डोर-टू-डोर सर्वेक्षण शुरू हुआ।

सर्वेक्षण अगले महीने तक जारी रहेगा। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष तारिक अंसारी ने मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के सभी पात्र सदस्यों से सर्वेक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। तारिक अंसारी ने इस बात पर जोर दिया कि यह सर्वेक्षण कई वर्षों के बाद किया जा रहा है, और प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी जातीयता, धर्म और उपजाति, जैसे मुस्लिम शेख, मुस्लिम कुरैशी, मुस्लिम फकीर या किसी अन्य प्रासंगिक श्रेणी का सटीक समावेश सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह कदम न केवल हमारे सामाजिक-आर्थिक अधिकारों की मान्यता में सहायता करेगा बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों तक पहुंच का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। यह सर्वेक्षण शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक विकास, रोजगार और महिलाओं और बच्चों के कल्याण जैसे क्षेत्रों में योग्य व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए सरकारी योजना में सहायता करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा। तारिक अंसारी ने कहा कि सरकारी योजनाएं, चाहे वे छात्रों, महिलाओं या बेरोजगारों के लिए हों, हमारे लोगों को तभी लाभ पहुंचाएंगी जब हमारा प्रतिनिधित्व संपूर्ण और सटीक होगा। उन्होंने कहा, हम पूरे मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों से अपील करते हैं कि वे इस सर्वेक्षण में अपना पूरा और सही विवरण दर्ज करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे अधिकारों की रक्षा हो और आने वाली पीढ़ियां सरकारी कल्याणकारी पहलों से लाभान्वित हो सकें।

ग्रामीण महिला का अपहरण

> काम पर बेटे के न लौटने पर हुई किडनैपिंग > गन्ना उत्पादक ने दिए थे 3 लाख रुपये

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि तेलंगाना के राजन्ना सिरसिला जिले के एक गांव से एक महिला का अपहरण कर लिया गया, क्योंकि उसका बेटा एक समझौते के अनुसार महाराष्ट्र में गन्ने के खेतों में काम करने के लिए वापस नहीं लौटा। यह घटना राजन्ना सिरसिला जिले के वेमुलावाड़ा मंडल के कोडुमुंजा गांव में बुधवार को घटी, लेकिन गुरुवार को प्रकाश में आई।

पल्लपु श्रीनिवास ने महाराष्ट्र के एक गन्ना उत्पादक से कटाई का काम करने के लिए 3 लाख रुपये लिए थे। वह वहां तीन महीने तक काम करता रहा और हाल ही में गांव आया था। जब वह काम पर वापस नहीं लौटा, तो बुधवार को कुछ लोग उसे तलाशते हुए गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से श्रीनिवास के बारे में पूछताछ की और उसके घर गए। चूंकि वह घर पर नहीं था, इसलिए उन्होंने उसकी मां, पत्नी और बच्चों से श्रीनिवास द्वारा उनसे लिए गए पैसे वापस करने को कहा। जब परिवार के लोगों ने बताया कि उन्हें पैसे के बारे में कुछ नहीं पता तो अज्ञात लोगों ने श्रीनिवास की पत्नी को अपने साथ चलने को कहा।

जब उसने मना कर दिया और खुद को एक कमरे में बंद कर लिया तो उन्होंने उसकी मां को पकड़ लिया और जबरन उसे कार में डालकर ले गए। एक वीडियो क्लिप में दो महिलाएं उस समूह में शामिल दिखाई दे रही हैं, जिन्होंने श्रीनिवास की मां का अपहरण किया था। श्रीनिवास के बच्चे रोते हुए देखे गए, जब उनकी दादी को ले जाया गया। अपहरणकर्ता सड़क परिवहन निगम की बस में आए थे, लेकिन वापस जाने के लिए उन्होंने स्थानीय स्तर पर एक कार किराए पर ली थी। यह एक सुनियोजित अपहरण प्रतीत होता है, क्योंकि सीमा पर रोके जाने से बचने के लिए उन्होंने तेलंगाना में पंजीकृत वाहन का उपयोग किया था। श्रीनिवास ने गन्ना कटाई के लिए महाराष्ट्र के लालू दिवाकर से एग्रीमेंट किया था। उसने एडवांस के तौर पर 3 लाख रुपये लिए और काम के लिए महाराष्ट्र चला गया। वहां तीन महीने काम करने के बाद वह घर आया और फिर वापस नहीं लौटा।

दिवाकर ने जब उससे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद श्रीनिवास ओडिशा में अपने भाई के घर चला गया। श्रीनिवास के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने सर्वेक्षण का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि घर-घर सर्वेक्षण में सभी को योगदान देना चाहिए। नरसिंह नगर पालिका कोकापेट में घर-घर परिवार सर्वेक्षण कर रही है।

कलेक्टर ने गुरुवार को निरीक्षण किया। इस मौके पर कलेक्टर कोकापेट में अपार्टमेंट का सर्वे का जायजा लिया।कलेक्टर ने प्रगणक से सर्वे की जानकारी मांगी और सीखा। सर्वे के दौरान विस्तृत जानकारी लेने के बाद कलेक्टर ने संबंधित घर पर स्टीकर लगा दिया और सर्वे पूरा हो गया।

विवरण की गहनता से जांच की गई है। सर्वे के संबंध में प्रगणक को कलेक्टर ने कई सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, राज्य सरकार रोजगार और जाति विवरण एकत्र करने के लिए महत्वाकांक्षी है। लोगों को घर-घर परिवार सर्वेक्षण में योगदान देना चाहिए।

तुम्मला ने किसानों से एमएसपी लाभ के लिए सीसीआई केंद्रों का उपयोग करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ उठाने के लिए अपनी कपास की उपज केवल भारतीय कपास निगम (सीसीआई) केंद्रों पर बेचने का आग्रह किया है। मंत्री ने गुरुवार को यहां सचिवालय में विपणन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और राज्य में चल रही कपास खरीद गतिविधियों पर चर्चा की। बैठक के दौरान, मंत्री ने अधिकारियों को कपास खरीद केंद्रों पर दैनिक आवक की निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने उच्च मूल्य सुनिश्चित करने के लिए सीसीआई द्वारा निर्धारित उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) मानकों का पालन करने की भी सलाह दी।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद में बैंक के मुख्य कार्यालय भवन के लिए एक्स-रे बैगेज स्कैनर सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एसआईटीसी) के लिए ई-निविदा।

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद, बैंक के मुख्य कार्यालय भवन के लिए एक्स-रे बैगेज स्कैनर सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एसआईटीसी) के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹25 लाख (रुपये पच्चीस लाख केवल) है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 08 नवंबर 2024 को 18:00 बजे से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "निविदाओं" के तहत उपलब्ध है।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 17 दिसंबर 2024 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद | हस्ता/-
08 नवंबर 2024 | क्षेत्रीय निदेशक

लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट में तेलंगाना पर्यटन की धमक

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने विश्व पर्यटन बाजार (डब्ल्यूटीएम) के समापन समारोह में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ भाग लिया, जिसमें वैश्विक मंच पर तेलंगाना की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित किया गया। यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री शेखावत ने तेलंगाना स्टॉल का दौरा किया, जिसमें सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन किया गया था, जिसमें बथुकम्मा उत्सव का प्रदर्शन भी शामिल था।

मंत्री जुपल्ली ने शेखावत को चारमीनार का स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर, मंत्री ने तेलंगाना की समृद्ध विरासत और दर्शनीय आकर्षणों पर जोर दिया, जिन्हें डब्ल्यूटीएम के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दिया गया। तेलंगाना स्टॉल में रामप्पा मंदिर, गोलकोंडा किला, चारमीनार और वारंगल किला जैसे प्रतिष्ठित स्थल प्रदर्शित किए गए।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह आयोजन विरासत स्मारकों में रुचि रखने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को आकर्षित करके तेलंगाना में पर्यटन को बढ़ावा देगा। अतुल्य भारत स्टॉल के उद्घाटन के अवसर पर, जुपली कृष्ण राव ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और पर्यटन मंत्रालय की महानिदेशक मुग्धा सिन्हा के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का दृष्टिकोण अपने पर्यटन क्षेत्र को ऊपर उठाने और राज्य के भीतर अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए दुनिया भर में सफल पर्यटन मॉडल का अध्ययन करना है। जुपली कृष्ण राव ने पर्यटन उद्योग में नए व्यावसायिक कनेक्शन, नेटवर्किंग अवसरों और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में डब्ल्यूटीएम की सफलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने वैश्विक स्तर पर एजेंटों से जुड़ने और पर्यटन नेटवर्क का विस्तार करने के लिए इस मंच का उपयोग किया है।

तेलंगाना के वैश्विक पर्यटन प्रचार के हिस्से के रूप में, जुपली कृष्ण राव ने एक रोड शो का नेतृत्व किया, जिसने लंदन में रहने वाले बड़ी संख्या में तेलंगाना के एनआरआई को आकर्षित किया। मंत्री ने एनआरआई से इस क्षेत्र में निवेश करके, राज्य की यात्राओं को प्रोत्साहित करके और तेलंगाना के पर्यटन के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में काम करके तेलंगाना के पर्यटन विकास में योगदान देने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने यूके पर्यटन समुदाय के साथ अपने जुड़ाव के हिस्से के रूप में बिग बेन, लंदन आई और बकिंघम पैलेस सहित लंदन के प्रतिष्ठित स्थलों का दौरा किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.